हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 29 जून 2025

पीएम मोदी ने स्पेस मिशन पर गए शुभांशु से बात की

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

'कांटा लगा' गाने से बनी थी म्यूजिक इंडस्ट्री की सनसनी, ब्लड प्रेशर लो हुआ और पड़ गया दिल का दौरा

जवां रहने व स्लिम होने की लेती थीं दवाएं 42 साल में शेफाली की हार्ट अटैक से मौत

◆ एक्ट्रेस जवान दिखने के लिए 6 साल से कोई खास ट्रीटमेंट करवा रही थीं। साथ ही पतला होने की दवा लेती थीं। जिसके चलते उन्हें स्पेशल डाइट और कई दवाइयों का सेवन करना पड़ता था

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टीवी से लेकर म्यूजिक एल्बम और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की मौत से हर किसी को शॉक्ड कर दिया है। 27 जून को शेफाली ने 42 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। शेफाली लंबे समय से मिर्गी की बीमारी से भी जूझ रही थीं।

अब शेफाली की मौत के बाद उनके डॉक्टर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। डॉक्टर ने बताया है कि एक्ट्रेस जवान दिखने के लिए 6 साल कोई खास ट्रीटमेंट करवा रही थीं। साथ ही पतला होने की दवा लेती थीं। जिसके चलते उन्हें स्पेशल डाइट और कई दवाइयों का सेवन करना पड़ता था। इसी बीच पुलिस ने शेफाली जरीवाला के पति पराग त्यागी का बयान रिकॉर्ड किर लिया है। पराग त्यागी ने पुलिस को बताया है कि उनकी पत्नी का पहले से ही मिर्गी का इलाज चल रहा था इसके अलावा वह स्किन का ट्रीटमेंट भी करवा रही थीं।

उन्हें पास के बेल व्यू अस्पताल ले गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया

पुलिस और फॉरेंसिक की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है

शेफाली का मिर्गी का इलाज भी चल रहा था

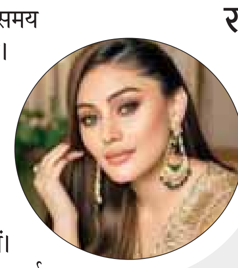

घर पर पूजा खत्म होने के बाद से ही शेफाली की तबीयत बिगड़ने लगी थी

पराग त्यागी ने पुलिस को बताया है कि कपल ने गत 27 जून 2025 को अपने घर में सत्यनारायण की पूजा थी। दिनभर पूजा के चलते शेफाली काफी थक गई थीं। ऐसे में पूजा समाप्त होते ही वह अपने कमरे में जाकर सो गई थीं। इसके बाद वह शाम 6 बजे सोकर उठीं तो उनका बीपी काफी लो हो गया था। सोकर उठने के बाद से ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी। ऐसे में शेफाली ने खुद ही सलाइन लिया लेकिन उनकी हालत और खराब होने लगी थी।

सोसाइटी के वॉचमैन ने दिया बयान

रात 1 बजे लगी थी मौत की जानकारी

शेफाली जरीवाला की सोसाइटी के वॉचमैन ने बीती रात की घटनाओं को लेकर बड़ा खुलासा किया है। वॉचमैन के मुताबिक रात करीब 10 बजे शेफाली की गाड़ी सोसाइटी से बाहर गई थी और उसी दौरान उसने गेट खोला था। इसके बाद वो उन्हें नहीं देख पाया। वॉचमैन का कहना है कि रात लगभग 1 बजे किसी व्यक्ति ने आकर उन्हें जानकारी दी कि शेफाली अब इस दुनिया में नहीं रहीं।

ग्वालियर की बहू थी शेफाली बाद में तलाक लिया

ग्वालियर। शेफाली का ग्वालियर से ससुराल व बहू का नाता था । आज से 17 साल पहले ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर वे ग्वालियर की बहू बनकर पंजाब मेल से अपने पति हरमीत सिंह व ससुराल वालों के साथ आईं थीं। वे ग्वालियर के प्रसिद्ध शराब कारोबारी गुलजार सिंह के मीत ब्रदर्स की जोड़ी के नाम से मशहूर हुए बेटों में से छोटे ब्रदर हरमीत की दुल्हन बनकर ग्वालियर आईं थीं। संगीतकार व सिंगर मीत ब्रदर्स उस समय आज की तरह मशहूर नहीं हुए थे और शेफाली स्टार बन चुकी थीं, और शायद वही बाद में उनकी बीच अलगाव का कारण रहा। गांधीनगर स्थित घर पर बाकायदा नई दुल्हन के स्वागत की रस्में हुईं। उसके बाद चाहे दीवाली पर घर में रंगोली सजाते या आतिशबाजी करते, मॉल में शापिंग करते या फिर होटल सेंट्रल पार्क में काटा लगा सांग पर शहरवासियों के सामने मंच पर अपनी शोख अदाओं से जलवे बिखेरते हुए कई बार शेफाली को क्लिक किया गया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सपरिवार एक म्यूजिक एलबम रिलीज करने के लिए उनके वसंत विहार स्थित कोठी पर पहुंचे थे। उसके बाद वो अचानक ग्वालियर छोड़ गईं। वापस आईं तो न्यायालय में अपने पिता के साथ फाइनल तलाक लेकर हीं निकलीं।

शुभांशु बोले- अंतरिक्ष से भारत भव्य दिखता है, रोज 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्सियम मिशन 4 पर गए भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल पर बातचीत की। पीएम ऑफिस ने शनिवार शाम 5.49 बजे इस बातचीत का वीडियो जारी किया। दोनों के बीच 18 मिनट 25 सेकंड बातचीत हुई। शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। शुभांशु ने कहा कि हां, साथियों के साथ बैठकर खाया।

■ दोनों के बीच 18 मिनट 25 सेकंड बातचीत हुई

प्रधानमंत्री से बातचीत के अंश

- प्रधानमंत्री- आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ भी है। क्या वहां सब ठीक है? क्या आप ठीक हैं?
- शुभांशु- पीएम मोदी आपकी और 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहां ठीक और सुरक्षित हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है। आपके नेतृत्व में आज का भारत अपने सपनों को पूरा करने के लिए कई मौके देता है। मैं यहां भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।
- प्रधानमंत्री- आपको पृथ्वी माता की परिक्रमा का मौका मिला है, आप अभी कहां हैं?
- शुभांशु- हम 16 बार परिक्रमा करते हैं, 16 सनराइज और 16 सनसेट देखते हैं। 28 हजार किमी/घंटे की रफ्तार से चलते हैं। यह गति दिखाती है कि हमारा देश कितनी गति से आगे चल रहा है।
- प्रधानमंत्री- अंतरिक्ष की विशालता देखकर सबसे पहला ख्याल क्या आया?
- शुभांशु- पहला व्यू पृथ्वी का था। इसे देखकर पहला ख्याल ये आया कि पृथ्वी एक जैसी है। बाहर से सीमा रेखा, कोई बॉर्डर नहीं दिखता। भारत को देखा तो वो बहुत भव्य और बड़ा दिखता है। अनेकता में एकता दिखती है पृथ्वी की। पृथ्वी हमारा घर है और हम सब एक हैं।
- प्रधानमंत्री- आप वास्तविक स्थिति में हैं, वहां की परिस्थितियां कितनी अलग हैं?
- शुभांशु- जब पहली बार हम लोग ऑर्बिट में पहुंचे तो पहला व्यू पृथ्वी का था। जब अंतरिक्ष से भारत को देखा तो पता लगा कि जो हम मैप में जो अपने देश को देखते हैं, वो उतना नहीं है, लेकिन भारत सच में बहुत भव्य और बड़ा दिखता है। आपसे बात करते वक्त मैंने अपने पैर बांध रखे हैं क्योंकि यहां जीरो ग्रेविटी है, ऐसा करूंगा तो उड़ने लगूंगा।

खबर संक्षेप

इथियोपियन फ्लाइट की मुंबई में लैंडिंग

मुंबई। अदीस अबाबा से मुंबई आ रही एथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट ईटी 640 को शुक्रवार की रात एक बड़ी तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ा। विमान को गंभीर हालात में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रात करीब 1 बजकर 55 मिनट पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। हाल ही में एयर इंडिया की हीथ्रो से मुंबई आने वाली फ्लाइट में 11 यात्रियों और 6 क्रू मेंबर्स को चक्कर आने और उल्टी जैसा महसूस होने की घटना के कुछ दिन बाद एक और मामला सामने आया है। इन घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है।

महिला न्यूज एंकर का पंखे से लटका मिला शव

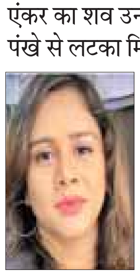

हैदराबाद। 40 वर्षीय महिला न्यूज एंकर का शव उनके आवास पर पंखे से लटका मिला। मृतक की पहचान स्वेच्छा वोटारकर के रूप में हुई है, वे न्यूज एंकर थीं। पुलिस ने इस मामले को संदिग्ध मौत मानते हुए जांच शुरू की है। पुलिस के मुताबिक एंकर के पिता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें उन्होंने एक व्यक्ति को अपनी बेटी की मौत का जिम्मेदार बताया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने महिला एंकर स्वेच्छा वोटारकर के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

बिहारः देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग

पटना। देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग की गई है। बिहार के 26 जिलों की 42 नगर पालिकाओं के उपचुनाव हो रहे हैं। इसमें छह नगर पालिकाओं में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-वोटिंग हो हुई है। यह प्रोजेक्ट वोटिंग सेंटर्स तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए किया गया है। वोटिंग के लिए दो ऐप लॉन्च किए गए हैं। यह सुविधा लेने के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना था। चुनाव आयोग के अनुसार ई-वोटिंग के लिए 50 हजार से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक ई-वोटिंग हुई।

खिवनी अभयारण्य में अतिक्रमण हटाने का विरोध

आंदोलन से एक दिन पहले गिरते पानी में पहुंचे कलेक्टर व एसपी, 50 परिवारों को मिली मदद

- *सीएम डॉ. यादव ने कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं बनाएं कि कल्याणकारी योजनाएं पूर्ण हों*
- *मंत्री विजय शाह को मौके पर जाने के लिए निर्देशित किया गया*

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास/खातेगांव

खिवनी अभयारण्य में वन विभाग द्वारा 23 जून को किए गए अतिक्रमण हटाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। वन विभाग ने बताया कि 82 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है। ग्रामीणों को एक माह पहले नोटिस जारी किया था। इसके बाद अभयारण्य की जमीन पर बनी कच्ची झोपड़ियों और मकानों को तोड़ा गया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि अभयारण्य, सीहोर-देवास में वन विभाग द्वारा जनजातीय अंचल में की गई कार्रवाई का मामला संज्ञान में आया है।

6 माह का राशन और एक माह तक भोजन दिया जाएगा

इसे देखते हुए देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह, एसपी पुनीत गेहलोद और खातेगांव विधायक आशीष शर्मा बारिश के बावजूद मौके पर पहुंचे। प्रभावित परिवारों की मदद के लिए कई घोषणाएं की गईं। करीब 50 परिवारों को 20-20 हजार रुपए और 6 माह का राशन और एक माह तक भोजन दिया जाएगा। आवास योजना से वंचित लोगों को योजना का लाभ मिलेगा। गांव में एक सड़क के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को पट्टा दिया जाएगा। साल 2005 से पहले के रिकॉर्ड के अनुसार पट्टे दिए जाएंगे।

शिवराज बोले- सरकार की छवि बिगाड़ रहे अधिकारी

सीहोर में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान वन विभाग के अफसरों पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि ये अफसर सब गड़बड़, सड़बड़ करते हैं। वन विभाग के अधिकारी सरकार की छवि बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मैं फॉरेस्ट डिपार्टमेंट वालों से कहता हूं कि गलती न करें, ये किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पथराव के आरोपी को गिरफ्तार किया

राजधानी एक्स. पर शराब के नशे में फेंका था पत्थर

◆ मंडी बामौरा स्टेशन के पास सी-4 पर पथराव करने वाले अभी गिरफ्त से बाहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केएसआर बेंगलुरु-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में पथराव करने वाले आरोपी को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ रेल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, अभी भोपाल से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस में मंडी बामौरा स्टेशन के पास सी-4 पर पथराव करने वाले अभी गिरफ्त से बाहर है। जिनकी धरपकड़ के लिए आरपीएफ टीम लगातार प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार केएसआर बेंगलुरु-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (22691) रानी कमलापति स्टेशन और भोपाल स्टेशन सेक्शन से गुजरने के दौरान कोच पर पथराव कर दिया था।

जैन मुनि आचार्य विद्यानंद की 100वीं जयंती पर बोले पीएम

श्रद्धांजलि अर्पित कर बताया भारतीय परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में ॉ कार्यक्रम में जैन मुनि आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम ने उन्हें भारतीय परंपरा का आधुनिक प्रकाश स्तंभ बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना है। इसी सोच के साथ सरकार देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों का विकास कर रही है। पीएम मोदी ने आचार्य की विचारधारा और कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राकृत भाषा भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है, लेकिन समय

के साथ इसकी उपेक्षा हुई। उन्होंने बताया कि सरकार ने प्राकृत भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया और भारत की प्राचीन पाण्डुलिपियों को डिजिटाइज करने का काम भी शुरू किया है। हमने आचार्य विद्यानंद जैसे संतों के प्रयासों को अब पूरे देश का प्रयास बना दिया है।

दिल्ली में कार्यक्रम में कहा- संतों के प्रयासों को अब पूरे देश का प्रयास बना दिया

प्राकृत भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया

केंद्र सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों का विकास कर रहा

जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो

प्रधानमंत्री ने कहा कि आचार्य विद्यानंद जी का मानना था कि जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो जाए। यही विचार जैन दर्शन की मूल आत्मा है, और यही भारत की चेतना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत सेवा प्रधान और मानवता प्रधान देश है। दुनिया जब हिंसा से हिंसा को मिटाने में लगी थी, तब भारत ने अहिंसा की शक्ति का मार्ग दिखाया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है और यह इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि हमारे विचार, दर्शन और चिंतन अमर हैं। हमारे ऋषि-मुनि, संत और आचार्य ही इस दर्शन के स्रोत हैं।

प्रधानमंत्री को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की

विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए

इस अवसर पर आयोजकों ने प्रधानमंत्री को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि मैं खुद को इस उपाधि के योग्य नहीं मानता, लेकिन यह हमारे संस्कार हैं कि संतों द्वारा दी गई हर चीज को प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता है। इसलिए मैं इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं और मां भारती को अर्पित करता हूं। यह दिन और भी खास है। 28 जून 1987 को ही आचार्य को आचार्य पद की उपाधि मिली थी।

नौ संकल्पों को दोहराया और पालन करने की अपील की

पीएम ने 9संकल्पों को दोहराया और लोगों से उनका पालन करने की अपील की। संकल्प हैं- पानी बचाना, मां की याद में एक पेड़ लगाना, स्वच्छता, 'वोकल फॉर लोकल', देश में अलग-अलग जगहों की यात्रा करना, प्राकृतिक खेती को अपनाना, सेहतमंद जीवनशैली।

यह अभूतपूर्व वातावरण का प्रेरक बना

पीएमने कहा कि आचार्य जी उनकी जन्म शताब्दी का ये पूज्य पर्व... उनकी अमर प्रेरणाओं से ओत-प्रोत यह कार्यक्रम एक अभूतपूर्व प्रेरक वातावरण का निर्माण हम सबको प्रेरित कर रहा है।

उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे

उन्होंने कहा कि आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं, तब ये तारीख हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती है। इस अवसर पर आचार्य के चरणों में नमन करता हूं। उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे, ये प्रार्थना करता हूं। **जो हमें छेड़ेगा..कहते ही लगे 'भारत माता की जय' के नारे :** पीएम ने एक जैन संत के प्रवचन का भी जिक्र किया। वे'ऑपरेशन सिंदूर' को आशीर्वाद दे रहे थे। पीएम ने कहा जो हमें छेड़ेगा..., लोगों ने'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

खबर संक्षेप

बिश्नोई गैंग ने कारोबारी से 30 करोड़ रंगदारी मांगी

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के लिए काम

करने वाले रोहित गोदारा और उसकी गैंग ने कारोबारी से मांगी 30 करोड़ की रंगदारी मांगी है। कारोबारी अशोक चांडक भाजपा से भी जुड़े हैं। चांडक ने एफआईआर दर्ज करवाई है। गोदारा, हैरी बॉक्सर और अन्य के खिलाफ उन्होंने केस दर्ज करवाया है।

गुजरात कांग्रेस उपाध्यक्ष का बेटा गिरफ्तार

भरूच। गुजरात कांग्रेस के उपाध्यक्ष हीरा जोतवा को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कथित मनरेगा घोटाले के मामले में कांग्रेस नेता हीरा जोतवा और उनके बेटे दिग्विजय जोतवा समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।सभी आरोपियों पर मनरेगा में सरकारी धन की हेराफेरी का आरोप है। सरकारी धन की हेराफेरी का बड़ा आरोप है।

पूर्व सांसद के पीए को तलवारों से काटा

लुधियाना। यहां शिरोमणि अकाली दल के पूर्व सांसद जगदेव सिंह तलवंडी के पीए कुलदीप सिंह

मुंडियां को देर रात कार सवारों ने तलवारों से काट डाला। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कुलदीप सिंह शुक्रवार की देर अपनी कार में फार्म हाउस से निकले थे। रास्ते में कार सवार आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और मरते दम तक मारते रहे।

रोहतक के एक परिवार के 4 लोगों की मौत

रोहतक। यहां के खेड़ी साध निवासी एक परिवार के चार लोगों की मेंहदीपुर बालाजी से लौटते

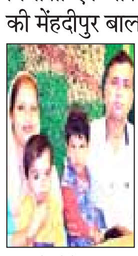

समय हादसे में मौत हो गई। आईएमटी थाना पुलिस ने बताया कि खेड़ी साध गांव निवासी प्रमिला (46) अपने बेटे दिपांशु (21) बेटी साक्षी (17) और पड़ोसी राजबाला (60) के साथ एक कार में सवार होकर राजस्थान के मेंहदीपुर बाला दर्शन करने के लिए गए थे।

आईआईटी मद्रास में यौन उत्पीड़न, अरेस्ट

चेन्नई। आईआईटी मद्रास में 20 वर्षीय महिला प्रशिक्षु के साथ 25 जून की रात को कथित यौन

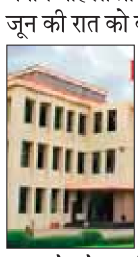

उत्पीड़न हुआ। गिरफ्तार युवक संस्थान के फूड कोर्ट में कार्यरत था। शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने डीजीपी को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच का आह्वान किया।

कोलकाता में छात्रा से दुष्कर्म मामले में नहीं थम रहा बवाल

लॉ कॉलेज का गार्ड भी गिरफ्तार, अब तक 4 पर शिकंजा, प्रदर्शन करते सुकांत हिरासत में

भाजपा ने ममता सरकार पर बोला हमला, इस्तीफा भी मांगा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

यहां सामूहिक दुष्कर्म मामले में कोलकाता पुलिस ने बताया है कि लॉ कॉलेज के गार्ड पिनाकी बेनर्जी को भी मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के लिए पुलिस की ओर से हिरासत में लिए गए गार्ड को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा गार्ड को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया। वह गोलमोल जवाब दे रहा था। कॉलेज में उसकी मौजूदगी कॉलेज में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि गार्ड अपनी ड्यूटी में नाकाम रहा। वह जवाब नहीं दे पाया कि उसने क्यों उचित कार्रवाई नहीं की और तीनों आरोपियों को अपराध करने से क्यों नहीं रोका? वह क्यों और किसके कहने पर अपने कमरे से बाहर निकला? वह इसका जवाब भी नहीं दे रहा है।

आरजीकर मामले के बाद फिर बंगाल शर्मसार

तीनों आरोपी पहले से ही गिरफ्तार

इससे पहले कोलकाता के विधि कॉलेज में एक छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी व तृणमूल कांग्रेस के छात्र नेता मनोजीत मिश्रा, जैब अहमद और प्रोमित मुखोपाध्याय को गिरफ्तार किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार पर भी कार्रवाई की

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी छात्रा के गैंगरेप और हत्या के मामले ने सबको हिलाकर रख दिया था। इस मामले में कस्बा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं घटना के बाद से भाजपा इसे लेकर सरकार पर हमलावरहै। भाजपा ने कोलकाता में गैंगरेप केस की जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार को हिरासत में ले लिया है।

प्रदर्शन को दबाने की कोशिश

भाजपा ने मांगा सीएम ममता का इस्तीफा

घटना को बताया राज्य प्रायोजित राज्य में निर्दयता बढ़ी

भाजपा ने पबंगाल सामूहिक दुष्कर्म के मामले में राज्य की टीएमसी सरकार पर हमला बोला। भाजपा प्रवक्ता

संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जिस राज्य की सीएम एक महिला हैं, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन वहां इतनी असंवेदनशीलता और निर्दयता क्यों है? पीड़िता ने जो बयान दिया है, उससे साफ पता चलता है कि सामूहिक दुष्कर्म की यह घटना कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है।

टीएमसी के शीर्ष नेताओं के साथ दिखा मुख्य आरोपी

भाजपा ने कहा कि हम सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर ममता से स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं बल्कि हम उनसे माफी मांगने और सीएम पद से इस्तीफा देने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि पीड़िता को हॉकी से पीटा गया। जिस तरह से डरावनी फिल्मों में शैतान महिलाओं के साथ सलूक करते हैं, वैसा ही सलूक टीएमसी के गुंडों ने पीड़िता के साथ किया। वे उसे अस्पताल लेकर नहीं गए। टीएमसी का नेता मनोजीत मिश्रा इसमें मुख्य आरोपी है। उसे अभिषेक बनर्जी, मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के साथ भी देखा गया है।

यह क्रूर घटना राजनीति से प्रेरित

संबित पात्रा ने कहा कि यह क्रूर घटना राजनीति से प्रेरित है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं क्योंकि यह पूरा मामला कॉलेज संघ से जुड़ा है। मुख्य आरोपी खुद टीएमसी की छात्र शाखा का सचिव रहा है और वह टीएमसी का सदस्य है।

राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

भाजपा नेता और नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए और सेना और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाए। टीएमसी दुष्कर्मियों, भ्रष्टाचारियों और देश विरोधियों की पार्टी है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार में महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं।

भाजपा ने बनाई 4 सदस्यों की जांच कमेटी

कॉलेज का दौरा कर सौंपेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। गैंगरेप मामले में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने 4सदस्यों वाली जांच कमेटी बना दी है। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह और मीनाक्षी लेखी,सांसद बिप्लव देव और मनन मिश्रा को शामिल किया किया गया है। यह कमेटी कॉलेज का दौरा करेगी और रिपोर्ट नड्डा को सौंपेगी।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

तत्काल कार्रवाई की जाए, पुलिस सहयोग करे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दक्षिण कोलकाता में हुए सामूहिक बलात्कार मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आयोग के सदस्य और पीड़िता एवं उसके परिवार के बीच बैठक के लिए राज्य पुलिस से सहयोग मांगा है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस घटना को गंभीर बताया।

नागपुर में बोले सीजेआई गवई

एक संविधान के लिए धारा 370 हटाने का फैसला स्वीकार किया

एजेंसी ▶▶ नागपुर

देश के मुख्य न्यायाधीश ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट रखने के एक ही संविधान की जरूरत है। हमने संसद द्वारा लिए गए धारा 370 को हटाने के फैसले को सर्वसम्मति से स्वीकार किया, ताकि देश में एक ही संविधान चले। देश के एक राज्य में अलग संविधान बाबा साहेब आंबेडकर की विचारधारा के अनुरूप नहीं था। उन्होंने कहा कि संविधान के केंद्रीकृत होने को लेकर आंबेडकर की खूब आलोचना की गई थी। बाबा साहेब ने कहा था कि हम देश को सभी चुनौतियों के लिए उपयुक्त संविधान दे रहे हैं और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि यह युद्ध और शांति के समय में देश को एकजुट रखेगा।

सुनवाई के दौरान डॉ. आंबेडकर के शब्द याद आ गए

डॉ. आंबेडकर भी पूरे देश के लिए एक संविधान चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आर्टिकल 370 पर सुनवाई के दौरान उन्हें डॉ. आंबेडकर के शब्द याद आ गए थे। सीजेआई गवई नागपुर में संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के मौके पर संबोधित कर रहे थे।

संविधान में तीनों अंगों की सीमाएं तय

इससे पहले मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि संविधान ने सरकार के तीन अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की सीमाएं तय की हैं। कानून बनाना विधायिका और राज्य विधानसभाओं की जिम्मेदारी है, जबकि कार्यपालिका संविधान और कानून के ढांचे के भीतर काम करती है। उन्होंने कहा कि संविधान और नागरिकों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

न्यायिक दुस्साहस, आतंकवाद न हो

सीजेआई ने कहा कि अगर न्यायपालिका हर मामले में कार्यपालिका और विधायिका के क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने की कोशिश करती है, तो मैं हमेशा कहता हूं हालांकि न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस और न्यायिक आतंकवाद में बदलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब कोई कानून संसद या राज्य विधानसभा के अधिकार से परे बनाया जाता है और यह सांविधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, तो न्यायपालिका के लिए हस्तक्षेप करना अनिवार्य है।

मणिपुर में नई सरकार की कवायद तेज

विधायकों के साथ चल रहीं बैठकें, जल्द बनेगी नई सरकार

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में

एक बार फिर से लोकप्रिय सरकार बनाने की कोशिशें चल रही हैं। इस समय मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। भाजपा के राज्य कार्यालय में एक कार्यक्रम से इतर सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राज्य में जल्द ही एक नई सरकार बनेगी।

बीरेन बोले-हमारा फोकस संकट पर

बीरेन ने कहा हम जल्द सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जमीनी स्थिति को देखने के बाद मुझे पूरा भरोसा है कि सरकार जल्द बनेगी। भाजपा और उसके सहयोगी भी एक लोकप्रिय सरकार चाहते हैं। हम लोकप्रिय सरकार की वापसी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने (भाजपा) किसी की आलोचना नहीं की है। हम केवल मौजूदा संकट पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों से बातचीत जारी है।

केरल के स्कूलों में जुंबा डांस पर विवाद

इस कार्यक्रम पर मुस्लिम संगठनों ने जताई आपत्ति

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल के स्कूलों में छात्रों का तनाव कम करने शुरू किए गए जुंबा डांस कार्यक्रम

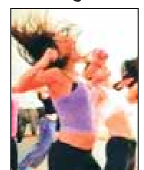

को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की पहल पर यह फिटनेस प्रोग्राम लागू किया गया था, ताकि स्कूली छात्रों में बढ़ते तनाव को कम किया जा सके और नशे की लत जैसी समस्याओं से उन्हें दूर रखा जा सके। लेकिन इस कदम पर राज्य के कुछ मुस्लिम संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

एक साथ डांस में नैतिकता होगी प्रभावित

मुख्यमंत्री ने हाल ही में सुझाव दिया था कि कक्षा 8 से जुंबा सत्र स्कूलों में लागू किए जाएं। इसके बाद शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को जुंबा की ट्रेनिंग देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। लेकिन कुछ मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यह कदम छात्रों की नैतिकता को प्रभावित कर सकता है, विशेषकर तब जब लड़के और लड़कियां एक साथ यह डांस करते हैं।

रथ यात्रा में पत्नी संग पहुंचे अडाणी

शुरू की 'प्रसाद सेवा', अपने हाथों से बनाया

पुरी। बिजनेस मैन गौतम अडानी ने पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा में हिस्सा लिया। अडानी परिवार के साथ2 दिन तक पुरी में रहेंगे।ी समूह ने पुरी धाम में 'प्रसाद सेवा' शुरू की है। ये प्रसाद 26 जून से 8 जुलाई तक रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की 'सेवा' के लिए है। अडानी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी पत्नी प्रीति के साथ मंदिर परिसर में प्रसाद भी अपने हाथों से बनाया।

हिमाचल में भारी बारिश ने प्रदेशभर में मचाई तबाही

31 की मौत, कई लापता और 53 सड़कें बंद

- **29.16 करोड़ का नुकसान सप्ताह भर में**
- **66 लोग अब तक घायल**

135 बिजली ट्रांसफार्मर और 147 पेयजल योजनाएं ठप

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार हिमाचल में 20 जून को मानसून आने के बाद से 27 जून तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोग लापता हैं, जबकि 66 लोग घायल हुए हैं। इसमें सांप के काटने, डूबने, सड़क हादसों के अलावा पानी में बहे लोगों के आंकड़े भी शामिल हैं। भारी बारिश से प्रदेश को सप्ताह में ही 29.16 करोड़ का नुकसान हो चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को 2 करोड़ 743.40 लाख का हुआ है। 6 घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं जबकि 8 क्षतिग्रस्त हुए हैं। 7 दुकानें और 8 गौशालाएं को भी पानी बहा कर ले गया है, जिनमें 37 पशु पक्षी भी बहे हैं।

प्रदेश भर में 53 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। 135 बिजली ट्रांसफार्मर और 147 पेयजल योजनाएं ठप होने से हजारों लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। राज्य में सबसे अधिक नुकसान कुल्लू जिले में दर्ज किया गया है, जहां 23 सड़कें बंद हैं। निरमंड और आनी उपमंडलों में जलापूर्ति और बिजली व्यवस्था ठप गई है। जिले में 74 ट्रांसफार्मर और 118 पेयजल योजनाएं काम नहीं कर रही हैं।

ऑरेंज अलर्ट घोषित

मौसम विभाग ने आगामी 3 जुलाई तक भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। विशेष रूप से 29 जून को भारी बारिश की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

नदी-नाले उफने, पानी घरों में घुसा ऋषिकेश का रास्ता बना खतरनाक

ऋषिकेश। यहां वर्षा के जलते नदी नाले उफान पर आ गए। विभिन्न स्थानों पर जलभराव है। ऋषिकेश मार्ग में भी जगह-जगह जल भराव एवं भारी मलबा आ गया। इसके अलावा एयरपोर्ट के अंदर से आया पानी लोगों के घरों मे घुस गया। घर में रखा सामान भीग गया और उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। मोलधार अठुरवाला में बनी पुलिया के नीचे कूड़ा व बरसाती मलबा भर जाने से बरसाती पानी ओवरफ्लो हो गया और घरों व दुकानों के आसपास भर गया। सुसवा नदी उफान पर दिखी।

डब्ल्यूएचओ ने भारत सरकार को सराहा

देश को बड़ी 'कामयाबी' मिली 'जीरो-डोज' वाले बच्चों में कमी

नई दिल्ली। जीवनभर आपको कई प्रकार की गंभीर और संक्रामक बीमारियों के खतरे से बचाने में बचपन के टीकाकरण की अहम भूमिका है। इस दिशा में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। केंद्रीय

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि सरकार के सक्रिय, समावेशी दृष्टिकोण के चलते 'जीरो डोज चिल्ड्रेन' की दर में कमी आई है। देश की कुल आबादी में 'जीरो डोज' वाले बच्चों का प्रतिशत 2023 में 0.11 प्रतिशत से घटकर 2024 में 0.06 प्रतिशत हो गया है, जो बाल स्वास्थ्य की दिशा में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 'जीरो डोज' वाले बच्चों का मतलब उन बच्चों से है जिनतक नियमित टीकाकरण सेवाओं की या तो पहुंच नहीं है या फिर जिनका कभी भी टीकाकरण ही नहीं हुआ है।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

12 दिन चलने वाली रथ यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन था

भगवान जगन्नाथ का रथ पहुंचा गुंडिचा मंदिर, वे नौ दिन तक रहेंगे मौसी के घर

गुंडिचा मंदिर मुख्य मंदिर से 3 किमी की दूरी पर

एजेंसी ▶▶ पुरी

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। 12 दिन चलने वाली रथ यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन था।

आज फिर से भगवान जगन्नाथ को मौसी के घर ले जाने के लिए रथ खींचे गए। यह भव्य यात्रा पुरी के जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर गुंडिचा मंदिर तक पहुंची। गुंडिचा मंदिर मुख्य मंदिर से 3 किमी की दूरी पर है।

गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान बालभद्र, देवी सुभद्रा नौ दिवसीय वार्षिक प्रवास की शुरुआत करेंगे। राज्य के कानून मंत्री समेत कई गणमान्य लोगों ने भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचा। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचे हैं।

श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रशासक अरबिंद के पधी ने बताया कि सभी अनुष्ठान, प्रथाएं सही समय पर पूरी हुईं। 28 जून को रथ यात्रा सुबह साढ़े नौ बजे शुरू हुई।

'जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ'

दुनिया के सबसे बड़े रसोईघर में बनता है महाप्रभु का 'महाप्रसाद'

यूं तो इस उत्सव की कई खासियत है, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान यहां महाप्रसाद खींचता है जिसे छप्पन भोग भी कहा जाता है। जिस जगह भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद तैयार किया जाता है, उसे दुनिया का सबसे बड़ा रसोईघर कहा जाता है, यह पुरी में स्थित है। इस उत्सव से महीनों पहले ही रसोईघर की साफ- सफाई का कार्य शुरू हो जाता है, ताकि प्रसाद की तैयारी साफ- सफाई के साथ की जाए। प्रसाद 500 रसोइए और करीब 300 सहयोगियों के द्वारा तैयार किया जाता है। यहां मुख्य

> प्रसाद 500 रसोइए और करीब 300 सहयोगियों के द्वारा तैयार किया जाता है

प्रसाद के रूप में भात का भोग लगाया जाता है, यह एक तरह की चावल की खिचड़ी होती है, जिसे ग्रहण कर भक्त कहते हैं- जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ। यानी कि भगवान जगन्नाथ को चढ़ाया हुआ भात भक्तों के लिए खास है। मान्यता है कि महाप्रसाद खाने से सभी पापों का नाश हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसे में प्रसाद को लेने के लिए भक्त लंबी कतारों में खड़े होकर कई घंटे इंतजार भी करते हैं। महाप्रसाद को खास मिट्टी के बर्तनों में तैयार किया जाता है। प्रसाद तैयार करने के लिए किसी भी तरह के धातु के बर्तन इस्तेमाल नहीं किए जाते हैं। सालों से यहां प्रसाद मिट्टी के बर्तनों में बनाने का चलन है। महाप्रसाद गैस पर नहीं, बल्कि लकड़ियों को जलाकर पकाया जाता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

लॉ के छात्रों को बड़ी राहत, कार्रवाई पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के एक कानून छात्र को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई एहतियाती हिरासत से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इस हिरासत को पूरी तरह से गलत और असंगत बताया। बता दें कि, ये मामला मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का है, जहां अनु उर्फ अनिकेत, जो कि एक कानून का छात्र है को 11 जुलाई 2024 को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था।

खनन की निगरानी में ड्रोन का उपयोग महाराष्ट्र में

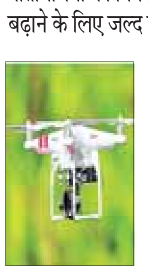

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि खनन गतिविधियों की निगरानी और राजस्व बढ़ाने के लिए जल्द ही उन्नत ड्रोन तकनीक का उपयोग करेगी, जिसकी शुरुआत पुणे जिले में एक पायलट परियोजना से होगी। राज्य के राजस्व मंत्री ने कहा कि बजरी, रेत और पत्थर से राजस्व कम मिल रहा है।

सीबीडीटी के अध्यक्ष का कार्यकाल केंद्र ने बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाकर जून 2026 तक कर दिया है। अग्रवाल 1988 बैच के आईआरएस के अधिकारी हैं और वह 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे। उन्हें जून 2024 में एक वर्ष के लिए सीबीडीटी का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने अनुबंध के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए एक जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, भर्ती नियम में छूट के साथ, पुनर्नियोजित केंद्र सरकार के अधिकारियों पर लागू सामान्य नियमों और शर्तों पर फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

पृथ्वीपुर में लोक माता देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन में सीएम ने कहा

बुंदेलखंड के हर खेत को पानी और हर हाथ को मिलेगा काम

मुख्यमंत्री ने अछरु माता लोक के निर्माण के लिए 5 करोड़ की राशि देने की कि घोषणा

सीएम ने कहा कि दीपावली से लाड़ली बहनों को 1500 रुपए दिए जाएंगे, और 2028 तक 3000 रुपए लाड़ली बहनों को दिए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा भारत में बहन-बेटियों का सम्मान होता है। दुनिया में कहीं भी रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता। 7 जन्मों तक भाई-बहन का प्रेम रहता है। इस प्रेम की किसी से तुलना नहीं हो सकती। इसलिए सरकार ने तय किया है कि लाड़ली बहनों के लिए रक्षाबंधन पर 250 रुपए बढ़ाए जाएंगे। दीपावली से लाड़ली बहनों को 1500 रुपए दिए जाएंगे, और 2028 तक 3000 रुपए लाडली बहनों को दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर में आयोजित लोक माता देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की मातृशक्ति भारत का मान बढ़ाया है।

देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन में शामिल होकर मैं अभीभूत हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में जन्माष्टमी का पर्व आने वाला है। हम जन्माष्टमी के पर्व पर माता यशोदा मैया को स्मरण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा की आने वाला समय अब बुंदेलखंड का है। यहां के किसानों के खेतों तक समुचित पानी पहुंचेगा हर हाथ को कम मिलेगा इसके प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसलों का उत्पादन ठीक प्रकार से हो। उनकी कीमत भी किसानों को ठीक प्रकार से मिले इसके समुचित प्रयास किए जा रहे हैं।

- *सिमरा से पृथ्वीपुर मार्ग का किया जाएगा दोहरीकरण, मुख्यमंत्री ने की घोषणा*
- *मातृशक्ति ने भारत का मान बढ़ाया, भारत अपने दुश्मनों को उनके घर ने घुसकर मारता है*

7 किमी से ज्यादा दूरी है तो ऐसे सभी बच्चों को साइकिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार 350 से ज्यादा संदीपनी विद्यालय प्रदेश में बना रही है। इसी जुलाई के महीने से जिन बच्चों के घर की स्कूल से 7 किमी से ज्यादा दूरी है, ऐसे सभी बच्चों को साइकिल देने का काम सरकार करने वाली है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली छात्रों को मप्र सरकार लैपटॉप उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आईटी सेक्टर को भी प्रोत्साहित कर रही है, ताकि मप्र प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार मिल सके।

कोई ताकत हमारी लाड़ली बहनों को धन देने से नहीं रोक सकती

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत हमारी लाड़ली बहनों को धन देने से नहीं रोक सकती। मप्र सरकार बहनों के विकास के मामले में कोई कसर बाकी रखने वाली नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडीमेड गारमेंट में काम करने आने वाली बहनों को प्रदेश सरकार 5000 रुपए महीना देगी यह सरकार का निर्णय है। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी देश हमारे नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार नहीं कर सकता। भारत दुश्मनों से लड़ने के लिए अपनी सीमा का इंतजार नहीं करता। उनके घर में घुसकर मारने का काम करता है यह बदलते दौर का भारत है।

फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के प्रयास किए जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवाड़ी जिले में हल्दी,अदरक, लहसुन की खेती करते हैं। इसके लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट का अभाव है, इसके लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के प्रयास किए जाएंगे। निवाड़ी जिले में मछली उत्पादन करने वाले मछुवारों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा था- संविधान की प्रस्तावना से सेकुलर और समाजवाद शब्द हटाए जाएं

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- जो शब्द जोड़े गए वे नासूर, सनातन की आत्मा का यह अपमान

- *भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ*
- *इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया। इसमें 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्द जोड़ दिए गए*

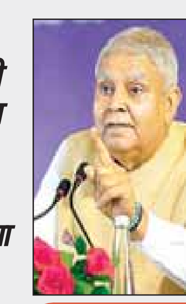

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द हटाए जाने को लेकर जो बहस शुरू की अब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसको और आगे बढ़ा दिया है, उपराष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर हैं। सनातन की आत्मा के साथ किया गया अपमान है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है, और क्यों? प्रस्तावना अपरिवर्तनीय है। प्रस्तावना आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। लेकिन, भारत की इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ दिए गए।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर

धनखड़ ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर था जब लोग जेलों में थे, मौलिक अधिकार निलंबित थे। उन लोगों के नाम पर 'हम भारत के लोग' जो खुद उस समय दासता में थे, क्या सिर्फ शब्दों का प्रदर्शन किया गया? इसे शब्दों से परे जाकर निंदा की जानी चाहिए। केसवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973 के ऐतिहासिक फैसले में, 13 न्यायाधीशों की पीठ ने प्रस्तावना पर गहराई से चिंतन किया। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि प्रस्तावना संविधान की व्याख्या के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करती है और यह दर्शाती है कि संविधान की सत्ता का स्रोत कौन है अर्थात भारत की जनता।

लाइसेंस रिन्युवल को लेकर रिश्वत ली थी

रिटायरमेंट से एक दिन पहले 50 हजार की रिश्वत लेते दबोचा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

लोकायुक्त पुलिस सागर ने कृषि उपज मंडी सागर में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कृषि विस्तार अधिकारी ने एक कृषि दवा व्यापारी के लाइसेंस रिन्युवल को लेकर रिश्वत ली थी। लोकायुक्त पुलिस के डीएसपी संजय जैन ने बताया कि फरियादी की गल्ला मंडी में कृषि दवाओं की दुकान है। व्यापारी सुनील कुमार जैन ने लोकायुक्त पुलिस सागर में शिकायत की थी कि कृषि विस्तार अधिकारी संतोष कुमार जैन पिता शिखरचंद जैन निवासी बाहुबली कॉलोनी सागर ने उसकी दुकान के लायसेंस के नवीनीकरण और मक्का की जांच रिपोर्ट उसके पक्ष में करने के एवज में 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है।

> ■ कृषि विस्तार अधिकारी को लोकायुक्त ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया

रतलाम डीजल प्रकरण में पंप संचालक पर एफआईआर

मप्र के सभी पेट्रोल पंपों की जांच के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य शासन ने मप्र के सभी पेट्रोल पंप की गहन जांच कराने के निर्देश दिए हैं। रतलाम में हुई घटना पर संज्ञान लेते हुए खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि उपभोक्ताओं को हर हाल में गुणवत्तायुक्त पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध कराने को कहा है।

उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को ऑयल कंपनियों के साथ बैठक कर जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में यह आवश्यक रूप से देखा जाएगा कि पेट्रोल पंपों के भूमिगत टैंकों में पानी का रिसाव तो नहीं हो रहा है। यदि ऐसा पाया जाता है तो पानी के रिसाव को रोकने संबंधी एवं उपभोक्ताओं को सही गुणवता का डीजल और पेट्रोल प्रदाय करने की समस्त कार्रवाई करें। रतलाम में मुख्यमंत्री के कारकेट के कई वाहनों ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के पेट्रोल पंप शक्ति फ्यूल पॉइंट डोसीगांव से डीजल भरवाया था। डीजल में पानी होने से वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो गई।

'ऑपरेशन सिंदूर' में निभाई थी अहम भूमिका

आईपीएस अधिकारी पराग जैन होंगे नए रॉ प्रमुख, वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे

सिन्हा का कार्यकाल 30 जून को खत्म

> ■ पराग जैन का कार्यकाल दो साल होगा, 1 जुलाई को संभालेंगे पदभार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र ने पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे। रवि सिन्हा का मौजूदा कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। पराग जैन का कार्यकाल दो साल होगा।

कई ऑपरेशन संभाले हैं पराग ने

पंजाब में जब आतंकवादियों ने दहशत मचा रखी थी, पराग जैन ने तब बठिंडा, मानसा, होशियारपुर में ऑपरेशनल भूमिका निभाई। इससे पहले वे चंडीगढ़ के एसएसपी और लुधियाना के डीआईजी रह चुके हैं। उन्होंने रॉ में पाकिस्तान डेस्क संभाली है। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाए जाने और ऑपरेशन बालाकोट के दौरान जम्मू-कश्मीर में भी काम किया है। पराग जैन काफी विनम्र अधिकारी कहे जाते हैं। उन्होंने कनाडा और श्रीलंका में भारतीय प्रतिनिधि के तौर पर काम किया है। कनाडा में पोस्टिंग के दौरान उन्होंने वहां खालिस्तान समर्थकों को चुनौती दी थी और नई दिल्ली को बार-बार चेतावनी दी थी कि यह खतरनाक होता जा रहा है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मांगी रिपोर्ट

अब आईआईटी मद्रास में इंटर्न के यौन उत्पीड़न का मामला, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

आईआईटी मद्रास में एक 20 वर्षीय महिला प्रशिक्षु के साथ 25 जून की रात को कथित यौन उत्पीड़न हुआ। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किया गया 22 वर्षीय युवक संस्थान के फूड कोर्ट में कार्यरत था। पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने मामले का संज्ञान लेते हुए तमिलनाडु पुलिस से रिपोर्ट तलब की है। अपराध का स्वतः संज्ञान लेते हुए, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने तमिलनाडु के डीजीपी को पत्र लिखकर बीएनएस, 2023 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत निष्पक्ष और समयबद्ध जांच का आह्वान किया। कोट्टूरपुरम पुलिस के अनुसार डंडा पकड़े हुए व्यक्ति उसके पास गया और उसके बाल खींचने लगा। इंटर्न ने तुरंत शोर मचाया। कैंपस में मौजूद सुरक्षाकर्मी उसे बचाने के लिए दौड़े। बाद में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान महाराष्ट्र के मूल निवासी रोशन कुमार के रूप में की, जो आईआईटी (एम) के एक फ़ूड कोर्ट में काम करता था।

> ■ संदिग्ध की पहचान महाराष्ट्र निवासी रोशन कुमार के रूप में हुई

प्रदेश में कई जगह तेज बारिश से बिगड़े हालात

आज बनेगा नया सिस्टम दो दिन बाद कई जिलों में तेज बारिश

चित्रकूट की गोदावरी गुफा बंद, सतना में घरों में बारिश का पानी घुसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविवार को बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इससे सभी जिलों में मध्यम से तेज बारिश होगी। राजधानी में एक से 2 जुलाई के बीच एक दिन में 50 से 60 मिमी तक बारिश की उम्मीद है। रविवार को भिंड, मुरैना, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले दो दिन प्रदेश में बारिश की रफ्तार लगभग ऐसी ही रहेगी। इसके बाद धीरे धीरे बढ़ेगी। शनिवार को कई जिलों में तेज बारिश से हालात बिगड़ गए। चित्रकूट की गोदावरी गुफा पानी भरने से बंद हो गई।

पारा सामान्य से 11 डिग्री तक कम

शनिवार को अधिकांश जिलों में बारिश से दिन के तापमान में औसतन डेढ़ डिग्री की कमी आई। इंदौर, दमोह, खजुराहो और सतना में पारा 5 से 6 डिग्री तक गिरकर सामान्य से औसतन 8 डिग्री तक कम रहा। नौगांव में 3 डिग्री की गिरावट के साथ 11 डिग्री तक कम दर्ज हुआ। दतिया, सतना, रीवा, खजुराहो, गुना में पारा सामान्य से 8 से 9 डिग्री तक कम रहा। भोपाल में 1.2 डिग्री गिरकर 28.8 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 5.3 डिग्री कम है। प्रदेश में औसत अधिकतम पारा 28 डिग्री रहा।

आज यहां भारी बारिश का अलर्ट

रविवार को सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, उमरिया, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, मैहर में कहीं कहीं भारी से मध्यम बारिश होगी। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच में गरज चमक के साथ बौछारें अथवा मध्यम बारिश, बौछारें पड़ेंगी। बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, श्योपुरकलां, शहडोल, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, पांढुर्णा में भी हल्की बारिश होगी।

'आप जैसा कोई' का पहला गाना 'मिला तुझे' जारी...

मुंबई। 'केसरीः चैप्टर 2' में वाहवाही लूटने के बाद अब आर माधवन जल्द ही फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान विवेक सोनी ने संभाली है। इस फिल्म में माधवन के साथ फातिमा सना शेख नजर आएंगी और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब निर्माताओं ने 'आप जैसा कोई' का पहला गाना 'मिला तुझे' जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने प्रतीक्षा श्रीवास्तव के साथ मिलकर गाया है। 'मिला तुझे' गाने में फातिमा और माधवन एक-दूजे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया है।

लाइफ Style

रश्मिका
नई फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रश्मिका मंदाना इन दिनों फिल्म 'कुबेर' में नजर आ रही हैं, जिसमें उनके काम को काफी सराहा जा जा रही है, वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म औसत कमाई कर रही है। आने वाले समय में रश्मिका कई बेहतरीन फिल्मों में अपनी अदाकारी का दमखम दिखाती नजर आएंगी।

बीते दिन रश्मिका ने अपनी नई फिल्म का ऐलान किया था, वहीं अब उन्होंने अपनी फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठा दिया है। रश्मिका की नई फिल्म का नाम 'मैसा' है। 'मैसा' से रश्मिका की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका रौद्र रूप दिख रहा है। खून से लथपथ रश्मिका हाथ में एक भाला लिए नजर आ रही हैं। 'मैसा' एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देख पाएंगे। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। फिल्म में रश्मिका बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान रवींद्र पुल्ले ने संभाली है।

रश्मिका ने लिखा, 'मैं हमेशा आपको कुछ नया देने की कोशिश करती हूं... कुछ अलग... कुछ रोमांचक और यह उनमें से एक है। एक ऐसा किरदार, जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया... एक ऐसी दुनिया, जिसमें मैंने कभी कदम नहीं रखा और मेरा एक ऐसा रूप, जिससे मैं भी अब तक नहीं मिली थी। मैं घबराई हुई हूं। मैं सच में इंतजार नहीं कर सकती कि आप देखें कि हम क्या बनाने जा रहे हैं। यह तो बस शुरुआत है।'

हॉलीवुड मसाला

हेट्स ऑफ... 2 जुलाई को होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा काफी समय से फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान इल्या नाइशुलर ने संभाली है। प्रियंका के साथ इस फिल्म में जॉन सीना और इदरीस एल्बा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब आखिरकार 'हेड्स ऑफ स्टेट' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। 'हेड्स ऑफ स्टेट' का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होने वाला है। इस फिल्म को आप 2 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो देख सकते हैं।

नताशा-जेफ की शादी में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय...

वीनस। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और पत्रकार लॉरेन सांचेज इटली के वेनिस में शादी के बंधन में बंध चुके हैं। इस शादी में करीब 200 मेहमान शामिल हुए थे। शादी के लिए तीन दिनों के प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। इस शादी में वैसे तो दुनिया भर की तमाम नामचीन हस्तियां शामिल हुईं थीं मगर भारत से सिर्फ नताशा पूनावाला को ही आमंत्रित किया गया था। नताशा 'सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' के सीईओ आदार पूनावाला की पत्नी हैं। बता दें कि नताशा एक जानी-मानी भारतीय बिजनेसवुमन, समाजसेविका और फैशन आइकन हैं। उनका जन्म 26 नवंबर, 1981 को पुणे में हुआ था। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अपनी पढ़ाई पूरी की है। नताशा अक्सर अपने ग्लैमरस अंदाज और अंतरराष्ट्रीय फैशन कार्यक्रमों (मेट गाला और कान्स फिल्म फेस्टिवल) में उपस्थिति के लिए चर्चा में रहती हैं। भारत की सबसे स्टाइलिश महिलाओं में उन्हें गिना जाता है।

राजा शिवाजी में दिखाएंगी अपना दमखम

मुंबई। अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म 'राजा शिवाजी' को लेकर चर्चा में हैं। वह न सिर्फ इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं,बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। फिल्म यूं तो मूल रूप से मराठी में बन रही है, लेकिन यह हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषा में भी रिलीज होगी। अब अभिनेत्री विद्या बालन इससे जुड़ गई हैं। फिल्म 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिंकविला के मुताबिक, राजा शिवाजी की कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है।

द फैमिली मैन-3 का हुआ ऐलान...

मुंबई। काफी समय से वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का इंतजार किया जा रहा है। इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों की उत्सकुत तब और बढ़ गई, जब पिछले दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी की पहली झलक सामने आई। अब आखिरकार तीसरे सीजन 'द फैमिली मैन 3' का आधिकारिक रूप से ऐलान हो गया है। इसका पहला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नए सीजन में जयदीप अहलावत और अभिनेत्री निमरत कौर की एंट्री हुई है। निर्माताओं ने जो वीडियो साझा किया है, उसमें मनोज के साथ-साथ जयदीप और निमरत की झलक भी दिखाई गई है। जयदीप नए सीजन में विलेन बने हैं, जो मनोज से दो-दो हाथ करते दिखेंगे। हालांकि, सिर्फ जयदीप ही नहीं, बल्कि मनोज का सामना निमरत से भी होने वाला है।

टीवी मसाला

'तारक मेहता' बना नंबर 1 शो क्यों पीछे रह गया अनुपमा...

मुंबई। टेलीविजन शोज की दुनिया में ये हफ्ता 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के नाम रहा। ये शो पिछले दो हफ्तों से टॉप 4 में बना हुआ था। इस वीक 'तारक मेहता' ने 'अनुपमा' शो को पछाड़ नंबर वन की पोजिशन पर कब्जा जमाया। पिछले चार साल से 'अनुपमा' टीवी का नंबर वन शो बना हुआ था लेकिन अब शो की बादशाहत छिन गई है। दर्शकों ने 'तारक मेहता' को इतना प्यार दिया कि वो टेलीविजन का नंबर वन शो बन गया।आखिर रुपाली गांगुली के शो में ऐसी क्या कमी रह गई, जो दर्शकों ने 'अनुपमा' को दूसरे नंबर पर खिसका दिया। आइए जानते हैं कि शो की टीआरपी गिरने की वजह क्या हो सकती है।

किन वजहों से 'अनुपमा' बना नंबर 2 शो : 'अनुपमा' शो 2020 में शुरू हुआ था, तब से लेकर अब तक ये सीरियल नंबर वन बना हुआ था। इतने सालों में शो में कई ट्विस्ट और टर्न आए, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया लेकिन अब दर्शक शो के घिसे-पिटे ट्रैक से बोर हो चुके हैं। एक तरफ जहां लोगों की जिंदगी आगे बढ़ रही है। वहीं अनुपमा का रोना-धोना बंद नहीं हो रहा है।

नए कलाकारों में नहीं दिखा पुरानों जैसा दम : अनुपमा की जिंदगी का स्ट्रगल जारी है। अनुपमा के बच्चों को अब तक उस पर भरोसा नहीं है। जब भी अनुपमा कुछ अच्छा करने चलती है, उसका एक नई मुसीबत से सामना हो जाता है। जिसकी वजह वो चाहकर भी अपने आंसू नहीं रोक पाती। अनुज कपाड़िया संग भी अनुपमा का रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा। एक बार फिर अनुपमा का अनुज के लिए प्यार दिखा। अनुपमा को बचाने के लिए शो में नए किरदारों की भी एंट्री हुई, लेकिन किसी में भी पुराने कलाकारों जैसा चर्मा नहीं दिखा।

पारिवारिक शो में केवल क्लेश दिखा रहे

अनुपमा सालों से अपनी जिंदगी में इतनी उलझी हुई कि खुशियां चाहकर भी उसके करीब नहीं आ पाती। कहने को अनुपमा पारिवारिक शो है, लेकिन परिवार के प्यार के नाम पर शो में सिर्फ और सिर्फ कलेश दिखाया जा रहा है। कहानी घूम फिरकर अनुपमा के संघर्ष और उसके आंसुओं पर टिकी हुई है, जिससे दर्शक अब पूरी तरह पक चुके हैं। शुक्र है कि शो नंबर 2 पर है, लेकिन अगर 'अनुपमा' में इस तरह रोना-धोना चालू रहा, तो ये शो टीआरपी लिस्ट से भी बाहर जा सकता है।

'तारक मेहता' ने कैसे मारी बाजी?

कुछ दिनों से 'तारक मेहता' शो में हॉरर सीक्वेंस चल रहा है। शो में भूतनी वाले ट्रैक को काफी पसंद किया जा रहा है। भूतनी का रोल एक्ट्रेस स्वाति शर्मा प्ले कर रही हैं, जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं। शो के मेकर्स ने इसे सोशल मीडिया पर भी खूब प्रमोट किया। जो दर्शक 'तारक मेहता' से दूर जा रहे थे, वो नए ट्रैक की वजह से शो में वापस लौट आए। टेलीविजन शोज के फैन्स ने 'अनुपमा' के आंसुओं की जगह 'तारक मेहता' की भूतनी को देखना पसंद किया।

सान्विका उर्फ रिंकी ने 'पंचायत' के पांचवें सीजन पर लगाई मुहर

मुंबई। अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज 'पंचायत' का चौथा रिलीज हो गया है और इसे दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, सान्विका, फैसल मलिक और चंदन रॉय जैसे कलाकार अपने-अपने किरदारों का दोहरा रहे हैं। सीरीज में प्रधान जी (रघुबीर) की बेटी रिंकी की भूमिका निभाने वाली सान्विका ने अब 'पंचायत' की पांचवीं किस्त पर मुहर लगा दी है।

जानिए कब शुरू होगी शूटिंग?

एक खास बातचीत में सान्विका ने कहा, हां, हां, हां... 'पंचायत' का 5वां सीजन बन रहा है। कहानी पर काम शुरू हो चुका है। लेखक और निर्देशक ही जानते हैं कि अब आगे क्या होगा। उन्होंने आगे कहा, उम्मीद है कि हम नवंबर के अंत तक या अगले साल की शुरुआत तक इस सीरीज की शूटिंग शुरू कर देंगे। सान्विका ने बताया कि 'पंचायत 5' को अगले साल के अंत तक रिलीज किया जा सकता है।

'पंचायत 4' में हैं 8 एपिसोड

'पंचायत' की कहानी एक इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी (जितेंद्र) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बेहतर नौकरी के विकल्पों की कमी के कारण उत्तर प्रदेश के एक सुदूर गांव फुलेरा में पंचायत सचिव के पद पर नौकरी करता है। बता दें कि 'पंचायत' का पहला सीजन अप्रैल, 2020 में आया था, वहीं इसके दूसरा सीजन ने अप्रैल, 2022 में दस्तक दी थी। 'पंचायत' का तीसरा सीजन 28 मई, 2024 को रिलीज हुआ था। 'पंचायत सीजन 4' में कुल 8 एपिसोड हैं।

रणवीर की मानुषी के साथ जमेगी जोड़ी...

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह पिछली बार फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में दिखे थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छापे थे। एक तरफ जहां वह आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' को लेकर चर्चा में हैं, वहीं उनकी एक और नई फिल्म को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। यह चर्चा जोरों पर है कि दिनेश विजान के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। मैडॉक फिल्म्स ने हॉरर कॉमेडी का यूनिवर्स बनाया है, जिसके तहत 'स्त्री', 'स्त्री 2' और 'भेड़िया' जैसी फिल्में बनाई गई हैं। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी हिट

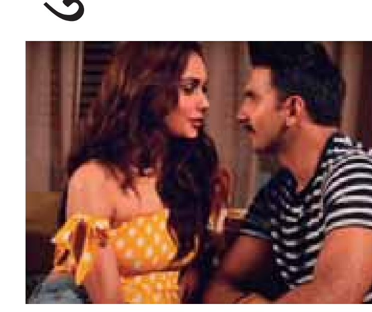

रही हैं। अब खबर है इस यूनिवर्स की अगली किस्त के लिए दिनेश 2 नए चेहरों को लाने की योजना बना रहे हैं। रणवीर का नाम फिल्म के लिए लगभग तय है और उनके साथ पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर को लेने की तैयारी चल रही है।

पहली बार किसी हॉरर फिल्म से जुड़ेंगे रणवीर : मिड डे के मुताबिक, दिनेश पिछले काफी समय से रणवीर संग फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले हफ्ते अभिनेता को उनके ऑफिस में भी देखा गया था। निर्माता हॉरर यूनिवर्स के अगले भाग में रणवीर को कास्ट करने के लिए उत्साहित हैं। उधर रणवीर भी अपने करियर में पहली बार किसी हॉरर फिल्म में काम करने के लिए रोमांचित हैं। एक इंटरव्यू में रणवीर ने कहा था कि उन्होंने डर के मारे कभी हॉरर फिल्म नहीं देखी।

रणवीर कब शुरू करेंगे शूटिंग?

रणवीर फिल्म के लिए रजामंदी दे चुके हैं। फिलहाल वह 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा उन्होंने 'डॉन 3 की शूटिंग के लिए अपनी डेट्स दी हुई हैं। इन दोनों फिल्मों के बाद साल 2026 की शुरुआत में रणवीर हॉरर फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। निर्माताओं को पूरी उम्मीद है कि रणवीर अभिनीत उनकी फिल्म हॉरर यूनिवर्स की अगली बड़ी हिट होगी। यह पहला मौका होगा, जब रणवीर और मानुषी छिल्लर पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

हॉरर यूनिवर्स की इस साल रिलीज होंगी ये 2 फिल्में

मैडॉक ने पिछले साल जनवरी ने अपने हॉरर यूनिवर्स की आने वाली फिल्मों का ऐलान किया था। इस हॉरर यूनिवर्स में 2 फिल्में इसी साल यानी 2025 में रिलीज होंगी। एक है आयुष्मान खुराना अभिनीत 'थामा और दूसरी है 'शक्ति शालिनी'। 'थामा' में आयुष्मान के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रश्मिका मंदाना जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म इसी साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'दिल तो पागल है' में अक्षय ने माधुरी के बचपन के दोस्त का किरदार निभाया था

'कन्नप्पा' ही नहीं, इन 5 फिल्मों में भी दिखा अक्षय के कैमियो का कमाल

***मुंबई।** फिल्म 'कन्नप्पा' का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इसमें अक्षय कुमार और प्रभास ने कैमियो किया है। अक्षय ने इसके जरिए तेलुगू सिनेमा में अपनी शुरुआत की है। फिल्म सिनेमाघरों में आ चुकी है और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। विष्णु मांचू की इस तेलुगू फिल्म में अक्षय ने एक बार फिर अपने कैमियो से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। आइए जानें अक्षय ने इससे पहले किन फिल्मों में कैमियो से मचाया धमाल।*

'सिंघम अगेन': अक्षय ने पिछली बार अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' में कैमियो कर जमकर वाहवाही लूटी थी। उनका पुलिस वाला अवतार देख लोगों ने सिनेमाघरों में खूब सीटियां बजाई थीं। फिल्म में अक्षय जबरदस्त एक्सन करते दिखे थे। उनके दमदार अवतार ने दर्शकों के होश उड़ा दिए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी 'सिंघम' के इस तीसरे भाग की कहानी को लोगों ने नकार दिया था। हफिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देखी जा सकती है।

'ढिशुम' : अगर आपने फिल्म 'ढिशुम' देखी होगी तो आपको अक्षय तो बेशक याद होंगे। भले ही फिल्म में उनकी मुख्य भूमिका नहीं थी, लेकिन कैमियो कर वह पर्दे पर छा गए थे। फिल्म में उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिला था। वह एक समलैंगिक किरदार में नजर आए थे। अक्षय का मजेदार अंदाज देख लोगों ने खूब ठहाके लगाए थे। इस फिल्म में वरुण धवन और जॉन अब्राहम ने मुख्य भूमिका निभाई थी। जियो हॉटस्टार पर यह फिल्म मौजूद है।

'स्त्री 2': 'स्त्री 2' में यूं तो राजकुमार राव से लेकर श्रद्धा कपूर, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी जैसे कई कलाकार थे, लेकिन अक्षय अपने छोटे से कैमियो से सब पर भारी पड़े गए थे। जब यह फिल्म रिलीज हुई थी तो अक्षय के कैमियो के दृश्य सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गए थे और लोगों का कहना था कि फिल्म के असली हीरो अक्षय ही हैं। अमेजन प्राइम वीडियो पर आप इस फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं।

'दिल तो पागल है' और 'ओम शांति ओम' : फिल्म 'दिल तो पागल है' में अक्षय ने माधुरी दीक्षित के बचपन के दोस्त का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके लुक से भी दर्शक खूब प्रभावित हुए थे। ये शानदार कैमियो अक्षय ने मुफ्त में किया था, क्योंकि उनकी ख्वाहिश बस यश चोपड़ा की फिल्म में काम करने की थी। अमेजन प्राइम वीडियो पर यह फिल्म देखी जा सकती है। उधर नेटफ्लिक्स पर मौजूद शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' में भी कैमियो करके अक्षय खूब चमके थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम राइज कॉन्क्लेव में उद्यमियों से कहा...

हमारी नीति है कि जहां कॉन्क्लेव करते हैं, वहां इंडस्ट्री का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करते हैं

उद्योगपतियों के साथ हुआ वन-टू-वन मीटिंग और थीमैटिक सेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी नीति है कि जहां कॉन्क्लेव करते हैं, वहां इंडस्ट्री का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करते हैं। राइज कॉन्क्लेव नए उद्यमी तैयार करने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने रीवा, सागर, अलीराजपुर, धार, रतलाम के उद्यमियों एवं जनप्रतिनिधों से वर्चुअली संवाद किया। यहां फूड प्रोसेसिंग, टैक्सटाइल, डेयरी इंडस्ट्री, विद्युत उपकरण निर्माण यूनिट स्थापित करने वाले उद्यमियों से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राईस) कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने एसआरएफ ग्रुप को भूमि आवंटन के लिए लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किया। एमएसएमई स्वरोजगार क्रेडिट में ऋण प्रदान करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के तरण सिंह जीरा को वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया का भी इसी श्रेणी में सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने आजीविका स्वसहायता समूहों को ऋण राशि के चेक भी वितरित किए।

खास बातें

- निवेशकों को प्रोत्साहित करने 29 जून को सूरत में होगा रोड-शो
- एसआरएफ ग्रुप को भूमि आवंटन के लिए लेटर ऑफ इंटेंट दिया
- आजीविका स्वसहायता समूहों को ऋण राशि के चेक वितरित किए

अपने उत्पादों के लिए बेहतर मार्केट कनेक्टिविटी मिलेगी

कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमएसएमई विभाग एवं वॉलमार्ट कम्पनी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान भी हुआ। इस एमओयू के बाद अब छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर मार्केट कनेक्टिविटी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई विभाग ने प्राकशित सफल उद्यमी-समृद्ध प्रदेश पुस्तिका, (कौशल विकास विभाग) ने प्रकाशित आईटीआई एंड इंडस्ट्री कनेक्ट पत्रिका एवं युवा संगम ब्रोशर का विमोचन भी किया।

4 लाख 85 हजार युवाओं को ऋण

एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि रतलाम के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस कॉन्क्लेव का नाम एमपी राइज 2025 रखा गया है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेशभर में उद्योग एवं कौशल विकास के लिए सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। रीजनल कॉन्क्लेव के माध्यम से पर्यटन की अपार संभावनाओं को गति मिली है। मप्र कृषि क्षेत्र में अग्रणी है। देश की जीडीपी में प्रदेश का हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है। पिछले वर्ष तक 2100 करोड़ रुपए की सब्सिडी बांटी जा चुकी है। राज्य सरकार के सहयोग से प्रदेश के 4 लाख 85 हजार युवाओं को बैंक ऋण स्वीकृत हुए हैं। कंपनियों ने 27 हजार युवाओं को नौकरी के ऑफर दिए हैं।

10 राज्य क्लस्टर, अलीराजपुर सीएफसी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमएसएमई विभाग के तहत 73.43 हेक्टेयर के 104 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले 10 राज्य क्लस्टर एवं अलीराजपुर सीएफसी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। साथ ही एमएसएमई विभाग के तहत निवाड़ी, आगर मालवा एवं रायसेन जिले के नवीन डीटीआईसी कार्यालयों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग-एमपीआईडीसी के तहत 80.26 हेक्टेयर रकबे में 61.26 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले नवीन औद्योगिक क्षेत्र, सेमरी कांकड़, जिला मंदसौर का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने 202 करोड़ रुपए की लागत के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण कर रतलाम जिलों को अनुपम सौगातें दी। मुख्यमंत्री ने कौशल विकास विभाग ने 263 आकांक्षी युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर भी प्रदान किए। साथ ही एमएसएमई विभाग के तहत उद्यमियों को भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए।

रेल यात्रियों के साथ माल परिवहन में भी अहम भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में भारत को दुनिया के आगे खड़ा कर दिया है। आज हर तरह की विश्व स्तरीय सुविधाएं भारत में उपलब्ध हैं। हमारी सरकार रेल यात्रियों के साथ माल परिवहन में भी अहम भूमिका निभा रही है। रेलमंत्री ने रतलाम को 4 ट्रैक रेल-लाइन की सौगात दी है। प्रदेश में जीआईएस के माध्यम से 30.77 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्राप्त हुआ, जिससे करीब 21 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार ने उद्योग, निवेश और रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए 18 नई नीतियां फरवरी में लागू की हैं। प्रदेश में 340 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र 10 फूड पार्क, 5 एसईजेड, 2 स्पाइस पार्क संचालित हैं।

15 प्रमुख उद्योगपतियों से निवेश क्षेत्र और औद्योगिक सुविधाओं पर चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से देश के 15 प्रमुख उद्योगपतियों ने वन-टू-वन चर्चा कर निवेश प्रस्ताव दिए। मप्र में उद्योग लगाने की इच्छा व्यक्त की। उद्योगपतियों ने निवेश क्षेत्र और विभिन्न औद्योगिक सुविधाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश में बेहतर निवेश अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से विशेषत एमडी शक्ति पंप्स दिनेश पाटीदार, जैक्शन ग्रुप के एमडी संदीप गुप्ता, ओरियाना पॉवर के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओमकार पांडे, एसआरएफ के निदेशक प्रशांत मेहरा और बीबा फैशन के एमडी सिद्धार्थ बिन्द्रा ने प्रमुख रूप से चर्चा की। एमपी राइज के दौरान निवेश, रोजगार और कौशल विकास पर तीन सामान्तर सेक्टोरल सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में निवेशकों और विभागों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएं: सांसद शर्मा

सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निरंतर प्रयासों ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह विचार रखा कि समावेशी और संतुलित औद्योगिक विकास के लिए प्रदेश के क्षेत्रों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जाएं। इसके तहत संभागों में आरआईसी का आयोजन किया गया, जिससे समग्र विकास की अवधारणा को मजबूती मिली। मुख्यमंत्री के प्रयासों से प्रदेश में उद्योग-फ्रेंडली वातावरण बना है, जिससे निवेशकों का भरोसा, भागीदारी दोनों बढ़े हैं। इन पहलों ने प्रदेश की औद्योगिक गति को तेज किया है और रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
तैलिक साहू कन्या
M.S. (E.N.T.)
जन्म 1995/5'-3"
गौर वर्ण,
इन्दौर/ इटारसी (म.प्र.)
निवासी हेतु डॉक्टर
या उच्च/ समकक्ष योग्य
वर चाहिये
बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें-
9425136008

वधु चाहिए

वधु चाहिए-गुजराती 44वर्ष, 5'-11", स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु वधु चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। सम्पर्क करें-98271 14645, 9131139179 (406)

वधु चाहिए
सरयूपारीय ब्राह्मण
31 वर्ष, 5'-11"
भारद्वाज गोत्र, मध्य नाड़ी,
अधिकारी इफको, बरेली
(उ.प्र.) हेतु सुन्दर, सुशील,
टेक्नीकली क्वालीफाईड
सरयूपारीय/ कन्यकुब्ज
ब्राह्मण वधु चाहिए
कृपया फोटो, बायोडाटा
व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें
9479271820
6265112290

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मौके से पुलिस को मिला सुसाइड नोट, लिखा मैं निर्दोष हूं

निलंबित पटवारी ने फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

भारतमाला परियोजना में गड़बड़ी के आरोप में निलंबित पटवारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है।

जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर के निलंबित पटवारी सुरेश मिश्रा ने सकरी थाना क्षेत्र स्थित जोकी गांव में अपनी बहन के फार्म हाउस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है और कोटवार एवं एक अन्य व्यक्ति पर फंसाने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि के अधिग्रहण में फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के मामले में आरोप लगा था। जांच के बाद सुरेश मिश्रा को 25 जून को निलंबित किया गया था। इसपर तोरवा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद सुरेश मिश्रा मानसिक तनाव में थे जो 30 जून को रिटायर्ड होने वाले थे। फिलहाल सुसाइड नोट और मामले की जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन की उपस्थिति में अनुबंध पर हुए हस्ताक्षर

भविष्य की विद्युत जरूरतों के लिए अरुणाचल प्रदेश से 252 मेगावाट बिजली लेने का समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आवंटित 252 मेगावाट विद्युत क्रय अनुबंध पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीसीएल) और एनएचपीसी के मध्य हस्ताक्षर हुए और एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। अनुबंध के आधार पर एनएचपीसी की अरुणाचल प्रदेश के लोअर दि बांग वैली जिले में स्थित बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना से मप्र को केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आवंटित 252 मेगावाट विद्युत मिलेगी। विद्युत क्रय अनुबंध (पीपीए) पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक राकेश ठुकराल और एनएचपीसी के महाप्रबंधक ओंकार यादव ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुबंध को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य की मांग को देखते हुए पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के अलावा विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से भी विद्युत क्रय अनुबंध आवश्यक हैं।

परिषद की बैठक बुलाने के लिए संभाग उपायुक्त ने कमिश्नर को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगम की परिषद बैठक बुलाने के लिए संभाग उपायुक्त किरण गुप्ता ने निगम कमिश्नर हरेन्द्र नारायन को पत्र लिखा है। एक सप्ताह पहले कांग्रेस पार्षदों ने संभागायुक्त संजीव सिंह को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा था। कांग्रेस पार्षद योगेन्द्र चौहान ने बताया कि नियमानुसार 3 जून को परिषद सम्मेलन बुलाए जाना प्रस्तावित था, लेकिन अब तक बैठक की कोई सूचना नहीं है। दरअसल हर दो महीने में होने वाली नगर निगम की अंतिम परिषद बैठक 3 अप्रैल को आयोजित की गई थी। इस बैठक में निगम का बजट पारित किया गया था। नियमानुसार अगली बैठक 3 जून को होनी थी, लेकिन अब तक बैठक को लेकर कोई सूचना नहीं है। इससे नाराज कांग्रेस पार्षदों ने 20 जून को संभाग कमिश्नर संजीव सिंह को ज्ञापन सौंपा था।

Aqua Machineries Pvt. Ltd.
Plot No. 442/2, Nr. Haridarshan Estate, Nr. Express Highway, Ramol-Vatva, Ahmedabad. www.aquapumps.com
WALK IN INTERVIEW @ RAIPUR - CHHATTISGARH
JR. MANAGER - AREA MANAGER - REGIONAL MANAGER
• Profile : Develop the business of submersible /submerged pump sets in the entire region of Chhattisgarh and North East Regions of Madhya Pradesh.
• Eligibility criteria : Diploma / B.E. / B.Tech in Mechanical / Electrical or Industrial Engineering. 3-10 years of experience in sales and marketing of Centrifugal Pumps / Valves or Heavy Engineering Industries. Willing to Travel across the Chhattisgarh and North Eastern regions of MP
Interview Place : Hotel Babylon Inn, Nr. Govind Singh Square Jail Road, Beside Giriraj Hotel, Raipur, Chhattisgarh-492001
Interview Date : 4th & 5th July, 2025 Time: 09 am to 05 pm
Please share your CV on hr@aquapumps.com or on watts-app 9998991062 to schedule an appointed timing for your interview.

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। यात्रा से कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग

मिथुन आत्मविश्वास बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क मन में निराशा एवं असन्तोष भी रहेगा। कारोबार में भाग-दौड़ अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

सिंह परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

कन्या कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। आय में वृद्धि होगी।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें। जीवनसाथी से मनमुटाव रहेगा।

वृश्चिक आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती है। सचेत रहें। लाभ के अवसरों में बढ़ोतरी होगी।

धनु परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर समुचित ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं से चिंतित रहेंगे।

कुंभ आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु आलस्य की अधिकता भी हो सकती है। व्यर्थ के क्रोध से बचें। साक्षात्कारादि में सफलता मिलेगी।

मीन संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। किसी क्षेत्र में निवेश के अवसर प्राप्त होंगे।

अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप, सख्त कार्रवाई की मांग

प्राइवेट अस्पताल में युवती की मौत पर परिजनों का हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के गोढ़ी निवासी 26 वर्षीय अंजली सिंह की मौत के बाद ग्रामीण न्याय की मांग को लेकर लामबंद हो गए हैं। अंजली सिंह की मौत 2 जून को श्वेता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई थी, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल की लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने श्वेता हॉस्पिटल के सामने धरना प्रदर्शन किया और पुतला दहन के साथ चक्काजाम और घेराव करने की चेतावनी दी है। गोढ़ी निवासी 26 वर्षीय अंजली सिंह को प्रसव के लिए श्वेता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां ऑपरेशन के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही के कारण अंजली की मौत हुई। परिजनों ने डॉक्टर मनीआरो कुजुर के खिलाफ निलंबन और वैधानिक कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर के निर्देश पर निजी अस्पताल श्वेता हॉस्पिटल की जांच के लिए एक जांच दल का गठन किया गया है। जांच दल में विशेषज्ञ चिकित्सकों को शामिल किया गया है, जो 7 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है।

नाराज लोगों ने प्रशासन की से ये मांग

डॉक्टर मनीआरो कुजुर को तत्काल निलंबित किया जाए। श्वेता हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त कर उसे तत्काल बंद कराया जाए। पूरे मामले की जांच कोरबा से बाहर के अधिकारियों की टीम से कराई जाए, पोस्टमार्टम जांच स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कराई जाए। न्यू कोरबा हॉस्पिटल पर भी आर्थिक शोषण और लापरवाही के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो जिलेभर में बड़ा जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। मृतक अंजली के पति रणजीत राजपूत ने बताया कि डॉक्टर मानियारो कुजुर को निलंबित किया जाए। श्वेता हॉस्पिटल को हमेशा के लिए बंद किया जाए वही एनकेएच हॉस्पिटल के ऊपर भी कार्यवाही किया जाए।

शब्द पहेली - 5912

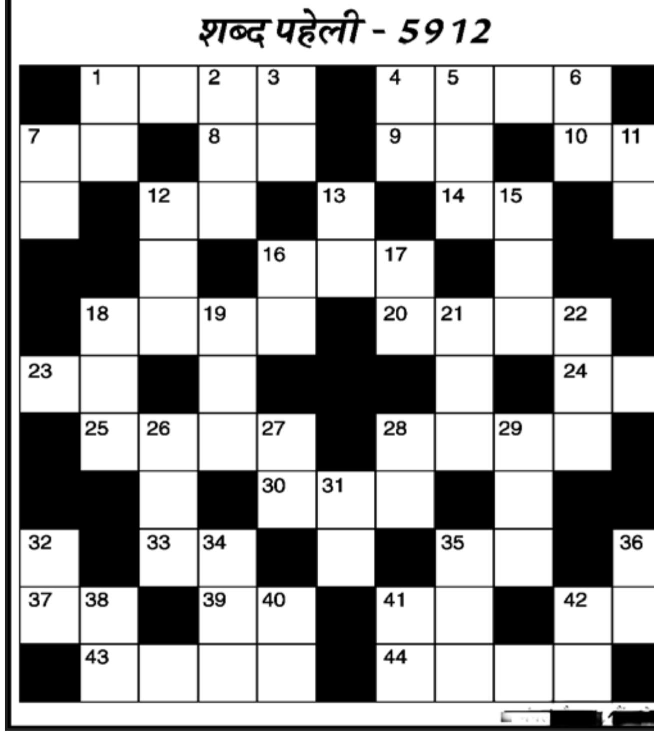

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -5911 का हल

सूडोकु बवाल - 5922

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 5921 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

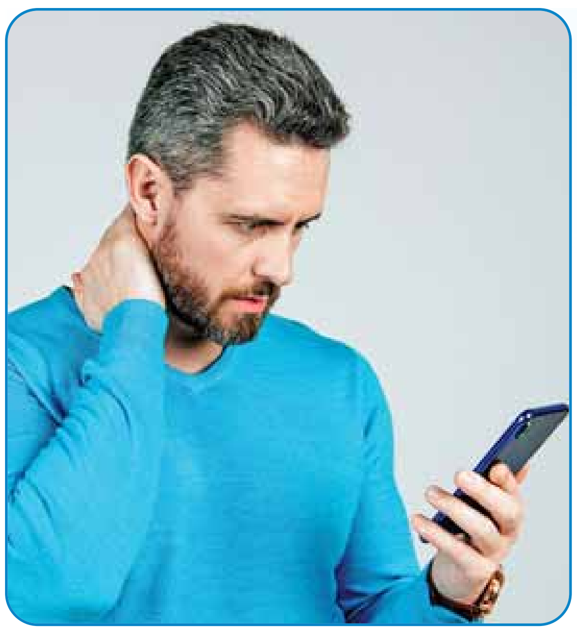

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया डे
30 जून

इन दिनों हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के एडिक्शन में उलझे हुए हैं। इस एडिक्शन से घंटों गैजेट्स से चिपके रहने और गलत अंदाज में उसे ऑपरेट करने से कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं इसकी लत लोगों को मानसिक रूप से भी बीमार बना रही है। वो कौन सी बीमारियां हैं और इनसे बचने के लिए क्या उपाय अपना सकते हैं, इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

तन-मन को कर रहा बीमार

सोशल मीडिया एडिक्शन

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर सोशल मीडिया एडिक्शन के नेगेटिव इफेक्ट्स को मानसिक सेहत से ही जोड़कर देखा जाता है। परिचित-अपरिचित लोगों की सुंदर तस्वीरों और अच्छी-बुरी सूचनाओं का मेल मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित भी करता है। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया में हर तरह के कंटेंट को देखते रहना फिजिकल हेल्थ पर भी बुरा असर डालता है। शरीर के बहुत अंग स्क्रीन स्क्रॉलिंग को दिए जाने वाले समय के नेगेटिव असर को झेलते हैं।

स्किन-विजन पर दुष्प्रभाव

सोशल मीडिया अपडेट्स को देखने के लिए हरदम स्क्रीन में झांकते रहना, आंखों की रोशनी छीन रहा है। बच्चे-बड़े सभी की आईसाइट कमजोर हो रही है। आंखों में सूखापन, थकान और दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। रात को सोते समय कम रोशनी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को स्क्रॉल करना तो आंखों पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव डाल रहा है। वर्चुअल वर्ल्ड में पल-पल दिखती दूसरों की अपडेट्स इतनी इंटरेस्टिंग लगती हैं कि बिना ब्रेक स्मार्ट फोन की स्क्रीन में देखते रहने की लत लग जाती है। रिसर्च फर्म 'रेडसियर' के अनुसार हमारे यहां हर यूजर हर दिन औसतन 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर बिता रहा है। इसमें से ज्यादातर टाइम सोशल मीडिया पर बीत रहा है। इस डिजिटल व्यस्तता से सिरदर्द के साथ ही आंखों में तनाव एवं थकान भी बढ़ती है। मौजूदा समय में अधिकतर यूजर्स की आंखें यह डिजिटल स्ट्रेस झेल रही हैं। अंधेरे में भी स्क्रीन स्क्रॉल करने की आदत ना केवल तेजी से नजर कमजोर करती है बल्कि आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स का भी कारण बनती है। इतना ही नहीं कई लोगों को स्मार्ट फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट से चेहरे पर डार्क स्पॉट और पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है। असल में ब्लू लाइट त्वचा के रोम-रोम में समाते हुए स्किन में खुजली, रूखापन और टैनिंग की समस्या की भी वजह बनती है।

बिगड़ता बॉडी पोश्चर

पार्क में वॉक करते हुए, बिस्तर पर आराम करते हुए, गाड़ी चलाते हुए या जिम में एक्सरसाइज करते हुए। लोग हर समय स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन खंगालते रहते हैं। इसका कारण सोशल मीडिया में मौजूदगी दर्ज करवाना ही है। असल दुनिया में अनुपस्थित होने से एक ओर उस समय की जा रही एक्टिविटी पर फोकस नहीं करते तो दूसरी ओर शरीर के विशेष अंगों पर अधिक दबाव भी पड़ता है। फोन की स्क्रीन में नीचे की तरफ देखते रहने से टेक नेक की समस्या बढ़ रही है। यह हेल्थ प्रॉब्लम गर्दन में दर्द, अकड़न और सिरदर्द से जुड़ी है। साथ ही स्क्रीन स्क्रॉलिंग बैक पेन और कंधों के दर्द से जुड़ी परेशानियों की भी वजह साबित हो रही है। आड़े-टेढ़े बॉडी पोश्चर में लोग घंटों सोशल मीडिया देखते रहते हैं। लगातार गलत शारीरिक स्थिति में बैठने से कई हड्डियों से जुड़ी समस्याएं पैदा हो रही हैं। सोशल मीडिया अपडेट्स देखते हुए लोग कुछ न कुछ लिखते भी हैं। गलत पोश्चर में टाइपिंग करने से 'टेक्स्ट नेक' की परेशानी बढ़ रही है। ध्यान रहे कि इंसानी शरीर पर अपने सिर का वजन 4.5 किलो से 5.4 किलो तक होता है। लेकिन फोन देखने के लिए गर्दन झुकाने पर ग्रैविटी के कारण सिर पर पड़ने वाला भार करीब 27 किलो तक हो जाता है। फोन को हरदम हाथ में थामे रहने से कलाई और स्क्रॉलिंग से अंगूठे में दर्द और नर्व्स में सुन्नपन की तकलीफ भी होने लगती है।

शारीरिक निष्क्रियता

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया पर बीत रहे समय ने हर एजग्रुप के लोगों की फिजिकल एक्टिविटी कम कर दी है। इससे कम उम्र में ज्वॉइंट पेन और शरीर की जकड़न जैसी परेशानियां आ रही हैं। असल में हड्डियों के ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ना जकड़न और दर्द का अहम कारण होता है। फिजिकली एक्टिव ना रहना इस परेशानी को बढ़ाता है। बफेलो यूनिवर्सिटी की स्टडी के अनुसार सोशल मीडिया का हद से ज्यादा इस्तेमाल से सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ सकता है। यह स्थिति ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ने से जुड़ी है। सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ना शारीरिक अंगों में दर्द ही नहीं हृदय रोग और मधुमेह जैसी गंभीर हेल्थ इश्यूज की जड़ भी बन सकता है। देखने में आ रहा है कि पल-पल सामने आती रील्स, मीम्स देखते हुए गुजर रहा समय बेवजह की व्यस्तता का कारण बन गया है। इसके कारण लोगों में मोटापा भी बढ़ रहा है। शारीरिक छवि के मोर्चे पर सोशल मीडिया में दिखती तस्वीरों और वीडियोज के कारण बच्चों से लेकर बड़ों तक, अपने ही शरीर की बनावट के प्रति नापसंदगी की सोच भी आ रही है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बीत रहे समय को सीमित करना आवश्यक है। साथ ही समय-समय पर ब्रेक लेना और स्मार्ट गैजेट्स इस्तेमाल करते हुए बॉडी पोश्चर को सही रखना भी अहम है। *

बिगड़ रही मानसिक सेहत

सोशल मीडिया एडिक्शन का हमारी मेंटल हेल्थ पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंग्जाइटी और चिड़चिड़ेपन की समस्याएं लोगों में काफी बढ़ने लगी हैं। लोग घर में रहते हुए भी एक दूसरे से कम बात करते हैं। सोशल इंटरेक्शन कम होता जा रहा है। अपनी रियल लाइफ के बजाय वर्चुअल लाइफ को इंप्रेसिव बनाने के ज्यादा प्रयास किए जाते हैं। इससे स्ट्रेस का स्तर बढ़ता है। ऐसे में सोशल मीडिया का कंट्रोल्ड यूज करना मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

टेक्नोबिहेवियर
नौशाबा परवीन

सोशल मीडिया यूजर्स

एटिकेट्स का रखें ध्यान

लगभग दो दशक की अपनी विकास यात्रा में सोशल मीडिया ने समाज के बहुत बड़े वर्ग को प्रभावित किया है। लेकिन इसके पॉजिटिव यूज के साथ जमकर मिसयूज भी किया जाता है। इसके एटिकेट्स के बारे में न केवल आपको पता होना चाहिए, उसे फॉलो भी करना चाहिए।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया ने लोगों के परिवार, दोस्तों और दुनिया के साथ बातचीत, संवाद और साझा करने के तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया है। हमारे जीवन में सोशल मीडिया के महत्व का अंदाजा दो मुख्य बातों से लगाया जा सकता है। एक, संकोची स्वभाव के जो लोग महफिलों में कुछ कह नहीं पाते थे, वह भी सोशल मीडिया पर खुलकर अपने विचार रखते हैं बल्कि अपनी हर बात कह लेते हैं, क्योंकि यह माध्यम 'पर्दे के पीछे' से भी अपने विचार (अच्छे या बुरे) व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। दूसरा यह कि सोशल मीडिया के जरिए राजनीतिक दलों से लेकर आम आदमी तक लोगों को इंफ्लुएंस (प्रभावित) करने का प्रयास करते हैं। इस वजह से इंफ्लुएंसर्स की एक नई जमात खड़ी हो गई है, विशेषकर इसलिए कि सोशल मीडिया, कंटेंट क्रिएटर्स को अच्छा पैसा कमाने का मौका भी देता है। इन महत्व के चलते मां दिवस, पिता दिवस आदि की तरह हर साल 30 जून को सोशल मीडिया दिवस भी मनाया जाने लगा है, जिसकी शुरुआत 2010 में मेंशेबल ने की थी।

ऐसे होता गया पॉपुलर: सोशल मीडिया के पॉपुलर होने का सिलसिला 2002 में फ्रेंडस्टर और 2003 में माईस्पेस के लांच होने से शुरू हुआ और इसके बाद 2004 में सोशल मीडिया के सबसे पॉपुलर प्लेटफॉर्म फेसबुक की स्थापना हुई। ट्विटर (जो अब एक्स हो गया है) ने हमें संक्षिप्त होने के लिए प्रोत्साहित किया कि 140 से कम अक्षरों में ही अपने विचार व्यक्त करने हैं। जिसे बाद में बढ़ाकर 280 कर दिया गया। इंस्टाग्राम और फ्लिकर ने ऐसी इमेजरी के जरिए खुद को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिसे हम संभाल सकते हैं। अगर वीडियो की बात करें तो टिक-टॉक और यू-ट्यूब मौजूद हैं। अभिव्यक्ति के लिए जब इतने मंच हों तो सोशल मीडिया दिवस मनाना आसान हो जाता है कि अपने पसंदीदा प्लेटफॉर्म पर कुछ पोस्ट किया जाए, मीम शेयर किए जाएं या किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ें जिससे लंबे समय से बात नहीं हुई है। अब तो अलग-अलग शहरों में सोशल मीडिया मीटिंग्स के जरिए भी इसकी पॉपुलैरिटी का जश्न मनाया जाता है।

होता है भरपूर मिसयूज: कोई चीज कितनी ही अच्छी क्यों न हो, उसका एक बुरा पहलू भी होता है। सोशल मीडिया भी इसका अपवाद नहीं है। अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कंटेंट क्रिएटर्स फेक न्यूज, क्लिक बेट (यानी वीडियो पर ऐसा थंब नेल लगाना, जिसका कंटेंट में जिक्र ही न हो) आदि का प्रयोग करते है। गलत धार्मिक या जातिगत आधारित कंटेंट से लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाया जाता है। सोशल मीडिया पर झूठ बहुत बड़ा कारोबार है। इसे रोकने के लिए नियम और कानून अवश्य हैं, लेकिन इनका उल्लंघन भी काफी किया जाता है। साथ ही सरकारें और सामाजिक-राजनीतिक संगठन भी कंटेंट को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। अनेक कंटेंट क्रिएटर्स को जेल की हवा तक खानी पड़ी है। दुखद है कि महिलाओं को भी सोशल मीडिया के जरिए तरह-तरह से परेशान किया जाता है। कभी धमकी देकर, कभी ब्लैक मेलिंग, कभी धोखेबाजी में फंसाकर तो कभी उनके द्वारा पोस्ट किसी कंटेंट के लिए ट्रोलिंग के जरिए उन्हें प्रताड़ित करने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। चिंताजनक यह है कि कई बार तो कुछ लोग इतने असहनशील हो जाते हैं कि किसी कंटेंट के लिए हत्या करने जैसा जघन्य अपराध भी करने से नहीं कतराते। इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने और तकनीक के इतने विकसित दौर में समाज की ऐसी संकीर्ण सोच, विचारणीय है। सोशल मीडिया दिवस का जश्न मनाना तब ही अच्छा और सार्थक लगेगा, जब हम प्रण लें कि महिलाओं की ऑनलाइन ट्रोलिंग नहीं करेंगे और उनके विरुद्ध किसी भी तरह की हिंसा और अपराध का विरोध करेंगे।

ना भूलें ये एटिकेट्स: सोशल मीडिया का पॉजिटिव यूज करने के लिए उसे ऑपरेट करते समय इसके कुछ एटिकेट्स को याद रखा जाना चाहिए। जैसे- ऑनलाइन बातचीत करते समय अपनी रियल आइडेंटिटी में रहें। किसी से फ्रेंडशिप करने के लिए पहले उसके विचारों को कंटेंट को समझें, लाइक करें, कमेंट करें फिर दोस्ती की तरफ आगे बढ़ें। ऑनलाइन चैटिंग करते समय विनम्र और पेशेवर लहजे का प्रयोग करें। ऑनलाइन कंटेंट साझा करते समय मूल स्रोत की विश्वसनीयता को परख लें। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

सब्र

मुश्किल यही है कि
होता जा रहा है सब्र
कम, और कम।
किसी बड़ी बात के लिए
सब्र खो देने की बात
तो आती है समझ,
मगर कई बार तो
खो बैठता है सब्र कोई आदमी
बिल्कुल छोटी-सी बात पर ही।
रखा जाए सब्र अगर
तो बचा जा सकता है
बहुत-सी उलझनों से।
रखा जाए सब्र अगर
तो सुलझ जाती हैं
कुछ उलझनें
अपने आप ही
वक्त बीतने के साथ-साथ।
वाकई बहुत काम की
चीज है सब्र।

व्यंग्य / संदीप भटनागर

मुर्गे और खंजर

मुर्गों की किस्मत में मुर्गियां कम, खंजर ज्यादा होते हैं। ये खंजर कभी उनकी गर्दन पर होते हैं तो कभी पांव में बंधे। यह समझना आसान है कि दुनिया में पहले मुर्गा आया होगा फिर खंजर।

छुट्टी का दिन होने के नाते सामने वाले मैदान में चहल-पहल कुछ ज्यादा थी। बड़े से मैदान का एक कोना मुर्गेबाजों के लिए रिजर्व रहता है। सामान्य तौर पर यह जगह मुर्गा बाजार के रूप में जानी जाती है, जहां आम दिनों में मुर्गों की खरीद-फरोख्त होती है और छुट्टी के दिन खरीदे गए मुर्गों की जोर-आजमाइश।

लड़ने वाले मुर्गों की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसे दांव पर लग जाते हैं।

मेरे लिए यह जानना रोचक था कि जिंदा रहते हुए लड़ते मुर्गे देश की जी.डी.पी. में कितना योगदान करते हैं? मुर्गा बाजार में खंजर बेचने वाला भी बैठता है। आम दिनों में उसके पास सामान्य खंजर होते हैं लेकिन मुर्गेबाजी वाले दिन उसके पास मुर्गों के पांव में बांधने वाले विशेष खंजर होते हैं। मुर्गों के मालिक से लेकर दांव लगाने वाले तक अपनी पसंद के मुर्गों के लिए एक से एक कातिल खंजर खरीदते हैं ताकि वो प्रतिद्वंद्वी मुर्गे को ज्यादा से ज्यादा चोटिल कर मुकाबला जीत सके।

जी-जान से लड़ने वाले मुर्गे यह नहीं जानते कि जिबह तो हारने वाले और जीतने वाले दोनों मुर्गों को होना ही है। किसी को आज तो किसी को कल। इस मुकाबले में लड़ाने वालों की अपनी साख और प्रतिष्ठा दांव पर लगी होती है और तमाशबीनों का पैसा, जबकि लड़ने वाले मुर्गों की अपनी जान दांव पर लगी होती है। पूरे तमाशे में खंजर बेचने वाले के खंजरों की मारक क्षमता भी दांव पर लगती है। जितना मारक खंजर उतनी ज्यादा डिमांड।

बावजूद इसके इस पूरे खेल में हमेशा खंजर बेचने वाला ही फायदे में रहता है। वह खंजर हारने वाले को भी बेचता है, जीतने वाले को भी बेचता है और दांव लगाने वालों को भी। मुर्गेबाजी का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से भी पुराना है। इंसान ने अपने मनोरंजन के लिए मुर्गों को लड़ना सिखाया था। मानव सभ्यता के विकास के साथ मुर्गेबाजी के इस तरीके को क्रूर मानते हुए इसे असभ्य करार दे दिया गया। विकसित होती दुनिया में इसे अब नए ढंग से खेला जाने लगा। नवीन खेल में मुर्गों को मुर्गे होने का अहसास नहीं होने दिया जाता। लगातार उन्हें ऐसा महसूस कराया जाता है कि तुम्हारे अस्तित्व के लिए तुम्हें लड़ना जरूरी है। नवीन खेल में कमजोर मुर्गों पर भी दांव लगाया जाने लगा, जिन्हें विकसित भाषा में इन्वेस्टमेंट कहा जाने लगा। उनके माध्यम से आधुनिक खंजरों का परीक्षण कर दुनिया में दूसरे मुर्गों को बेचा जाने लगा। कुछ मुर्गों को अत्याधुनिक खंजरों से लैस कर इतना शक्तिशाली बना दिया गया कि वो अब अपने मालिक के इशारे पर लड़ने के बहाने तलाश कर किसी भी मुर्गे से लड़ने को तैयार रहते हैं।

खंजर के सौदागरों ने पूरी दुनिया को मुर्गेबाजी का अखाड़ा बना दिया। खेल में रोज हलाक होने वाले जानवर नहीं इंसान हैं इसलिए इस नए खेल पर दुनिया का कोई भी पशु क्रूरता अधिनियम लागू नहीं होता।

इस नए खेल में आज भी पुराने खेल के कुछ नियम लागू हैं। यह खेल अभी भी मालिकों की प्रतिष्ठा और ईगो के लिए खेला जा रहा है। इस खेल में आज भी खंजर के सौदागर नफे में हैं। वे कमजोर और शक्तिशाली दोनों मुर्गों को अपने खंजर बेच कर मुनाफा पीट रहे हैं। आज भी जिंदा लड़ते मुर्गे खंजर बनाने वाले मालिकों के देश की जी.डी.पी. को बढ़ा रहे हैं और जो मुर्गे लड़ नहीं रहे हैं, वो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। *

लघुकथा
अशोक वाधवाणी

दिव्यांग का सम्मान

आलोक किसी काम के सिलसिले में एक जान-पहचान वाले दंपती के घर पहुंचे। औपचारिक अभिवादन और चाय-पानी के बाद उनसे बातचीत में व्यस्त हो गए। इतने में छठी कक्षा में पढ़ने वाला उनका बेटा बाहर से घर के अंदर आया। वह सीधे ड्रॉइंग रूम में पहुंचा जहां आलोक उसके मम्मी-पापा के साथ बैठे थे। आते ही उसने अपनी मां के हाथ में दो सौ रुपए का नोट पकड़ाते हुए बोला, 'मम्मी, वो जो पड़ोस में अंधी खुशबू दीदी रहती हैं न, उन्होंने ये पैसे दिए हैं।'

किसी दिव्यांग के बारे में इस तरह के बोल सुनकर आलोक को बहुत बुरा लगा। उसने बच्चे को प्यार से समझाया, 'देखो बेटा, किसी की शारीरिक कमजोरी का ऐसे मजाक नहीं उड़ाते हैं। विकलांग लोगों को आजकल दिव्यांग कहकर पुकारा जाता है, यह एक पॉजिटिव सोच की निशानी है। संबोधन बदलने के बाद भी लोगों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ है, जो गलत बात है। उसके माता-पिता ने बड़े चाव से अपनी बेटी का सुंदर सा नाम रखा होगा खुशबू! बेटा, तुम्हें हर किसी दिव्यांग का नाम पूरे मान-सम्मान के साथ लेना चाहिए। सिर्फ खुशबू दीदी भी तो कह सकते थे।'

'हमारे घर में सभी उन्हें अंधी खुशबू ही तो कहते हैं।' बच्चे ने बड़े भोलेपन से बताया।

आलोक ने दंपती की ओर देखा, वे दोनों उससे नजरें नहीं मिला पा रहे थे। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

बहुरंगी गजलों का कोलाज

वेद मित्र शुक्ल दिल्ली विवि में अंग्रेजी पढ़ाते हैं लेकिन वे अंग्रेजी के साथ ही हिंदी साहित्य में रचनात्मक रूप से काफी सक्रिय हैं। इसका प्रमाण हैं, कई विधाओं में प्रकाशित उनकी मौलिक और संपादित ढेरों पुस्तकें। कुछ समय पहले उनका दूसरा गजल संग्रह 'दरिया की बातें पत्थर से' प्रकाशित हुआ है। इसमें उनकी गजलगोई के कई आयाम देखे जा सकते हैं। समय, समाज और जीवन के बेशुमार स्याह-श्वेत पहलू इन गजलों में उजागर हुए हैं। कहीं वे बढ़ते शहरीकरण के चलते बिखरते रिश्तों की टीस बयां करते हैं, *'गांवों से आ बसे शहर में खोए हैं सब रिश्ते नाते/गीतों में ही देवर-भाभी, जीजा-साली होली खेलें।'* तो कहीं समाज में छीजती जा रही मनुष्यता को लेकर वह अपनी चिंता ऐसे प्रकट करते हैं, *'तिल रखने की जगह नहीं पर/ अच्छे लोग बहुत ही कम हैं।'* इसी तरह वे राजनीतिज्ञों के चारित्रिक अवमूल्यन को बेबाकी से बयां करते हैं, *'गांधी का इक दौर रहा था/घिन आती है अब खद्दर से।'* यानी जीवन के लगभग हर पक्ष पर वे गहरी नजर रखते हैं और अपने जज्बातों को बयां करने के लिए सटीक तासीर के शब्दों को गजल में पिरो देते हैं।

कह सकते हैं यह किताब वेद मित्र शुक्ल की बहुरंगी गजलों के कोलाज जैसी है। *

पुस्तक: दरिया की बातें पत्थर से (गजल संग्रह)
लेखक: डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्य:** 290 रुपए,
प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

दीक्षा और वाणी जर्मन मास्टर्स में शीर्ष 10 में

हैम्बर्ग (जर्मनी)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर और वाणी कपूर यहां अमुंडी जर्मन मास्टर्स के दूसरे दौर के बाद संयुक्त आठवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं। दीक्षा दूसरे दौर में पार 73 का कार्ड खेलने के बाद शीर्ष पांच से संयुक्त आठवें स्थान पर खिसक गयी जबकि वाणी तीन अंडर 70 का कार्ड खेलकर इस पायदान पर पहुंची। टूर्नामेंट में भाग ले रही नौ भारतीयों में से वाणी और दीक्षा के अलावा सिर्फ अवनि प्रशांत ही कट में प्रवेश करने में सफल रही। अवनि एक ओवर 74 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 43वें स्थान पर है। त्वेसा मलिक (74-76), स्नेहा सिंह (78-75), अमनदीप ड्राल (78-75), हिताशी बख्शी (79-81) और विधात्री उर्स (93-87) कट से चूक गईं जबकि नेहा त्रिपाठी पहले दौर के बाद रिटायर हो गई थी।

बांग्लादेश व पाकिस्तान की टी-20 सीरीज में 20 जुलाई से होगी भिड़ंत

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को अगले महीने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज की मेजबानी करनी है, जिसके लिए कार्यक्रम की घोषणा की गई है। 20 जुलाई से टी-20 सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। तीन मैचों की सीरीज के सभी मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। बता दें कि यह दोनों देशों के बीच इस साल दूसरी टी-20 सीरीज है। 16 जुलाई को बांग्लादेश पहुंचेगी पाकिस्तानी टीम पीसीबी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान की पुरुष टीम अगले महीने 3 मैचों की द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में भाग लेने के लिए बांग्लादेश की यात्रा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज इसकी पुष्टि की। सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम 16 जुलाई को ढाका में पहुंचेगी, जिससे उन्हें रविवार 20 जुलाई को पहले टी-20 के साथ सीरीज की शुरुआत से पहले तैयारी के लिए कुछ दिन मिलेंगे।

राही, मेहुली और नीरज राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में शीर्ष पर

देहरादून। ओलंपियन राही सरनोबत, मिश्रित टीम राइफल एशियाई चैंपियन मेहुली घोष और नौसेना के नीरज कुमार शनिवार को यहां राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल तीन और चार के अपने फाइनल में शीर्ष पर रहे। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी4 फाइनल में 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने फाइनल में 40 हिट लगाए और महाराष्ट्र की अभिदन्या अशोक पाटिल से छह अंक आगे रहीं जिन्होंने 34 अंक बनाए। हरियाणा की विभूति भाटिया ने 27 अंक बनाकर पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया। एयर राइफल में महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में मेहुली ने 253.6 अंक बनाकर टी4 फाइनल जीता। रेलवे की मेघना एम सज्जनार 253.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सोनम उत्तम मास्कर 231.4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।
नौसेना के नीरज रहे शीर्ष पर
नौसेना के निशानेबाज नीरज ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) टी3 फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 463.9 अंक हासिल किए और स्टार खिलाड़ियों से सजे लाइन अप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

19.60 की औसत से की गेंदबाजी, 46 मैचों में चटकाए 210 विकेट

टेस्ट क्रिकेट की गेंदबाजी औसत में बुमराह भारत के नंबर 1 खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज की असली ताकत उसके औसत से पहचानी जाती है। भारत ने इस खेल को कई नामी गेंदबाज दिए हैं, लेकिन जब बात सबसे कम औसत की होती है, तो सिर्फ आंकड़े बोलते हैं। अभी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। आइए इस बीच 200 से ज्यादा विकेट लेने वाले उन भारतीय गेंदबाजों पर नजर डालते हैं, जिनकी औसत सबसे शानदार है।

जसप्रीत बुमराह

(19.60 की औसत)

पहले स्थान पर भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। साल 2018 में टेस्ट डेब्यू करने वाले इस गेंदबाज की औसत 19.60 की है। वे भारत के एकमात्र गेंदबाज हैं, जिन्होंने 200 से अधिक विकेट लिए हैं और जिनकी गेंदबाजी औसत 20 से कम है। बुमराह ने 46 मैचों की 88 पारियों में अब तक 210 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने 14 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/27 का रहा है।

मोहम्मद शमी (27.71 की औसत)

भारतीय टीम के एक और स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 64 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान उनकी औसत 27.71 की रही है। उन्होंने 122 पारियों में 229 विकेट चटकाए हैं। शमी ने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/56 का रहा है। अभी यह खिलाड़ी चोटिल होने के कारण टेस्ट टीम से बाहर चल रहा है।

रविचंद्रन अश्विन

(24 की औसत)

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके भारत के पूर्व अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने भारत के लिए 106 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत सिर्फ 24 की रही। अश्विन ने अपने करियर में 37 बार 5 विकेट हॉल लिए। उन्होंने 200 पारियों में कुल 537 विकेट प्राप्त किए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/59 का रहा। अश्विन ने पहला टेस्ट साल 2011 में और अंतिम टेस्ट 2024 में खेला था।

रविंद्र जडेजा

(24.59 की औसत)

भारत के हरफनमौला खिलाड़ी रविंद्र जडेजा इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अब तक 81 टेस्ट मैचों में भाग लिया है और उनकी गेंदबाजी औसत 24.59 की रही है। जडेजा ने 152 पारियों में कुल 324 विकेट प्राप्त किए हैं। उन्होंने 15 बार एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 7/42 का रहा है। इस खिलाड़ी ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था।

क्रिकेट

हेजलवुड के पांच विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन दिन में हराया

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

आस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड के पांच विकेट की मदद से वेस्टइंडीज को 141 रन पर आउट करके पहला टेस्ट तीसरे दिन के भीतर ही 159 रन से जीत लिया। वेस्टइंडीज को कठिन पिच पर जीत के लिये 301 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन पूरी टीम 33.4 ओवर में आउट हो गई।

हेजलवुड ने 12 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिये। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट अगले बृहस्पतिवार से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में खेला जायेगा।वेस्टइंडीज ने आठ विकेट 86 रन पर ही गंवा दिये थे लेकिन हरफनमौला जस्टिन ग्रीवेस और दसवें नंबर के बल्लेबाज शामार जोसेफ ने नौवे विकेट के लिये 55 रन की साझेदारी की । ग्रीव्स 38 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि जोसेफ ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 44 रन की पारी खेली जिसमें चार छक्के शामिल थे।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने दिखाया दम

आस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 92 रन से आगे खेलना शुरू किया था। ट्रेविस हेड (61), ब्यू वेबस्टर (63) और एलेक्स कैरी (65) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 310 रन तक पहुंचाया और उसे 300 रन की बढ़त मिली। इससे पहले आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 180 रन के जवाब में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाये थे।

जूनियर हॉकी विश्व कप ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान पूल बी में

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। मेजबान भारत को शनिवार को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के पूल बी में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है जिसका आयोजन इस साल 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ समारोह यहां एफआईएच मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस चरण में पहली बार 24 टीमें भाग लेंगी।

दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ कोलंबो में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरा मैच को पारी और 78 रन से जीत लिया। चौथे दिन सिर्फ 28 मिनट में बचे हुए चार विकेट गिराकर श्रीलंका ने मैच पर कब्जा कर लिया और दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की।

इस जीत के साथ श्रीलंका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अहम अंक भी बटोर लिए। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के तीसरे दिन बांग्लादेश का स्कोर 38.4 ओवर में 6 विकेट पर 115 रन था। चौथे दिन मेहमान टीम की नजर पारी से हार टालने

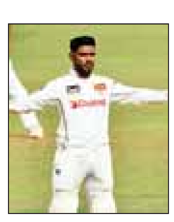

पर थी लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने बांग्लादेश के किसी बैटर को टिकने नहीं दिया। चौथे दिन सिर्फ 34 गेंद में ही बांग्लादेश की दूसरी पारी सिमट गई। चौथे दिन पहले सेशन में ही 5.4 ओवर में ही श्रीलंका ने मैच और सीरीज दोनों जीत ली।

मैच के हीरो रहे निसंका

मैच के हीरो रहे पाथुम निसंका, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार मिले। उन्होंने इस टेस्ट में 158 रन की पारी खेली जबकि पहले टेस्ट में उन्होंने 187 रन बनाए थे।

जयसूर्या ने चटकाए 5 विकेट

स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने चौथे दिन कमाल की गेंदबाजी की और 5 विकेट चटकाए। उन्होंने कुल 5/56 के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया, जो टेस्ट क्रिकेट में उनका 12वां फाइव विकेट हॉल है। कोलंबो टेस्ट के चौथे दिन की तीसरी ही गेंद पर जयसूर्या ने लिटन दास को विकेट के पीछे कैच कराया। अगली ही ओवर में उन्होंने नईम हसन को बेवकूफ बनाकर कुसल मेंडिस से स्टंपिंग करा दी। विकेटकीपर कुसल मेंडिस पिछले दिन वह चोट के चलते मैदान पर नहीं थे।

तन्वी, आयुष शेट्टी अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| लोवा (अमेरिका)

भारत की प्रतिभाशाली खिलाड़ी तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन बैडमिंटन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सोलह वर्ष की तन्वी ने 33 मिनट के भीतर मलेशिया की ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी कारूपाथेवन लेतशाना को 21-13, 21-16 से हराया। आयुष ने जूनियर विश्व चैम्पियन चीनी ताइपै के कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से हराया।

पुरुष खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरूष युगल में हरिहरन अम्साकारूनन और रूबान कुमार आर को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चियांग चियेन और वेइ वू सुआन यि ने 21-9, 21-19 से मात दी। तन्वी का सामना अब यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा से होगा जबकि आयुष की टक्कर शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन से होगी।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज की कप्तानी संभालेंगे चरिथ असलंका

कोलंबो। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी 2 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम की घोषणा की है। चरिथ असलंका की कप्तानी में श्रीलंका क्रिकेट टीम इस घरेलू सीरीज में अपनी चुनौती पेश करेगी। मिलन रथनायके का टीम में चयन किया गया है। लेकिन उनका खेल पाना फिटनेस पर निर्भर करेगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 2 जुलाई को होने वाले मैच से होगी। इसके बाद दूसरा मैच 5 जुलाई और तीसरा मैच 8 जुलाई को खेला जाएगा। श्रीलंकाई टीम में कुसल मेंडिस, अविष्का फर्नांडो और वनिंदु हसरंगा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को चुना गया है। इस समय बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल कर रहे पथुम निसांका भी वनडे टीम में चुने गए हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग - जबलपुर
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक - 03) भोपाल (म. प्र.) 462003

नि. आं. सू. क्रं 05 / एन. एच. एम / 2025-26/331 **निविदा आमंत्रण सूचना** भोपाल दिनांक 26/06/2025

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग- जबलपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से (www.mptenders.gov.in) (Department of Directorate of Health Services) दो लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई. यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ. आर. 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है । निविदा का विवरण निम्नानुसार है :

ई - निविदा सूचना क्रमांक-05 / 2025-26 दिनांक 26.06.2025

सं. क्र.	टेण्डर नं.2025_DHS	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रू.	टेण्डर दर राशि रू.	समय सीमा वषार्काल सहित
1	2025_DHS_433344	जिला मण्डला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बम्हनी बंजर, नारायणगंज जिला सिवनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घंसौर, धनौरा एवं जिला डिण्डोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग, अमरपुर एवं जिला कटनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द बहोरीबंद मे आदर्श फिजियोथेरेपी यूनिट की स्थापना कार्य।	7.64	15280.00	2000.00	02 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी.वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है। 2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 30.06.2025 प्रात: 10.30 से दिनांक 14.07.2025 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है । 3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन. एच. एम भोपाल के पक्ष में देय होगी । 4. एन.आई.टी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (http://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रो मे नही किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री
G-14932/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग- जबलपुर

खंड- I ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन कार्यालय वनमण्डलाधिकारी दक्षिण सिवनी (सा.) वनमण्डल मध्यप्रदेश

ई - निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 2020/ई-टेंडरिंग/2025-26 दिनांक 26/06/2025

वनमण्डलाधिकारी दक्षिण सिवनी (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित 2022) के अन्तर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	**Pre Stessed Reinforced Cement Concrete (PRCC)** **Type** - Straight **Length** - 2.00 Meter **Dimensions** – Bottom 10X10 cm Square, Top 10X10 cm Square **Cement Concrete Mix** - Concrete mix shall be conforming to GradeM-15 of IS:456 with Upto Date amendments **Reinforcemnt** - There shall lbe 4 nos. of vertical reinforcement of high tensile steel wire of 4 mm diameter. **Holes** – Fencing pole should be prvided with 6 holes. **Hook:-** Six hooks of 4 mm MS bars should also be provided with fencing pole.	50000/-	1000/-

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं। 2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट / कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक) 27/06/2025 को सुबह 10:30 बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक ऑनलाईन खरीद सकते है । 3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी । 4. निविदा पूर्व बैठक दिनांक 09/07/2025 समय 01:30 बजे को कार्यालय दक्षिण सिवनी (सा.) वनमण्डल में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते हैं। वीडियों कॉन्फ्रेंस लिंक प्राप्त करने हेतु ई-मेल dfotsseonii@mp.gov.in पर दिनांक 07/07/2025 तक अपना संपर्क सूत्र प्रेषित करे । वीडियों कॉन्फ्रेंस की लिंक दिनांक 08/07/2025 को आपके द्वारा प्रदाय संपर्क सूत्र पर सूचित किया जावेगी । निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे हैं। 5. ई - निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं । 6. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल : https://www-mptenders-gov-in

G-14930/25 "स्वच्छता ही सेवा" वनमण्डलाधिकारी, दक्षिण सिवनी (सा.) वनमण्डल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सांकेतिक सूचना
सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की पुनः नियुक्ति के लिए

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में निम्नलिखित विभिन्न श्रेणियों के लिए क्रमशः **1) रिक्त पदों** और **2) गति शक्ति इकाइयों (जीएसयू)** के लिए मासिक पारिश्रमिक के आधार पर सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों से पुनर्नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित है:
आवेदक नागपुर मंडल के लिए दिए लिंक के माध्यम से **secr.indianrailways.gov.in** इस वेबसाइट से निर्धारित प्रारूप (अर्थात अनुलग्नक-1) डाउनलोड कर सकते हैं।
आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे निर्धारित प्रारूप अर्थात अनुलग्नक-1 में आवेदन करें और स्कैन की गई प्रति को **PDF** प्रारूप में आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ अधिसूचना में दिए गए आधिकारिक ईमेल आईडी पर **11.07.2025** तक भेजें।
विस्तृत पात्रता और अन्य नियम व शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

Notification No.: P/NAG/RCT/2024/11/2 Dated: 23.06.2025

Sr. No.	Vacant Posts: Department	Designation	Pay-level	आवश्यक स्टाफ संख्या
1	Civil Engineering	SSE (P.Way)	Level-7 & 8	10
		SSE / (Drawing & Design)	Level-7	01
		JE / (Drawing & Design)	Level-6	01
		JE / Estimate	Level-6	02
2	Electrical (OP)	CLI	Level-7	61
			TOTAL	75

पथ इस प्रकार है:
(Recruitment / News / Press Release Recruitment > Nagpur Division Notification for re-engagement of Retired Railway Staff against Vacant Post)

Notification No.: P/NAG/RCT/2025/9/2 Dated: 23.06.2025

Sr. No.	Gati Shakti Units: Department	Designation	नियोजित कर्मचारियों की संख्या
1	Engineering	SSE (P.Way)	01
2	Electrical	SSE (Electrical General)	01
			TOTAL 02

पथ इस प्रकार है:
(Recruitment/News/Press Release > Recruitment > Nagpur division > Notification for re-engagement of Retired Railway Staff in Gati Shakti Units)

मंडल कार्मिक अधिकारी,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
MS/12-55
swacch bharat - keepindiaclean

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.आ.सू. क्रमांक/05/व.ले.लि. / 2025-26 **ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** डिण्डौरी दिनांक 25.06.2025

एतद् द्वारा समस्त निविदाकारों / व्यक्ति / संस्था को सूचित किया जाता है कि लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यो की ऑन लाईन निविदा पोर्टल https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण बेबसाईट पर देखा जा सकता है-

ई-टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	न्यूनतम बोली दर (लाख में)	अमानत राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र (रुपए में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा खोले जाने का स्थान
2025_PWDRB_433130	शासकीय चिकित्सालय शहपुरा परिसर के पुराने जीर्णशीर्ण पी. एच.सी. भवन के 04 नग एच टाईप, 01नग जी टाईप एवं 01 नग आई टाईप भवन की यथास्थिति नालामी (परिवहन सहित)	4.06	8200.00	2000.00	02 माह वर्षाऋतु सहित	कार्या. कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

निविदा की शर्ते- 1. निविदा वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी । 2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 26.06.2025 से 07.07.2025 सायं 5:30 बजे तक है । 3. ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 07.07.2025 सायं 5:30 बजे तक है । 4. निविदा दिनांक 09.07.2025 से खोली जावेगी । 5. ठेकेदार द्वारा केवल ऑनलाईन के माध्यम से ही निम्नलिखित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य होगा । (अ) अमानत राशि (e-EMD) एवं टेण्डर फार्म खरीदी की रसीद। (ब) टेण्डर फार्म के Annexure-B अनुसार शपथपत्र (Affidavit) नोटरी सहित । (स) पेन नम्बर, जी. एस. टी. नम्बर की प्रति एवं आधार कार्ड । 6. निविदाकार द्वारा न्यूनतम बोली दर से अधिक दर प्रस्तुत करनी होगी, न्यूनतम बोली से अधिक दर प्रस्तुत करने वाले निविदाकार की ही दर स्वीकृत की जावेगी । 7. निविदाकार अपनी दरें जी. एस. टी सहित प्रस्तुत करें, विभाग द्वारा जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से नहीं किया जायेगा । 8. निविदा के समस्त अधिकार एवं निविदा दर स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. भ / स संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के पास सुरक्षित होगा । सशर्त निविदा मान्य नही होगी । 9. निविदा दर स्वीकृति उपरांत निर्धारित स्टाम्प पर अनुबंध करना अनिवार्य होगा । 10. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन में केवल ऑनलाईन संशोधन किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं । 11. अतिरिक्त जानकारी वेबसाईट https://www.mpetenders.gov.in पर टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती है या विभाग में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

(मोहपत सिंह धुर्वे)
कार्यपालन यंत्री लोनि.वि. संभाग डिण्डौरी
G-14908/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जबलपुर
E-mail-eephedjab@nic.in, दूरभाष क्रमांक 0761 2344814

निविदा क्रमांक 12-17 / व. ले. लि./ का.यं. / 2025-26 जबलपुर दिनांक 25.06.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा का आनलाईन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई हैं। ऑनलाईन निविदा विक्रय करने की अंतिम तिथि 09.07.2025 सायं 05.30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 11.07.2025 11.00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

A- Name of Work - Balance work of Retrofitting Work of Piped Water Supply Scheme to achieve the target of JJM for supplying water at every doorstep through functional household tap connection (I.e. 100% FHTC's) in various Villages of Districts JABALPUR.

NIT.No	E-tender No	PAC Rs. in Lakhs	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.
12	2025_PHED 433184_1	143.37	173370/-	12500/-
13	2025_PHED 433195_1	168.43	168430/-	12500/-
14	2025_PHED 433205_1	92.73	92730/-	10000/-
15	2025_PHED 433209_1	150.32	150320	12500/-

B- Name of Work Removal of (125 No.) Ordinary and Choked Fallen Line i/c arrangement of labour skilled person and arrangement of all tools and plant requird for the job including all safety measures etc. all complete in various Block Jabalpur, Panagar, Patan, Shahpura, Sihora, Majholi And Kundam of District Jabalpur

NIT.No	E-tender No	PAC Rs. in Lakhs	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.
16	2025_PHED 433211_1	12.68	25360/-	2000/-

C- Name of Work - Removing of unserviceable hand pump along with assembly from existing tube well i/c excavation, cutting of casing pipe etc Complete in various Block Jabalpur, Panagar, Patan, Shahpura, Sihora, Majholi, and Kundam in District Jabalpur.

NIT.No	E-tender No	PAC Rs. in Lakhs	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.
17	2025_PHED 433213_1	6.94	13880/-	2000/-

(शरद सिंह)
कार्यपालन यंत्री
G-14927/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

- **अवैध हथियार, नशा और सोशल मीडिया दबंगों पर एक साथ प्रहार**
- **पुलिस कप्तान ने छेड़ा अभियान 6 माह में 550 केस, NSA तक की कार्रवाई**

अपराधियों पर जबलपुर पुलिस का 'ट्रिपल एक्शन'

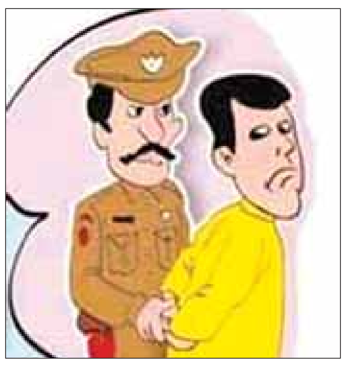

शुभम शुक्ला

हरिभूमि, जबलपुर। जबलपुर में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में जबरदस्त कार्रवाई जारी है। पुलिस ने न केवल अवैध हथियारों, बल्कि नशे के सौदागरों और सोशल मीडिया पर दबंगई दिखाने वालों पर भी कड़ा शिकंजा कसा है। छह माह में की गई यह संयुक्त कार्यवाही अपराध नियंत्रण जबलपुर की दिशा में एक सशक्त कदम मानी जा रही है।

पहली बार सोशल मीडिया के आधार पर कार्रवाई

अवैध हथियारों पर कार्यवाही के बीच पहली बार सोशल मीडिया पर हथियार दिखाने को भी जिला पुलिस ने संज्ञान लिया है। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर नकली हथियार की फोटो लगाकर भय फैलाने वालों पर भी पुलिस अपराधिक मामला दर्ज कर रही है। गत सप्ताह में सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो डालकर स्वयं को गुंडा बताने का प्रयास करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ऐसे में मामले में पुलिस तुरंत कायमी और कार्रवाई कर रही

गांजा, स्मैक जब्त, एनएसए भी किया

गुंडा व बदमाशों के साथ ही पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध क्रय-विक्रय में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध अभियान छेड़ रखा है। गांजा तस्करों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने जांच में अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को भी पकड़ा है। जो कि आसपास के राज्यों से जबलपुर तक गांजा लेकर आ रहे थे। फिर उन्हें अलग-अलग जगह पहुंचा रहे थे। जिले में इस साल अभी तक एनडीपीएस एक्ट के 53 मामले दर्ज किए जा चुके है। वहीं, आदतन अपराधियों की भी पुलिस ने कमर तोड़कर रख दिया है। लगातार अपराध में लिप्त 13 बदमाशों के विरुद्ध एनएसए की कार्रवाई की है।

मुख्य बिंदु

पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

- **अवैध हथियार:** 6 माह में 550 से अधिक आर्म्स एक्ट के केस, लूट और रंजिश में हथियार के इस्तेमाल पर सख्ती।
- **सोशल मीडिया पर शिकंजा:** हथियार के साथ फोटो-वीडियो पोस्ट करने वाले 6 दबंग गिरफ्तार, पहली बार डिजिटल सबूतों पर कार्रवाई।
- **नशे के विरुद्ध बड़ा अभियान:** 12–26 जून तक चले विशेष ऑपरेशन में 14 तस्कर गिरफ्तार, 84.8 किलो गांजा (16.97 लाख) व 2,128 इंजेक्शन जब्त।
- **NSA की कार्रवाई:** 13 आदतन अपराधियों पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (**NSA**) ताकि अपराध की जड़ तक प्रहार हो।

फैक्ट फाइल

जनवरी 2025 से अब तक:

अपराध की श्रेणी	दर्ज प्रकरण
NDPS एक्ट	53
25 आर्म्स एक्ट	483
25/27 फायर आर्म्स एक्ट	67
NSA	13

कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

यह बहुआयामी अभियान न केवल अपराधियों पर सीधा वार है, बल्कि समाज में कानून का डर और भरोसा दोनों स्थापित कर रहा है। चाहे असली हथियार हो या सोशल मीडिया पर फर्जी धौंस, कानून तोड़ने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। इसके अलावा नशे के सौदागरों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है। हमारी प्राथमिकता जबलपुर को अपराध मुक्त बनाना है।

-सम्पत उपाध्याय, पुलिस कप्तान जबलपुर

संभावित विवाद की स्थिति में रहेगा पुलिस बल भी तैनात

आर्मी ने शुरू किया ओल्ड ग्रांट बंगलों का सर्वे

हरिभूमि जबलपुर।

केंद्र सरकार द्वारा कैंट क्षेत्रों के सिविल हिस्सों को निकटवर्ती नगर निकायों को सौंपने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस पहल के बीच, सेना ने जबलपुर कैंट के ओल्ड ग्रांट बंगलों और उनसे जुड़ी जमीनों की गहन जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। सुरक्षा की दृष्टि से शुरू किए गए इस सर्वेक्षण के जरिए सेना न सिर्फ संपत्ति की स्थिति का मूल्यांकन कर रही है, बल्कि अतिक्रमण और अवैध कब्जों पर भी नजर रख रही है। आर्मी स्टेशन सेल के नेतृत्व में चल रहे इस ऑडिट अभियान में डिफेंस एस्टेट ऑफिस, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस और कैंट बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हैं। संभावित विवाद की स्थिति में पुलिस बल भी तैनात रहेगा। यह पहला मौका है जब सेना ने कैंट क्षेत्र के बंगलों की स्थिति का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार जबलपुर कैंट क्षेत्र में करीब 29 ओल्ड ग्रांट बंगले हैं, जिनमें से अधिकांश में सिविल लोग रह रहे हैं। कुछ बंगले जर्जर अवस्था में हैं या फिर पूरी तरह से खाली हो चुके हैं। इनमें से कुछ को सेना पहले ही अपने अधीन ले चुकी है, जबकि कई में अभी भी पुराने ग्रांटधारक या उनके परिवार निवासरत हैं।

अवैध निर्माण और कब्जे की होगी जांच

सर्वे के दौरान टीम प्रत्येक बंगले में रह रहे परिवारों की पहचान करेगी, उनके दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड) की जांच की जाएगी और यह देखा जाएगा कि कहीं अवैध निर्माण या सब-लेटिंग तो नहीं की गई है। पूरी कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। इसके अतिरिक्त, MES और कैंट बोर्ड की टीम ज़मीन के सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार नपाई करेगी ताकि यह पता चल सके कि कोई अतिक्रमण तो नहीं हुआ है।

प्लाटिंग कर बेच दी गई जमीनें अब जांच के घेरे में

एक बड़ी चिंता की बात यह है कि कैंट क्षेत्र के कई बंगलों की खुली जमीनें कथित तौर पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर बेच दी गई हैं। सर्वे में यह भी उजागर किया जाएगा कि किसने किस हैसियत से जमीन पर कब्जा किया या निवास किया है। खास बात यह है कि इन लेनदेन में महज़ सौ-सौ रुपए के स्टांप पेपर का उपयोग किया गया है, जिससे अब जमीन बेचने वालों में खलबली मची है।

Bright Future.Com Skills Pvt. Ltd.
Add.:- 17 Raja S C Mallick Road, Baghajatin, Kolkata, West Bengal-700086
RECRUITMENT OF VOCATIONAL TRAINERS (On Contractual Basis)
Allotted District:- Tikamgarh, Sagar, Jabalpur, Dhar, Alirajpur, Guna, Raisen, Mandla, Panna, Seoni, Damoh,

Trade	Qualification
Apparel	Post-graduation in Textile and Clothing or a Relevant area from a recognized Institute /University, with at least 1 year of work/teaching experience in Textile and clothing.

Note:In case a candidate with the above qualification is not available then qualification may be relaxed to- 1. Graduate in Apparel made-ups/Fashion technology (at least 50% marks with one year experience) 2. Diploma in Apparel made ups/Fashion technology (at least 50% marks with one year of experience) 3. Graduate in any discipline (at least 50% marks) with ITI one year certificate in sewing machine operator (with one year experience)
Minimum Competency: 1. Effective communication skills (oral and written) 2. Basic computing skills.
Pre-Requisite: Age Limit-18-37 years (As on 01.01.2025)
Apply on- https://forms.gle/zPpq3UBW6AYk7VQaA
Mail id - bfcss.mp@gmail.com Last Date to apply: 08.07.2025
Gross Honorarium 20,000/- Per month
Note:- All the candidates are informed that under Vocational Education, candidates do not get trapped under in any unfair activity or fraud for selection. Don't fall prey to anyone asking for money to get a job. This is completely illegal and unacceptable. The process will be conducted with transparency and fairness. Please avoid any fraud or misinformation and have faith in yourself. If you get information about any such person or activity, inform immediately. Your success depends only on your hard work and ability.
For Queries VTP Contact No - 7697971795, 9609601807

9 घटनाओं का खुलासा, 20 टायर जब्त

टायर चोर गिरोह का पर्दाफाश

जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने वाहनों से टायर चोरी करने वालें गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी के 20 टायर और एलआय व्हील, टूल किट व घटना में प्रयुक्त बलेनो कार जब्त की हैं। पुलिस ने अब तक 9 घटनाओं का खुलासा कर दिया है। गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले दिनों गुरुकुल स्कूल शांतिनगर, गली नंबर 2 शांतिनगर, गोहलपुर शांतिनगर, तलैया खटीक मोहल्ला हनुमानताल, शांतिनगर गुरुकुल स्कूल के सामने इसी तरह शांतिनगर दमोहनाका सहित संजीवनीनगर क्षेत्र में खड़े वाहन, एलायमेंट चके चोरी करने की रिपोर्ट सामने आई थी। पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज केआधार पर आरोपियों तक अपनी पहुंच बनाई और मन्नत उर्फ अनी श्रीवास्तव, संस्कार पटेल, कुनाल पटेल और प्रिंस श्रीवास को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। जिनकी निशानदेही पर 20 टायर, एलआय व्हील, घटना में प्रयुक्त एक बलेनो कार, टूलकिट कीमती 12 लाख रूपये के जप्त किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 303(3) बी एन एस के तहत कार्रवाई की है।

17 हजार नगदी के साथ 2 सटोरिए गिरफ्तार

जबलपुर। क्राईम ब्रांच और खमरिया पुलिस ने गत रात घाना एसबीआई एटीएम के पास खमरिया में और ग्राम घाना चौराहा कंटेनर दुकान के सामने सट्टा पट्टी लिख रहे दो सटोरिए को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगद 17 हजार 325 रुपए जब्त किए है। खमरिया थाना प्रभारी श्रीमति सरोजनी टोप्पो ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और खमरिया पुलिस ने घाना एसबीआई एटीएम के पास खमरिया में सट्टा पट्टी लिख रहे बेदी मोहल्ला पानी की टंकी के पास सोनपुर खमरिया निवासी 34 वर्षीय मंगल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया उसके कब्जे से एक सट्टा पट्टी तथा सट्टा की लगवाड़ी रकम नगद 8 हजार 325 रूपये जप्त किये है। इसी प्रकार ग्राम घाना चौराहा कंटेनर दुकान के सामने दबिश देते हुये सट्टा पट्टी लिख रहे पुरानी बस्ती मानेगांव रांझी निवासी 29 वर्षीय सुमित सोनी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक सट्टा पट्टी एवं नगदी 9 हजार रूपये जप्त किये है। पुलिस ने दोनों सटोरियों के विरूद्ध धारा 4 (क) सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

6 किलो गांजे के साथ महिला व युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जबलपुर। गौरीघाट पुलिस और क्राईम ब्रांच की टीम ने भ्रमण के दौरान रेलवे स्टेशन गौरीघाट में मादक पदार्थ गांजा की तस्करी में लिप्त एक महिला व एक युवक को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 किलो 444 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत लगभग 1 लाख 28 हजार रुपए बताई गई है। गौरीघाट थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल ने बताया कि गत दिवस क्राईम ब्रांच और गौरीघाट पुलिस की टीम ने भ्रमण के दौरान नर्मदा नगर गौरीघाट निवासी 26 वर्षीय आशीष वंशकार और अधारताल पेट्रोल पम्प के पास अधारताल निवासी 19 वर्षीय सिद्धी गर्ग उर्फ पलक को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 किलो 444 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 8, 20 एन.डी.पी.एस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

पुल नं. 2 अप साइड पर आज यातायात बंद रहेगा

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर मंडल के सहायक मंडल इंजीनियर जबलपुर उपमंडल के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जबलपुर शहर में स्थित पुल नंबर 2 के अप साइड का दुसरा हाइट गेज रोड ट्रैफिक से डैमेज हो गया था जिसे टेम्प्रेप्री लगाकर रोड यातायात चालू किया गया था जिसे स्थाई बनाया जाना प्रस्तावित है जो निकासी हाइट गेज से 7.50 मीटर दूर कैरब्स के तरफ शिफ्ट करना पडेगा जिसकी निकासी ब्रिज से दूरी 20.50 मीटर रहेगी जिस कारण दिनांक 29 जून को प्रातः 10.00 से रात्रि 11.00 बजे तक पुल नंबर 02 से सडक यातायात बंद रहेगा। रेल प्रशासन ने वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि इस दौरान आने-जाने वाले की वैकल्पिक व्यवस्था अंडरपास पुल नंबर एक एवं पुल नंबर दो से आवागमन किया जा सकता है। जिससे कार्य सुचारू रूप से किया जा सके ताकि यथाशीघ्र सुरक्षित रोड यातायात बहाल किया जा सके।

27 सौ रुपए का पेट्रोल भराने के बाद हो जाता था फरार

पेट्रोलखोर कार चालक पुलिस गिरफ्त में

जबलपुर। इन दिनों शहर में एक सक्रिय पेट्रोलखोर से पेट्रोल पंप कर्मी दहशत में हैं। दरअसल एक शातिर कार चालक पेट्रोल डलवा कर कर्मचारियों को चकमा देकर फरार हो जाता रहा। आरोपी ने तिलवारा और पनागर के पेट्रोलपंपों में इस तरह की वारदात की। इस आरोपी को गोहलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खास बात यह है कि आरोपी ने सभी जगह 27 सौ रुपए कही पेट्रोल डलवाया और बिना पैसे दिए फरार हो जाता रहा। पेट्रोलपंपों में लगे सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर एक पेट्रोलपंप संचालक ने इस बात की थाने में शिकायत की तब जाकर इस बात का खुलासा हुआ है कि एमपी 20 सीरीज को एमपी 21 सीरीज में बदलकर यह चालबाजी की जा रही थी। पुलिस ने जब आरटीओ रजिस्ट्रेशन की जांच पड़ताल की तो इस नंबर की कार सुभाष चौक जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी एक महिला के नाम पर रजिस्ट्र्ड निकली। पुलिस ने कार के संबंध में महिला से पूछताछ की तो उसने स्वीकार किया कार उसकी है पर उसने कार किराए पर दे रखी है। बताया गया है कि कुछ दिन पहले तिलवारा स्थित दुबे पेट्रोलियम, एचपी पेट्रोलियम और रिलायंस पेट्रोलियम में इस तरह की वारदात हुई युवक कार क्रमांक एमपी 20 वन सीजे 3285 मारुति सुजुकी लेकर पहुंची और 27 सौ रुपए का पेट्रोल भराकर फरार हो गया। कुछ दिन बाद उसने पनागर, बरौंदा पेट्रोलपंप में भी इसी तरह की वारदात की। सीसीटीव्ही फुटेज से घटना सामने आई। जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि लग्जरी कार में पेट्रोल डलवाने के बाद बिना पैसे दिए उक्त युवक तेजी से फरार हो गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पनागर थाने में इस मामलें की शिकायत पेट्रोलपंप संचालक ने दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि यह कार एक महिला के नाम पर रजिस्टर्ड है। प्रारंभिक जांच पड़ताल में यह बात सामने आई है के एमपी 20 सीरीज को एमपी 21 की सीरीज में बदला गया है। ताकि लोगों को लगे कार कटनी जिले की है। कार मालिक तक पुलिस पहुंच गई। इसके बाद पेट्रोलखोर युवक को गोहलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

हरिभूमि
जबलपुर भूमि

जबलपुर, रविवार, 29 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

हनुमानताल का खुला रह गया वाल्व, बस्तियों में भर रहा पानी

तालाब के पानी से उपरैनगंज तमरहाई में जलप्लावन

हरिभमि जबलपुर।

जब से शहर स्मार्ट सिटी घोषित हुआ है तब से अनोखी समस्याएं शहर में सामने आ रहीं हैं. देश भर में तालाब भरने के बाद जलप्लावन होता है, बाढ़ आती है, लेकिन जबलपुर में खाली तालाब जलप्लावन का कारण बन रहा है, बाढ़ जैसे हालात दिखा रहा है. यहां बात हो रही है हनुमानताल तालाब की जो कई महीने पहले सफाई के नाम पर खाली किया गया है. लेकिन सफाई और सुधार कार्य में हुई अव्यवस्था के कारण आज खाली होने के बाद भी उपरैनगंज, झाडू मोहल्ला, तमरहाई, मिलौनीगंज सहित एक दर्जन से अधिक क्षेत्रों में जलप्लावन का कारण बन रहा है।

गौरतलब है हनुमानताल तालाब को कई महीने पहले सफाई और मरम्मत कार्य के नाम पर पूरी तरह से खाली कर दिया गया था। लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, और अब यही अधूरा काम शहरवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। बीती रात की भारी बारिश के बाद उपरैनगंज, तमरहाई, मिलौनीगंज, झाड़ू मोहल्ला और आसपास के एक दर्जन से अधिक इलाके बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। गली-मोहल्लों में पानी भर गया, घरों के अंदर पानी घुसने से लोगों का सामान खराब हो गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

खुला वाल्व बना मुसीबत की जड़

जानकारों का कहना है की हनुमानताल घोड़ानक्कास छोर पर स्थित वाल्व, जो आमतौर पर तभी खोला जाता है जब तालाब को सफाई के लिए खाली किया जाता है। ऐसा ही कुछ पिछले दिनों तालाब को खाली करने के लिए किया गया था लेकिन इसके बाद वॉल्व को बंद नहीं किया गया, लिहाजा बारिश का पानी तालाब में भरने के बजाय वॉल्व के जरिए पानी नाले नालियों में पहुंच रहा है। जिससे बस्तियों में जलप्लावन की स्थितियां बन रही है। तालाब ऊंचाई पर है और बस्तियां नीचे हैं। इसलिए पानी का भराव हो रहा है। लेकिन हैरत की बात यह है कि इस बार तालाब तो खाली है, फिर भी वाल्व खुला है। नतीजा यह हुआ कि बारिश का सारा पानी, जो सामान्यतः तालाब में जमा होता, वह वाल्व के रास्ते बाहर बह रहा है और नालियों से होते हुए निचले इलाकों में जलभराव का कारण बन रहा।

स्थानीय निवासी और जनप्रतिनिधि भी इस असमंजस में हैं कि यह वाल्व किसके निर्देश पर खुला रखा गया है। कुछ लोगों का कहना है कि ठेकेदार ने सफाई और मरम्मत कार्य अधूरा छोड़ा है और तालाब को भरने की अनुमति नहीं दी जा रही। वहीं, कुछ का दावा है कि वाल्व के पास निर्माण कार्य अभी अधूरा है, जिसके कारण तालाब में पानी रोका नहीं जा सकता। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस गंभीर स्थिति का जिम्मेदार कौन है – इसका जवाब खुद प्रशासन के पास नहीं है। न नगर निगम और ठेकेदार की ओर से कोई स्पष्ट बयान आया है।

आमजन में आक्रोश

शहरवासियों में इस स्थिति को लेकर आक्रोश है। स्थानीय निवासी शिवरचरण तिवारी ने बताया, "पहले जब तालाब ओवरफ्लो होता था, तब भी हमारे घरों में पानी नहीं घुसता था। लेकिन अब जब तालाब खाली है, तब हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। यह पूरी तरह से नगर निगम की लापरवाही है।" वहीं एक समाजसेवी ने कहा, तालाब की मरम्मत और प्रबंधन का जिम्मा जिस ठेकेदार को सौंपा गया है, उस पर कोई निगरानी नहीं रखी जा रही। भुगतान हजारों लोग भुगत रहे हैं.

समाधान की मांग

स्थानीय पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही मांग की है कि तत्काल प्रभाव से हनुमानताल में पानी भरा जाए या कम से कम वाल्व को बंद कर जलप्लावन की स्थिति को रोका जाए।

अगले 24 घंटों में भारी बारिश की संभावना

रात में ढाई इंच बारिश से शहर में जलप्लावन

जबलपुर। शुक्रवार की देर रात शहर में हुई तेज बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया। करीब 5 घंटे में ढाई इंच बारिश से शहर में जलप्लावन की स्थिति बन गई। दिनभर से मौसम खुला रहा। रात को बिना गरज चमक के तेज बारिश शुरु हो गई जो देर रात तक जारी रही। इसके बाद शनिवार को मौसम खुला रहा और बादल छाए रहे। रात में फिर बारिश के आसार बनने लगे थे। रात 10 बजे से शुरू हुई बारिश देर रात करीब 3 बजे तक जारी रही। इस दौरान करीब ढाई इंच से अधिक वर्षा दर्ज हुई। शहर के निचले इलाके जलमग्न हो गये। सुबह के वक्त स्कूल आने जाने वाले बच्चों को खासी परेशानी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। शुक्रवार की रात हुई बारिश से कही जगह जलप्लावन के हालात बने। लोगों के घरों में पानी घुस गया। शहर के गोलबाजार, अग्रवाल कालोनी, दीक्षितपुरा, चेरीताल, दमोहनाका, झाडू मोहल्ला, उपरैनगंज, आमनपुर, गंगानगर, चंदनकालोनी, सिविक सेंटर, मुकादमगंज, प्रिंस स्ट्रीट नरघैया सहित कई निचले हिस्से जलमग्न हो गए। लोगों के घरों और दुकानों में पानी घुस गया था।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी से उठे मानसूनी बादल राजस्थान होते हुये छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में सक्रिय हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 5 डिग्री कम दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 95 प्रतिशत और सायंकाल 73 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान 67.6 मिमी (ढाई इंच) वर्षा के बाद 1 जून से आज तक कुल वर्षा का आंकड़ा 208.07 मिमी (लगभग 8 इंच) दर्ज किया जा चुका है। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 4 से 8 किलोमीटर की रफ्तार से चली। सूर्योदय सुबह 5.28 बजे और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन वर्षा 29.08 मिमी हुई थी। जबकि कुल वर्षा 89.4 मिमी दर्ज की गई थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री दर्ज किया गया था। अगले 24 घण्टे के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं।

नवजात को स्तनपान के लिए 15 दिन रखने तैयार हुए दुष्कर्म पीड़िता व माता-पिता

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था 30 सप्ताह से अधिक की होने के कारण पीड़िता व उसके माता-पिता की काउंसलिंग के निर्देश दिए थे। लिहाजा, ऐसा ही किया गया। जिसका सकारात्मक असर यह हुआ कि वे बच्चे को इस संसार में लाने तैयार हो गए। हालांकि उन्होंने यह शर्त भी रखी है कि जन्म के उपरांत महज 15 दिन तक ही दुष्कर्म पीड़िता स्तनपान कराएगी। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने इन तथ्यों को अभिलेख पर लेते हुए याचिका का निराकरण कर दिया। दरअसल, दुष्कर्म पीड़िता के गर्भपात के लिए प्रधान जिला न्यायाधीश छिंदवाड़ा ने हाई कोर्ट को पत्र भेजा था। जिसमें पीड़िता के माता-पिता की सहमति से गर्भपात की अनुमति पर बल दिया था। हाई कोर्ट ने पत्र की याचिका के रूप में सुनवाई की व्यवस्था दे दी थी। इसी के साथ पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट तलब कर ली थी। जिसमें अवगत कराया गय कि गर्भावस्था 30 सप्ताह की है। लिहाजा, भ्रण के जीवित पैदा होने की अधिकतम संभावना है। लेकिन गर्भपात कराए जाने से पीडिता की जान को खतरा है। चूंकि दुष्कर्म पीड़िता व उसके माता-पिता दूर-दराज के ग्रामीण व अशिक्षित होने के कारण खतरे की बात समझ नहीं पा रहे थे, अतः काउंसलिंग की व्यवस्था दी गई थी।

हाई कोर्ट ने 30 सप्ताह की गर्भावस्था के कारण दिए थे काउंसलिंग के निर्देश

कांग्रेस नेताओं ने रखी पर्यवेक्षकों से मांग

दलित पिछड़े वर्ग से मिले प्रतिनिधित्व

हरिभूमि जबलपुर।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के दौरान पर्यवेक्षक बनकर जबलपुर पहुंचे केन्द्रीय पर्यवेक्षक गुरूदीप सिंह सप्पल, प्रदेश पर्यवेक्षक विधायक पुष्पराज पटेल, एवं विधायक आर.के. दोगने के साथ कांग्रेस नेता विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, रूपलाल यादव, दीपक सिंह राजपूत, पिंकी ठाकुर आदि ने विशेष चर्चा की। बैठक में कहा गया की कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गाँधी की मंशा के अनुरूप सोशल इंजिनियरिंग के तहत जबलपुर में शहर एवं जिले में दलित एवं पिछड़ा वर्ग से नगर अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष बनाया जाए. यदि इन जातियों से जबलपुर शहर में प्रतिनिधित्व दिया गया तो कांग्रेस पुनः अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा प्राप्त करेगी। साथ ही माँग रखी गई की जिसे भी कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया जाये उसका डी.एन.ए. (राजनैतिक जन्म) कांग्रेसी हो और वह गाँधी की विचारधारा का हो। केन्द्रीय पर्यवेक्षक से चर्चा में कहा गया कि कांग्रेस संगठन मजबूत बनाना है तो जबलपुर शहर के प्रभावशाली नेताओं के प्रभाव में न आकर सिर्फ कांग्रेस हित में निर्णय लेना होगा, नहीं तो राहुल गाँधी द्वारा कांग्रेस मजबूत करने के संगठन सृजन अभियान जो चलाया गया है वह दिखावा साबित न हो, किसी बड़े नेताओं के दबाव में निर्णय नहीं लिये जायें।

गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को भी मिलेगा सामाजिक समितियों से लाभ

पहले चरण में 101 आंगनबाड़ियों को लिया गोद

हरिभूमि जबलपुर।

नौनिहालों के भविष्य को और अधिक सशक्त बनाने के लिए शहर में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व में ऑगनबाड़ी कायाकल्प अभियान शुरू हो गया है। पहली बार इस तरह का अभिनव अभियान महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के द्वारा सामाजिक समितियों के सहयोग से शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत महापौर की पहल पर सामाजिक संस्थाओं द्वारा नगरीय क्षेत्र की 687 ऑगनबाड़ियों को गोद लिया जायेगा। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए महापौर श्री अन्नू ने बताया कि पहले चरण में 101 ऑगनबाड़ियां को गोद ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी 2 माह के भीतर ऑगनबाड़ी ले ली जायेगी गोद एवं होंगी सर्वसुविधायुक्त। इस अभियान के तहत ऑगनबाड़ियों में बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए सभी जरूरी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों की बेहतर देखभाल भी की जाएगी।

पत्रकारवार्ता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि पहली बार इतने बड़े पैमाने में ऑगनबाड़ियों को गोद लिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य देश के भविष्य को सशक्त बनाना है। इस काम में सामाजिक संस्थाओं के अलावा पार्षद एवं शहर के नागरिक सहयोग कर रहे हैं।

शहर में कुल 687 आंगनवाडी केन्द्र है, प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्र पर 1 आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं 1 सहायिका पदस्थ रहती हैं जो 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त विभाग के आंगनवाडी कार्यकर्ताओ योगदान काफी रहा है इनके सहयोग से अथक एवं संवेदनशील प्रयास सें शासन की "फलैगशिप" योजनाये जैसे लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर संभव हो पाया। महापौर ने बताया कि सभी सामाजिक संस्थाओं के सदस्य अब अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह, अपने परिजनों के जन्मोत्सव, जयंती और पुण्यतिथि ऑगनबाड़ी केन्द्र के नौनिहालों के बीच मनाएंगे।

महापौर लेगें 11 आंगनबाड़ियों को गोद

कायाकल्प अभियान के पहले चरण में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा 11 आंगनबाड़ियों को गोद लेने का संकल्प लिया गया है। संकल्प के तहत ऑगनबाड़ियों में शासन के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार व्यवस्थाएं की जायेगी।

एपीसी ने किसानों की इकॉनॉमी को सशक्त करने के दिये निर्देश

परम्परागत कृषि को हाई वैल्यू क्रॉप में शिफ्ट करें : वर्णवाल

जबलपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में रबी वर्ष 2024-25 एवं खरीफ 2025 के कार्यक्रमों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागर में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि पिछले दो बैठकों में किसानों के कल्याण के लिए विस्तृत चर्चा की गई थी और इस बार उनके आर्थिक पक्ष को मजबूत करने की दिशा में चर्चा की गई। जिसमें उन्होंने कहा कि परम्परागत कृषि को हाई वैल्यू क्रॉप में शिफ्ट करें, जिससे आपूर्ति के साथ मांगो को बढ़ाना होगा, बाजार का सृजन करना होगा। तभी किसानों को सही दाम मिल सकेगा। गेहूं व धान के अलावा ऐसे फसल जिसमें किसानों को ज्यादा लाभ मिले हैं उन्हें अब समय है कि हाई वैल्यू की तरफ शिफ्ट करें। बैठक में पीएस उमाकांत उमराव, जबलपुर कमिश्नर धनंजय सिंह, कृषि व कृषि संबद्ध सभी विभागों के डायरेक्टर और संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत व संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक के प्रथम सत्र में कृषि, मंडी, उद्यानिकी, सहकारिता तथा दूसरे सत्र में पशुपालन एवं डेयरी व मछुआ कल्याण विभाग की समीक्षा की गई।

एसीएस श्री वर्णवाल ने सभी कलेक्टर्स से किसानों के आर्थिक सृजन के लिए किये गये बेहतर प्रयासों की जानकारी ली। इस दौरान सभी कलेक्टरों ने बारी-बारी से अपने-अपने जिले में किसानों के कल्याण तथा उनकी आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में किये जा रहे नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान नरवाई प्रबंधन, हैप्पी सीडर और सुपर सीडर, कस्टम हायरिंग, फसलों की नई किस्म, मृदा परीक्षण, मानक खाद व बीज, भूमि, किसान और फसल की रजिस्ट्री, मार्केट जनरेशन के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि भविष्य में एग्रीस्टेग भूमि, किसान और फसल की रजिस्ट्री, कृषि में नए परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने बीज प्रमाणिकरण, फोर्टिफाईड राइस, ई-मंत्री योजना, मंडियों की व्यवस्थाएं तथा उनकी निगरानी के साथ कहा कि मंडियों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो जायें। उद्यानिकी के संबंध में फसलवार व क्षेत्रवार जानकारी लेकर कहा कि इसके लिए एक ऐसा रणनीति बनाएं जिससे उद्यानिकी का एक बड़ा कलस्टर बने, जिसमें खरीददार स्वयं आयें। उन्होंने किसान पंजीयन, मूल संवर्धन, मार्केटिंग व ब्रांडिंग तथा निर्यात को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसी प्रकार सहकारिता में बी-पेक्स के गठन, मत्स्य व दुग्ध समितियों के खाते खोलने साथ ही सदस्यों के खाते भी 16 जुलाई तक अभियान चलाकर खुलवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समितियों के बहुउद्देशीय व्यवसाय के लिए 15 अगस्त तक योजनाओं को स्वीकृति दें। बैठक के द्वितीय सत्र में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा के दौरान पशु संवर्धन, सेक्स सॉर्ट्रेड सीमेन, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार, पशु पोषण आहार, केसीसी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेन योजना, मिल्करूट, बड़ी गौशाला बनाने, नए मिल्क पार्लर खोलने आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। इसी प्रकार मत्स्य उत्पादन व उनके संवर्धन तथा इससे किसानों की इकॉनॉमी को सशक्त करने के निर्देश दिये।

उपभोक्ता मंच ने शासन को भेजा सुझाव

ट्रैफिक सिग्नल एजेंसियों में तालमेल का अभाव

हरिभूमि जबलपुर।

इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत लगाए गए 21 ट्रैफिक सिग्नल की वर्किंग स्मार्ट सिटी, नगर निगम तथा पुलिस विभाग के आपसी तालमेल के अभाव में मुश्किल में पड़ी है। अतः तीनों एजेंसियों की एक संयुक्त एजेंसी बनाकर नगर निगम को एक्जिक्यूटिव एजेंसी बनाया जाए। यह सुझाव नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने शासन को भेजा तथा स्मार्ट सिटी सीईओ अनुराग सिंह एवं ट्रैफिक डीएसपी संतोष कुमार शुक्ला से भी दूरभाष पर चर्चा की। इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के दो भाग ट्रैफिक सिग्नल तथा सीसीटीवी कैमरे के तहत नगर निगम ने वर्ष 20215 में पीपीपी मॉडल पर अनुबंध कर लगभग 10 सिग्नल लगाए। स्मार्ट सिटी ने वर्ष 2018 में 6 चौराहों पर सिग्नल लगाए। इनका अनुबंध समाप्त होने के बाद मार्च 2025 में शासन से मिले 1.5 करोड़ फंड हेतु टेंडर जारी किए, टेक्निकल 2025 में शासन से मिले 1.5 करोड़ फंड हेतु टेंडर जारी किए, टेक्निकल टेंडर खुलने के बाद भी वित्तीय टेंडर अभी खुले नहीं है। इसी के पश्चात ही 6 चौराहों पर सिग्नल एक माह के भीतर शुरु होने की उम्मीद है। पुलिस विभाग द्वारा उन्हें मिले फंड के माध्यम से 5 चौराहों पर सिग्नल लगाए गए हैं। इस तरह कुल 21 सिग्नल जरुर लगे, लेकिन अब अधिकांश बंद पड़े हैं।

जबलपुर में दूसरे फेज की योजना नहीं बनी

डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने बताया कि भोपाल में इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का प्रथम फेज वर्ष 2023 में समाप्त होकर दूसरा फेज शुरु हो गया है, जबकि जबलपुर में प्रथम फेज की समाप्ति वर्ष 2024 में होने के बावजूद भी दूसरा फेज की योजना ही नहीं बनाई गई है। इसी का नतीजा है कि बहुतांश चौराहों पर सिग्नल नहीं लग पा रहे हैं।

790 पाव अंग्रेजी शराब सहित कार जब्त

जबलपुर। बरेला थाना अतंर्गत ग्राम परतला हनुमान मंदिर के पास बलेनो कार में अवैध रुप से शराब परिवहन कर ले जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 790 पाव अंग्रेजी शराब और कार जब्त की है। बरेला थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर ग्राम परतला हनुमान मंदिर के पास दबिश देकर बलेनो कार क्रमांक एमपी 20 जेड एन 9102 में अंग्रेजी शराब बेचने के लिए जा रहे दमोहनाका शांतिनगर थाना गोहलपुर निवासी 40 वर्षीय कार चालक सुनील कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी लेने पर कार की डिक्की को में रखी दो पेटी में मेकडावल रम के 88 पाव, 2 पेटी में मेकडावल विस्की के 78 पाव , 11 पेटी मे जीनियस थ्री एक्स रम 528 पाव, 2 पेटी में जीनियस डीलक्स विस्की 96 पाव रखे मिले। पुलिस ने 17 पेटी में रखे 790 पाव अंग्रेजी शराब और घटना में प्रयुक्त बलेनो कार जब्त की है। जब्त किए शराब की कीमत लगभग 1 लाख 9 हजार 440 रूपये बताई गई। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

वेतन न मिलने से एल्गिन अस्पताल के सफाईकर्मी हड़ताल पर

गर्भवती महिलाओं को मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

जबलपुर। जिले की प्रमुख सरकारी रानी दुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन हॉस्पिटल) के सफाईकर्मियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल शुरू कर दी है। जिसका असर अस्पताल की सफाई व्यवस्था पर देखा जा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा बार-बार भुगतान टालने से नाराज सफाईकर्मी अब अस्पताल परिसर में विरोध कर रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। कई कर्मचारी 2 से 6 महीने से वेतन का इंतजार कर रहे हैं। एक कर्मचारी ने बताया, "हमारा घर चलाना मुश्किल हो गया है, बच्चों की पढ़ाई रुक गई है और मकान मालिक किराया मांग रहा है।" साथ ही, कर्मचारियों का यह भी आरोप है कि उनके प्रोविडेंट फंड की राशि भी काटी जा रही है लेकिन जमा नहीं की जा रही। कर्मचारियों ने ठेकेदार पर जानबूझकर भुगतान में देरी और श्रमिकों के हक़ को दबाने का आरोप लगाया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि प्रशासन से फंड मिलने में देरी हो रही है, जिससे ठेकेदार को भुगतान नहीं हो पाया।

गर्भवती महिलाओं को रेफर किया गया

हड़ताल के कारण अस्पताल की सफाई व्यवस्था ठप हो गई है जिससे साफ-सफाई और संक्रमण नियंत्रण पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि गर्भवती महिलाओं को अस्पताल द्वारा मेडिकल कॉलेज रेफर किया जा रहा है क्योंकि प्रसूति विभाग में सफाई न होने के कारण इलाज संभव नहीं हो पा रहा है। हड़ताल के कारण अस्पताल की स्वच्छता पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। साथ ही, प्रसूति विभाग की सेवाएं ठप होने से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है।

प्रशासन भी मान रहा लापरवाही

अस्पताल की अधीक्षिका डॉ. नीता पाराशर ने बताया तीन महीने से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला, इसलिए वे काम पर नहीं आए। मैंने कई बार सीएमएचओ कार्यालय को पत्र भेजा है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह बंद रही। ओटी भी नहीं खोली गई। संक्रमण के खतरे को देखते हुए प्रसूताओं को मेडिकल भेजा गया है। सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा ने भी ठेकेदार की लापरवाही की बात दोहराते हुये कहा, ठेकेदार ने एक महीने का वेतन देने की बात कही थी लेकिन वह भी नहीं दिया। अब फोन भी बंद कर लिया है। हमने उसे नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

- कैंसर की जांच और इलाज में महाकौशल में नए युग की शुरूआत
- पहले सिर्फ चैन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे महानगरों में होती थी जांच

अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल में शुरू हुई महाकौशल की पहली पैट स्केन मशीन

जबलपुर। जिस पैट स्केन के लिए जबलपुर समेत पूरे महाकौशल के लोगों को पहले चैन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे महानगरों में जाना पड़ता था अब उनकी इस समस्या और दुविधा का समाधान हो गया है। पैट स्केन की ये सुविधा अब महाकौशल में सबसे पहले जबलपुर के अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स में शुरू हो गई है। अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स जबलपुर में महाकौशल की

पहली पैट स्केन मशीन से जांच की गई है। ये मरीज अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स जबलपुर में इलाज की नई उम्मीद लेकर आए थे और यहां पैट स्केन की जांच हो जाने से उनके समय की बचत भी हुई। दरअसल पैट स्केन मशीन को कैंसर के इलाज में सबसे प्रभावी माना जाता है। पैट स्केन मशीन के जरिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का सटीक ढंग से पता लगाया जाता है और इसके जांच नतीजों के आधार पर कैंसर का जल्द इलाज शुरू किया जा सकता है, जिससे कैंसर के मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

कैंसर की जांच और इलाज का महाकौशल में नया युग शुरू

अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल जबलपुर में पैट स्केन शुरू हो जाने को कैंसर की जांच और इलाज के मामले में महाकौशल में नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। जिसका फायदा अब लाखों मरीजों को मिलेगा। पैट स्केन के लिए पहले मरीजों को मजबूरन चैन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे महानगरों में जाना पड़ता था लेकिन अब लोगों के न केवल समय की बचत होगी बल्कि उनके स्वस्थ जीवन जीने की उम्मीदें भी पूरी होंगी।

मशीन की ये है विशेषता

- कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने और यह देखने में मदद करता है कि कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में तो नहीं फैल गया है ।
- शरीर के भीतर होने वाले बदलावों को बहुत ही सटीक रूप से दिखा सकता है।
- यह विभिन्न अंगों की क्रिया के बारे में विस्तृत जानकारियां प्रदान करता है। -यह कैंसर के शुरूआती चरण का पता लगाने के लिए काफी कारगर है।

तैराकी में अद्वैत पागे ने जीता रजत पदक

जबलपुर। भुनेश्वर उड़ीसा में आयोजित 78वीं राष्ट्रीय सीनियर तैराकी प्रतियोगिता 2025 में मध्यप्रदेश के स्टार तैराक अद्वैत पागे ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन रजत पदक पर कब्जा जमाया, इस प्रतियोगिता में यह उनका दूसरा पदक है। उक्त जानकारी मध्य प्रदेश तैराकी संघ के सचिव जय कुमार वर्मा ने दी। अद्वैत की दोहरी सफलता पर मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, कोषाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राठौड़, सहसचिव रामकुमार खिलरानी, सीमांत द्विवेदी, राजेंद्र उपाध्याय, सचिन पाल, सुनील पटेल, राकेश जोशी, अशोक मोदी, ओपी जगावत, शिशुकुंज स्विमिंग अकैडमी के डायरेक्टर मनोज दवे, कोच आकाश चौधरी, वेदांत कस्बे टीम मैनेजर जमना पटेल ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

6वीं बटालियन पीटीएस में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। वृक्ष हमारे मित्र की भूमिका निभाते हैं और हमारी कई मूलभूत जरूरतों को पूरा करते हैं। वृक्षों के जरिए ही हमें ऑक्सीजन मिलती है और समय पर वर्षा होती है। केवल इतना ही नहीं उनके फल, उनकी लकड़ियां, पुष्प और उनसे निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ भी हमारी दैनिक जीवन की कई आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इसी उद्देश्य से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से कमांण्डेंट सिद्धार्थ चौधरी भा.पु.से. एवं एसबीआई के रीजनल मैनेजर अनूप सिंह बिष्ट की उपस्थिती में 6वीं बटालियन पीटीएस में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कमांडेंट सिद्धार्थ चौधरी भा.पु.से. एसबीआई के रीजनल मैनेजर अनूप सिंह बिष्ट, डिप्टी कमांण्डेंट अभिषेक राजन, डिप्टी कमांण्डेंट सुश्री अंजूलता पटले, डिप्टी कमांण्डेंट श्री लामू सिंह श्याम, असिस्टेंट कमांण्डेंट मुख्यालय स्टॉफ व प्रशिक्षक सहित कुल 70 एवं पीटीएस के कुल 185 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहें।

रोटरी इंटरेक्ट सदस्यों ने लियोनार्ड एचएस स्कूल में किया पौधा रोपण

जबलपुर। रोटरी इंटरेक्ट क्लब ऑफ लियोनार्ड एचएस स्कूल के छात्रों के एक समूह ने आरटीएन आशीष जैन (अध्यक्ष) और आरटीएन अशोक साहू (सचिव) के मार्गदर्शन में स्कूल परिसर में कुछ वाणिज्यिक और फलदार पौधे लगाए। पौधे का यह रोपण हमारे पर्यावरण को बेहतर बनाने और क्षेत्र को और अधिक हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से कियास गया था। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा नारियल, बांस और अशोक के पौधे लगाए गए और गतिविधि में गहरी दिलचस्पी ली।

प्राचार्य एलजी लोबो ने उपस्थित छात्रों को वनों की कटाई, प्रदूषण और वैश्विक तापन के हानिकारक प्रभावों का मुकाबला करने के लिए पौधे लगाने की इस गतिविधि की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि वे न केवल अपने आसपास की कालोनियों, इलाकों में पौधे लगाएं, बल्कि इसकी देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कई देशों के बीच हिंसा और युद्ध की वर्तमान स्थिति और जंगलों तथा हरियाली के विनाश को देखते हुए दुनिया के अन्य हिस्सों में पौधों को प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों में आस्कर, दक्ष, काव्या, आंचल, ट्विंकल, अरविंद, रोहित, देविका, लवली, नैना और सानिल शामिल थे। बच्चों का मार्गदर्शन रोटरी इंटरेक्ट क्लब प्रभारी स्वामी पांडे और मिस पूजा ने किया।

ग्रामीण बच्चों के लिए तीन दिवसीय कंप्यूटर अवेयरनेस वर्कशॉप आयोजित

जबलपुर। बडेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट ने संस्थानिक सामाजिक दायित्व की गतिविधि के अंतर्गत ग्रामीण बच्चों के लिए तीन दिवसीय कंप्यूटर अवेयरनेस वर्कशॉप- टेक उड़ान का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी और उसकी कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। सभी बच्चों को इस कार्यशाला में बहुत कुछ सीखने को मिला। बच्चे बिनेकी, सूखा एवं नुनसर गाँव से आए थे, जिन्हें संस्थान के ही कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान के चेयरमैन सौरभ बडेरिया ने प्रशिक्षणार्थी छात्रों की प्रशंसा एवं सराहना की। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री, एचआर हेड डॉ. निहारिका यादव, डॉ आकांक्षा शुक्ला ने सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

कॉलेज चलो अभियान योजना

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 'कॉलेज चलो अभियान' योजना का क्रियावयन किया जा रहा है। प्रो. अरुण शुक्ल, नोडल अधिकारी "कॉलेज चलो अभियान" ने बताया कि योजना का मुख्य उददेश्य है कि 12वीं के पश्चात विद्यार्थी उच्च शिक्षा से जुडे। इस हेतु जिले के सभी महाविद्यालयों में कॉलेज चलो अभियान के सफल संचालन हेतु समिति का गठन किया गया है। समिति के सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले हायर सेकेण्डरी विद्यालयों एवं क्षेत्रों में जाकर 12वीं के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को महाविद्यालय में चल रही विभिन्न शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्ति, ऑनलाईन ई-प्रवेश प्रकिया की जानकारी दी जा रही है।

जबलपुर महिला नागरिक सहकारी बैंक में सशक्त महिलाओं की महासभा संपन्न

जबलपुर। जबलपुर महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या. में 28 जून को 29वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष निधि पांडेय ने बताया कि बैंक से छोटे-छोटे लघु एवं कुटीर उद्योगों के लिए ऋण लेकर महिलाएं अपने परिवार की जीविका चलाने में सहभागिता निभाकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। सभा में ऐसी महिलाओं का स्वागत किया गया। सभा में उपाध्यक्ष शोभिता दुबे, प्रभा ठाकुर, नूतन पांडेय, साधना तिवारी, शमशाद बेगम, अंजली यादव, मल्लिका पॉल, कमला अवस्थी, भूमिका अलवानी, सरस्वती चड़ार, सरोज पांडेय, प्रेमलता त्रिपाठी, सुनयना गुप्ता, सुरेखा डेविड, रागिनी शर्मा, मेहरुनिशा बेगम, सुनीता तिवारी, प्रभा साहू, पूनम चौबे, शिल्पी सेन, स्नेहलता सोनी, आभा शुक्ला, पिंकी पटेल, रेखा ठाकुर, नेहा नेमा, पूर्व सीईओ तुषारकांति चटर्जी, पूर्व संघ कार्यकर्ता यशवर्धन पाठक, एड. अशोक तिवारी, एसके गुप्ता एवं आल्विन मनोहर डेविड इत्यादि ने सहकारिता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। आमसभा में पत्रिका का विमोचन किया गया एवं वरिष्ठ नागरिकों को बैंक द्वारा 8 से 8.50 प्रतिशत ब्याज देने की जानकारी दी गई। बैंक के अंशधारियों को आठ प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की गई। बैंक स्टॉफ की संगीता उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वाल्मीकि समाज का सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन आज

जबलपुर। वाल्मीकि समाज जबलपुर द्वारा सामाजिक एकता, सादगी और संस्कारों को बढ़ावा देने हेतु एक भव्य सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन का आयोजन 29 जून को रामलीला मैदान सदर जबलपुर में किया गया है। इस आयोजन के माध्यम से समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूकता फैलाने और विवाह को सरल, सुलभ एवं सादगीपूर्ण बनाने का संदेश दिया जा रहा है। सम्मेलन में सात जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री, विधायकगण उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर रूपकिशोर चौहान अध्यक्ष, दिनेश मछंदर, राजेन्द्र पथरोल, बलराम वाल्मीकि, धर्मदास बघेल, गोविंद डागौर, राजेश मट्टू, जीत महरोलिया, रविकांत डागौर, दिलीप परोचे, गौतम गिल, संध्या चौहान, दया डागौर, शकुन कछवाहा सहित अन्य ने उपस्थिति की अपील की है।

कानून के प्रति व्यक्ति को जागरूक बनाना विधिक साक्षरता शिविर का उद्देश्यः न्यायाधीश श्रीमती शंभावी सिंह

पाटन। तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नगर के तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत न्यायमूर्ति श्रीमती अमृता मिश्रा (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन) व न्यायमूर्ति श्रीमती शंभवी सिंह (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन) व प्राचार्य सी. एस. ठाकुर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। न्यायाधीश श्रीमती शांभवी सिंह ने अपने उद्बोधन में कानून एवं मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करना विधिक साक्षरता क्लब का उद्देश्य बताया। उनके अनुसार जब तक व्यक्ति को अपने अधिकारों और कानून का बोध नहीं होगा वह अपने विरुद्ध हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकेगा। वही न्यायमूर्ति श्रीमती अमृता मिश्रा तिवारी ने देश के कोने-कोने तक जागरूकता पहुंचाना इस शिविर का लक्ष्य बताया। उन्होंने बताया कि आज भी एक बड़ा जन समुदाय कानून एवं अपने अधिकारों की जानकारी से वंचित है। ऐसे लोगों को न्यायिक जानकारी प्रदान करना जिससे वह शासन द्वारा प्रदत सभी योजनाओं का लाभ ले सकें और उन्नत जीवन जी सकें साथ ही न्याय तक भी उनकी पहुँच सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम मे उपप्राचार्य सुजीत सिंह, शिक्षक अनिल पटेल, जसपाल सिंह ठाकुर, धनंजय प्यासी, हेमंत शर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, कमलेश नामदेव, देविदीन पटेल, आकांक्षा सिंघाई, सृष्टि तिवारी, आकांक्षा मैम, रुचि शर्मा, प्रिया तिवारी व अन्य उपस्थित रहे।

श्री गुलाब सिंह दुबे- सहकारी बैंक पाटन से सेवा निवृत्त लेखपाल पंडित गुलाब सिंह दुबे का निधन हो गया। उनकी अंतिम संस्कार गाड़ाघाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता पटेल- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री गोविंद सिंह पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती ममता पटेल (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश खत्री- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री राजेश खत्री (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम प्रसाद अहिरवार- गोरखपुर लोधी मोहल्ला निवासी श्री राम प्रसाद अहिरवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री राजकुमारी झा- साहू मोहल्ला कांचघर निवासी श्री प्रभुदयाल झा की पुत्री सुश्री राजकुमारी झा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रघुवीर प्रसाद कठेरिया- कछियाना लालमाटी निवासी श्री रघुवीर प्रसाद कठेरिया (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई साहू- राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री सोमनाथ साहू की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई साहू (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री वीरेंद्र अवस्थी- शारदा विहार कॉलोनी करमेता निवासी श्री वीरेंद्र अवस्थी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नीलेश डुमार- कांचघर दीपक डेयरी के पीछे निवासी श्री नीलेश डुमार (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आशा देवी दीक्षित- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री मदन मोहन दीक्षित की धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी दीक्षित (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा देवी गिरी- रांझी भगतसिंह वार्ड निवासी श्री दया शंकर गिरी की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी गिरी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री चंद्रिका प्रसाद झा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री चंद्रिका प्रसाद झा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती फुल्ला बाई अहिरवार- रामपुर निवासी श्री मनमोहन अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती फुल्ला बाई अहिरवार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री रमाकांत सिंह गौतम- अधारताल धनी कुटिया के पास निवासी श्री रमाकांत सिंह गौतम (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिगम्बर विनायक आचार्य- सुंदर विहार पोलीपाथर बादशाह हलवाई मंदिर के पास निवासी श्री दिगम्बर विनायक आचार्य (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
न्यूनतम साइज 40/- प्रति कॉलम से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

राज्य शिक्षक संघ ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सिर्फ शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस योजना स्वीकार नहीं

सिहोरा। ई अटेंडेंस योजना लागू करना है तो इसे केवल शिक्षक संवर्ग के लिए ही क्यों ?क्या प्रदेश में केवल शिक्षक ही शासकीय कर्मचारी है। ई अटेंडेंस योजना को शिक्षक के सम्मान पर प्रश्नचिन्ह बताते हुए राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि सरकार इस योजना को एक साथ सभी विभागों में लागू करे, शिक्षक इसमें बढ़-चढ़कर सहभागिता करेगा। राज्य शिक्षक संघ के आह्वान पर आज प्रांत व्यापी प्रदर्शन के तहत सिहोरा में भी सैकड़ो की संख्या में शिक्षकों ने एकत्र होकर मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार जयभान सिंह उईके को ज्ञापन सौपा। अपने ज्ञापन में शिक्षकों ने कहा कि वह मध्य प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्र में अग्रणी स्थान के लिए सतत प्रयत्नशील हैं । इस वर्ष का शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम प्राइवेट स्कूलों से बेहतर आना इस बात का प्रमाण है कि शिक्षक पूर्ण मनो योग से बेहतर कार्य कर रहा है। ऐसी दशा में ऐसे अनुकूल वातावरण में ऐसी अटेंडेंस जैसी अपमानजनक योजना को लागू करना शिक्षक को हतोत्साहित करता है। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की कि मध्य प्रदेश के समस्त विभागों में एक साथ ही अटेंडेंस योजना प्रारंभ करें। ज्ञापन सौंपते समय संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी प्रांतीय सदस्य नरेंद्र खंपरिया, तहसील अध्यक्ष अरविंद उपाध्याय, सचिव रवि प्रकाश दुबे, प्रदीप प्यासी, समीर गुप्ता, मुकेश मेहरा, प्रमोद नामदेव, धनेश्वर परोहा, अनिल खरे, दीप चंद तंतुवाय, सतीश मिश्रा, रामजी पटेल, प्रकाश पांडे, सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, **KABITA NATH** is legally Mother of No **JC- 388202A** Rank **SUB** Name **SUDIP NATH** presently, residing at **VILL-SUBHASH NAGAR, PO-KANCHANPUR, TEH-KANCHANPUR, DISTT-NORTH TRIPURA (TRIPURA)-799270** I, have changed of my date of birth from **01/07/1961** (date of birth as per my **SON,** Army service records) to **01/01/1964** (date of birth as per my **AADHAR CARD NO. 8319 1647 9107** vide affidavit dated **19/06/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT. JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1964
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1961

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, **SUBHASH CHANDRA NATH** is legally Father of No **JC-388202A** Rank **SUB** Name **SUDIP NATH** presently, residing at **VILL-SUBHASH NAGAR, PO-KANCHANPUR, TEH-KANCHANPUR, DISTT-NORTH TRIPURA (TRIPURA)-799270** I, have changed of my date of birth from **01/07/1958** (date of birth as per my SON, Army service records) to **01/01/1958** (date of birth as per my **AADHAR CARD NO. 9573 7897 1006** vide affidavit dated **19/06/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1958
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1958

स्मॉलकैप कंपनियां फिर उड़ान भरने को तैयार, दे सकती है अच्छा मुनाफा

● लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाकर लगाएं पैसा ● पिछले माह निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 14.7% में तेजी ● अब स्मॉलकैप में निवेश का हो सकता है सही वक्त ● 74% स्मॉलकैप कंपनियों की ऑपरेशनल एफिशिएंसी बेहतर

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

बाजार के परिदृश्य को देखते हुए स्मॉलकैप कंपनियां एक बार फिर उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। ये कंपनियां लंबी अवधि में निवेशकों को अच्छा मुनाफा दे सकती हैं। जो लोगों को मालामाल कर देगीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने भारतीय शेयर बाजार में स्मॉलकैप शेयरों ने जबरदस्त तेजी दिखाई, जबकि निफ्टी 50 केवल मामूली बढ़ा। मार्च तिमाही के नतीजों से पता चला कि 74% स्मॉलकैप कंपनियों की ऑपरेशनल एफिशिएंसी बेहतर हुई है। 'चाइना प्लस वन' स्ट्रेटजी से भी स्मॉलकैप कंपनियों को नई उड़ान मिल रही है, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए सुनहरा मौका है। पिछला महीना भारत की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अच्छा रहा। वैश्विक चुनौतियों और सीमा-पार तनावों के बावजूद मई महीने में भारतीय शेयर बाजारों ने तेज रिकवरी दिखाई। शेयर बाजारों में जहां एक ओर लार्जकैप इंडेक्स सीमित दायरे में घूमते रहे, वहीं असली हलचल स्मॉलकैप शेयरों में दिखी। ये छोटी कंपनियां उन निवेशकों के लिए सुनहरा मौका बन रही हैं, जो लंबी अवधि के लिए पोर्टफोलियो बनाना चाहते हैं।

स्मॉलकैप कंपनियों की विशेषताएं

- **उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न :** स्मॉलकैप कंपनियों में निवेश करने से उच्च रिटर्न मिल सकता है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है क्योंकि इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित हो सकता है।
- **नए और छोटे व्यवसाय :** स्मॉलकैप कंपनियां अक्सर नए और छोटे व्यवसाय होते हैं जो अपने उत्पादों या सेवाओं को बाजार में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।
- **विकास की गुंजाइश :** स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की गुंजाइश अधिक होती है, जिससे निवेशकों को आकर्षित किया जा सकता है।
- **कम तरलता :** स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों में तरलता कम हो सकती है, जिससे निवेशकों को अपने शेयर बेचने में कठिनाई हो सकती है।

स्मॉलकैप कंपनियां वे होती हैं जिनका मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होता है, आमतौर पर ये नए या छोटे व्यवसाय होते हैं, जिनमें विकास की गुंजाइश अधिक होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। सेबी के अनुसार, स्मॉलकैप कंपनियां वे होती हैं जो मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में 251वें स्थान से नीचे आती हैं।

बढ़ रहा रिटर्न

मार्च तिमाही के नतीजों के बाद एक अहम ट्रेंड सामने आया- टॉप 250 स्मॉलकैप कंपनियों में से 74% का रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉइड दो अंकों में रहा। इसका मतलब यह है कि ये कंपनियां न केवल मुनाफा कमा रही हैं, बल्कि इनकी ऑपरेशनल एफिशिएंसी भी बेहतर हो रही है। इससे निवेशकों में स्मॉलकैप के प्रति भरोसा पैदा होगा और एक बार फिर निवेशक इन फंडों में निवेश कर अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकेंगे।

स्मॉलकैप में निवेश का बढ़ता मौका

फिलहाल देखा जाए तो वैल्यूएशन की दृष्टि से बाजार में अभी एक अच्छा मौका है। बहुत सारे छोटे कंपनियों के शेयर अपने असली दाम से काफी सस्ते मिल रहे हैं। इसका मतलब है कि आप अच्छे बिजनेस वाले शेयर कम कीमत में खरीद सकते हैं। स्मॉलकैप शेयरों को ज्यादा जोखिम और ज्यादा मुनाफा वाली प्रोफाइल के लिए जाना जाता है, इसलिए इन्हें अक्सर कम रिस्क लेने वाले निवेशकों की पोर्टफोलियो में नजरअंदाज किया जाता रहा है, लेकिन अब इस सोच में बदलाव आ रहा है। जब बाजार में उतार-चढ़ाव कम हो रहा है, तो निवेशकों का रुख भी पॉजिटिव हो रहा है और वे ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं। यह बदलाव व्यापक सूचकांकों में भी दिखा है। जहां पिछले महीने निफ्टी 50 ने केवल 2.6% की मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 ने प्रभावशाली 14.7% की तेजी दिखाई है।

लंबी अवधि में जबरदस्त मुनाफे के मौका

स्मॉलकैप यानी छोटी कंपनियों के शेयर, लंबे समय में बहुत अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। पिछले 7 सालों में इन कंपनियों ने औसतन हर साल करीब 27.6% का मुनाफा दिया है, जो बड़ी कंपनियों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। इन कंपनियों का दायरा भी काफी बड़ा होता है। ये बैंकिंग, हेल्थकेयर, एफएमसीजी और पावर जैसे कई सेक्टरों में ये फैली होती हैं। इसका मतलब है, आपको निवेश के लिए अलग-अलग इंडस्ट्री में मौके मिलते हैं।

'चाइना प्लस वन' स्ट्रेटजी से स्मॉलकैप कंपनियों को नई उड़ान

ग्लोबल स्तर पर देखें तो भारत को 'चाइना प्लस वन' स्ट्रेटजी का बड़ा फायदा मिल रहा है। इस स्ट्रेटजी के तहत कई मल्टीनेशनल कंपनियां अपनी मैन्युफैक्चरिंग भारत की तरफ शिफ्ट कर रही हैं। इससे देश में इंडस्ट्रियल ग्रोथ तेज होगी और खासतौर पर स्मॉलकैप मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को स्केलेबिलिटी और विस्तार का बड़ा मौका मिलेगा। आज के बदलते बाजार में स्मॉलकैप शेयर निवेशकों को एक अलग तरह का एक्सपोजर देते हैं। जहां कम कीमत पर निवेश के साथ कमाई की बड़ी संभावना होती है जो लोग लंबी अवधि के लिए निवेश सोच रहे हैं और थोड़ा रिस्क लेने को तैयार हैं, उनके लिए यह वक्त स्मॉलकैप में निवेश बढ़ाने और पोर्टफोलियो को मजबूत करने का सही मौका है।

ज्यादा रिटर्न के लिए लोग रिस्क लेने को तैयार, एमएफ में बढ़ रहा निवेश का क्रेज

ऑप्शन

बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई के इस जमाने में लोग निवेश के नए-नए विकल्प खोज रहे हैं। निवेशकों में बैंक एफडी का क्रेज घटता जा रहा है। यही कारण है कि बैंक एफडी की लोकप्रियता काफी कम हो रही है। भारतीय लोग अब बैंक में पैसे जमा करने के बजाय दूसरी जगहों पर निवेश कर रहे हैं। आजकल लोगों के बीच में म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसी जगह निवेश के लिए ज्यादा पॉपुलर हो रही हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन जगहों पर बैंक से ज्यादा फायदा मिल रहा है। यह जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चली है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लोगों की बैंक टर्म डिपॉजिट्स (एफडी, आरडी) में हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2020 के अंत में 50.54% थी। वित्त वर्ष 2025 के अंत में यह घटकर 45.77% हो गई। इसका मतलब है कि लोग अब बैंकों में पहले जितना पैसा जमा नहीं कर रहे हैं। वे निवेश के दूसरे विकल्पों पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं। चूंकि इन विकल्पों में उन्हें एफडी से ज्यादा लाभ मिल रहा है जो महंगाई को मात देने में सक्षम है। अब लोग लंबी अवधी के लिए एसआईपी के जरीये और शेयर बाजार में निवेश को ज्यादा महत्व दे रहे है। महंगाई के दौर को देखते हुए लोग अब ज्यादा रिस्क लेने को भी तैयार हैं, ताकि भविष्य के लिए कम समय में अच्छा पैसा एकत्र कर सकें। इसलिए भी निवेशकों में फिक्स डिपोजिट यानी बैंक एफडी का क्रेज घटता जा रहा है।

ब्याज दरों में हुआ बदलाव

जानकारों का कहना है कि इस दौरान ब्याज दरों में बदलाव हुआ है। रिजर्व बैंक ने कोविड महामारी के दौरान मार्च 2020 से मई 2022 के बीच प्रमुख रेपो दर को 115 बेसिस पॉइंट्स (1.15 प्रतिशत अंक) तक कम कर दिया था। फिर बाद में इसे 225 बेसिस पॉइंट्स तक बढ़ा दिया। हाल ही में, रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को कम करना शुरू कर दिया है। उसने फरवरी में 25 बेसिस पॉइंट्स, अप्रैल में 25 बेसिस पॉइंट्स और इस महीने की शुरुआत में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है। कुल मिलाकर, ब्याज दरें 1 प्रतिशत कम हो गई हैं। इससे भी लोगों में एफडी के प्रति रुझान कम हुआ है और लोगों ने एफडी की बजाय एसआईपी में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है।

म्यूचुअल फंड में बढ़ी हिस्सेदारी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि बचत जमा में व्यक्तियों की हिस्सेदारी पिछले पांच सालों में लगभग 77% पर स्थिर रही है। इसका मतलब है कि लोग अभी भी बचत खाते में पैसा रख रहे हैं। वे म्यूचुअल फंड में भी खूब निवेश कर रहे हैं। अप्रैल तक 23 करोड़ म्यूचुअल फंड अकाउंट्स में से 91% खाते व्यक्तियों के हैं। मई 2021 में यह आंकड़ा 10 करोड़ से थोड़ा ही ज्यादा था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

अलग-अलग कर रहे बचत

रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों के एक रिसर्च पेपर के अनुसार, भारतीय परिवारों की वित्तीय बचत के पोर्टफोलियो में बदलाव देखा गया है। इसका मतलब है कि लोग अब अपनी बचत को अलग-अलग जगहों पर लगा रहे हैं। बैंकों में जमा की हिस्सेदारी समय के साथ कम हुई है, जबकि इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा है। वही लोग शेयर बाजार, गोल्ड और सिल्वर में भी निवेश को बढ़ावा देने लगे हैं।

गिरावट का कारण यह भी

एक बड़े बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि जमा में गिरावट का कारण यह है कि लोगों की बचत कम हो रही है और वे शेयर बाजार जैसे अन्य

● अब कम हो रहा बैंक एफडी का क्रेज, निवेश के नए ऑप्शन ढूंढ़ रहे लोग

● अब लोग बैंक में पैसे जमा करने के बजाय म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश कर रहे

● यहां उन्हें ज्यादा फायदा लाभ मिल रहा, एसआईपी के जरिये निवेश ज्यादा पॉपुलर

निवेश विकल्पों में ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। म्यूचुअल फंड के प्रबंधन के तहत संपत्ति 30 अप्रैल को बढ़कर 69.50 लाख करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2020 के अंत में यह 22.26 लाख करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में लोगों का निवेश बहुत तेजी से बढ़ा है। एक अन्य बैंक के अर्थशास्त्री ने कहा कि यह बाजार की वजह से है, लेकिन जरूरी नहीं कि जनसांख्यिकी के कारण हो।

रिस्क ले रहे लोग

दिसंबर 2024 में रिजर्व बैंक के एक पेपर में कहा गया था कि बचत करने वालों का तरीका बदल रहा है। साल 2022 में 17.8% भारतीय परिवारों ने जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश किया था। वहीं साल 2019 में यह आंकड़ा 15.7% था। जोखिम वाली संपत्तियां मतलब ऐसी जगहें जहां पैसा डूबने का खतरा होता है, जैसे कि शेयर बाजार।

क्या है एफडी में निवेश

एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) में निवेश एक प्रकार का निवेश है जिसमें आप एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे को बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान में जमा करते हैं और बदले में एक निश्चित ब्याज दर प्राप्त करते हैं।

- निश्चित आय: एफडी में निवेश करने से आपको एक निश्चित आय प्राप्त होती है जो आपके पैसे को बढ़ाने में मदद करती है।
- जोखिम मुक्त: एफडी में निवेश जोखिम मुक्त होता है क्योंकि आपका पैसा बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान के पास जमा होता है।
- लिक्विडिटी: एफडी में निवेश करने से आपको अपने पैसे को आवश्यकता पड़ने पर निकालने की सुविधा होती है, हालांकि इसमें कुछ शर्तें और जुर्माना हो सकता है।
- कर लाभ: एफडी पर ब्याज आय पर कर लगता है, लेकिन कुछ प्रकार के एफडी जैसे कि टैक्स सेवर एफडी पर कर लाभ मिलता है।

एसआईपी में निवेश के लाभ

- एसआईपी में निवेश एक प्रकार का निवेश है जिसमें आप नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि का निवेश म्यूचुअल फंड में करते हैं।
- नियमित निवेश: एसआईपी में निवेश करने से आपको नियमित अंतराल पर निवेश करने की आदत पड़ती है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी में निवेश करने से आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ मिलता है, जिससे आपको बाजार की उतार-चढ़ाव से बचने में मदद मिलती है।
- लंबी अवधि का निवेश: एसआईपी में निवेश करने से आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने का अवसर मिलता है, जिससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है।
- विविधीकरण: एसआईपी में निवेश करने से आपको विभिन्न प्रकार के म्यूचुअल फंड में निवेश करने का अवसर मिलता है, जिससे आपको अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद मिलती है।

पांच साल के रिटर्न चार्ट पर स्मॉलकैप फंड सबसे आगे

टॉप 25 में 13 स्कीम ने 33 से 38% सालाना मिला रिटर्न दिया, म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी हाई रिटर्न का बेहतर विकल्प है, निवेश के लिए लक्ष्य कम से कम 5 से 7 साल का रखना होना जरूरी

रिटर्न

बिजनेस डेस्क

यदि आप भी निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कअेगरी आपके लिए निवेश का बढ़िया विकल्प साबित हो सकती है। इसके लिए आपको थोड़ा सयंम के साथ निवेश का लक्ष्य तय करना होगा। इस श्रेणी में अच्छा रिटर्न लेने के लिए आपको निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 से 7 साल को लेकर चलना होगा। फाइनेंशियल एडवाइजर्स की यह सलाह रिटर्न चार्ट देखकर बिल्कुल सही साबित होती है। बीते 5 साल या 60 महीनों के दौरान रिटर्न के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले म्यूचुअल फंड स्कीम पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने बाजी मार ली है। 5 साल के टॉप 25 स्कीम में 13 स्कीम स्मॉलकैप फंड कैटेगरी की हैं, जिनमें 33 से 38 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिल रहा है। 5 साल में 38 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न से कैलकुलेशन करें तो यह रिटर्न करीब 5 गुना होता है। यानी 38 फीसदी सीएजीआर रिटर्न वाली स्कीम ने 5 साल में निवेशकों का पैसा 5 गुना बढ़ा दिया। वहीं, 33 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न से कैलकुलेशन करें तो यह करीब 4 गुना रिटर्न होगा। इसका मतलब है कि 33 फीसदी सीएजीआर रिटर्न वाली स्कीम ने 5 साल में निवेशकों का पैसा 4 गुना बढ़ा दिया।

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड टॉपर

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड 5 साल में 38 फीसदी सीएजीआर रिटर्न के साथ न सिर्फ स्मॉलकैप कैटेगरी का बल्कि ओवरआल भी टॉपर रहा है। इस फंड ने 5 साल में 1 लाख का निवेश 5 लाख रुपये बना दिया। इसके बाद बेहतर प्रदर्शन करने वाली टॉप 5 में शामिल अन्य स्कीम बंधन स्मॉलकैप फंड ने 37.32% एनुअलाइज्ड रिटर्न, बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड ने 36% एनुअलाइज्ड रिटर्न, इडेलवाइस स्मॉलकैप फंड ने 35.50% एनुअलाइज्ड रिटर्न और एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड ने 35.35% रिटर्न दिया है।

ये हैं 5 साल के टॉप 13 फंड

1. **निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड : 38%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.50% सालाना रहा है. फंड का लेटेस्ट एयूएम 63,007 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.65% है।
2. **बंधन स्मॉलकैप फंड : 37.32%**
   ये स्कीम 25 फरवरी 2020 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 35.23% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 11,744 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.39% है।
3. **बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड : 36%**
   ये स्कीम 19 दिसंबर 2018 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 28.40% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 1,819 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.53% है।
4. **इडेलवाइस स्मॉलकैप फंड : 35.50%**
   ये स्कीम 7 फरवरी 2019 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 27.84% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 4,580 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.43% है।
5. **एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड : 35.35%**
   ये स्कीम 12 मई 2014 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 21.12% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 16,061 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.63% है।
6. **टाटा स्मॉलकैप फंड : 35%**
   ये स्कीम 12 नवंबर 2018 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.31% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 10,529 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.34% है।
7. **इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड : 35%**
   ये स्कीम 30 अक्टूबर 2018 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.74% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 6,823 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.44% है।
8. **केनरा रोबोको स्मॉलकैप फंड : 34.80%**
   ये स्कीम 15 फरवरी 2019 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.64% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 12,368 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.47% है।
9. **एचडीएफसी स्मॉलकैप फंड : 34.33%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 20% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 34,032 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.73% है।
10. **कोटक स्मॉलकैप फंड : 33.55%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 20.26% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 17,329 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.55% है।
11. **आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड : 33.17%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 17.84% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 8,254 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.73% है।
12. **सुंदरम स्मॉलकैप फंड : 33%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 18.72% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 3,311 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.86% है।
13. **एलआईसी एमएफ स्मॉलकैप फंड : 32.65%**
   ये स्कीम 21 जून 2017 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 16.13% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 576 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.92% है।

फाइनेंशियल एडवाइजर्स भी बोले, लक्ष्य तय कर लंबी अवधि के लिए निवेश करें, निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड 5 साल में 38 फीसदी सीएजीआर रिटर्न के साथ टॉपर

कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो अपनाएं म्यूचुअल फंड्स ट्रेप्स का फंडा

» ट्रेप्स के जरिये कर सकते हैं अच्छी कमाई, हर निवेशक रखे जानकारी

» यह टूल न तरलता को आसानी से मैनेज करने में मदद करता है

» यह रिटर्न भी बढ़ाता है और पोर्टफोलियो को भी मजबूत बनाता है

» एफएफ के लिए बेहतर रिटर्न, सुरक्षित निवेश और शानदार लिक्विडिटी

» ट्रेप्स में एक पार्टी ट्रेजरी बिल्स को दूसरी पार्टी को बेचती है

जानकारी

बिजनेस डेस्क

क्या म्यूचुअल फंड्स को कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न मिल सकता है? तो इसका जवाब है हां! ट्रेप्स (ट्रेजरी बिल्स रीपरचेज) नाम के स्मार्ट टूल से म्यूचुअल फंड्स अपनी लिक्विडिटी को मैनेज करते हुए रिटर्न बढ़ाते हैं और पोर्टफोलियो को मजबूत बनाते हैं। ये टूल उन्हें न सिर्फ अपनी तरलता को आसानी से मैनेज करने में मदद करता है, बल्कि रिटर्न भी बढ़ाता है और पोर्टफोलियो को भी मजबूत बनाता है। ट्रेप्स की मदद से म्यूचुअल फंड्स सरकार की सिक्योरिटीज़ का सहारा लेते हुए शॉर्ट-टर्म में फंड्स खरीदने और बेचने का काम कर सकते हैं। तो चलिए, जानते हैं कि ट्रेप्स कैसे काम करता है और ये क्यों म्यूचुअल फंड्स के लिए एक शानदार टूल है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि यह सरकारी सिक्योरिटीज पर बेस्ड शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट का तरीका कैसे काम करता है और आपके निवेश को कैसे बेहतर बना सकता है।

ट्रेप्स यानी 'ट्रेजरी बिल्स रीपरचेज' एक शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट का तरीका है, जो निवेशकों को इस्तेमाल ना होने वाले पैसों से रिटर्न कमाना में मदद करता है। इसे खासतौर पर बैंक, फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन और म्यूचुअल फंड्स इस्तेमाल करते हैं, ताकि वो अपनी कमाई को बढ़ा सकें। ट्रेप्स में एक पार्टी ट्रेजरी बिल्स को दूसरी पार्टी को बेचती है और फिर एक तय तारीख और कीमत पर इन्हें वापस खरीदने का समझौता करती है. ये लेन-देन सरकार की सिक्योरिटी से सुरक्षित होता है, इसलिए इसमें जोखिम कम होता है। मान लीजिए, किसी म्यूचुअल फंड के पास ज्यादा पैसा पड़ा है और वो उसे ऐसा निवेश करना चाहता है, जिसमें लिक्विडिटी बनी रहे। तब वो उस पैसे को ट्रेप्स के जरिए निवेश कर सकता है। इस तरीके से म्यूचुअल फंड को बिना पैसा जमा किए ही ब्याज मिल जाता है और उसकी लिक्विडिटी भी बनी रहती है।

म्यूचुअल फंड्स में कैसे काम करता है ट्रेप्स

मान लीजिए, किसी म्यूचुअल फंड को अचानक बड़े अमाउंट की जरूरत पड़ गई, जैसे कि कस्टमर्स के द्वारा पैसे निकालने के कारण। ऐसे में वह ट्रेप्स का इस्तेमाल कर सकता है। इससे उसे अपनी लंबी अवधि के इन्वेस्टमेंट्स को नुकसान में बेचने की जरूरत नहीं होती। ट्रेप्स सरकारी सिक्योरिटीज पर बेस्ड होते हैं, इसलिए ये काफी सुरक्षित माने जाते हैं। ट्रेप्स म्यूचुअल फंड्स के लिए एक शानदार तरीका है, जो उन्हें सेफ्टी, लिक्विडिटी और बेहतर रिटर्न्स का अच्छा संतुलन देता है।

ट्रेप्स के प्रमुख फायदे

- निवेशकों के लिए ज्यादा रिटर्न्स : जब बाजार में ब्याज दरें बढ़ी होती हैं, तो ट्रेप्स के जरिए म्यूचुअल फंड्स अपनी खाली पड़ी नकदी से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसमें वह उस फंड का इस्तेमाल करते हैं, जिसे वह उस समय शेयर मार्केट में निवेश नहीं करना चाहते हैं।
- नियमों का पालन : सेबी ने यह नियम बनाया है कि म्यूचुअल फंड्स को अपनी लिक्विड एसेट का एक हिस्सा ट्रेप्स में निवेश करना होगा। इससे निवेशकों को यह भरोसा मिलता है कि उनके पैसे सुरक्षित हैं और सभी नियमों का पालन हो रहा है।
- फास्ट लिक्विडिटी : ट्रेप्स की सबसे अच्छी बात यह है कि म्यूचुअल फंड्स को जल्दी से पैसा मिल जाता है। जब किसी को पैसे की जरूरत होती है, तो ट्रेप्स से वे जल्दी नकदी ले सकते हैं।

- डायवर्सिफिकेशन : म्यूचुअल फंड्स के पोर्टफोलियो को अलग-अलग प्रकार के निवेशों में बांटना जरूरी है, ताकि जोखिम कम हो। ट्रेप्स इस डायवर्सिफिकेशन में मदद करता है और म्यूचुअल फंड्स को बाजार की उतार-चढ़ाव से बचाता है।
- ट्रेप्स म्यूचुअल फंड्स के लिए एक बेहतरीन तरीका है, जो उन्हें ज्यादा रिटर्न्स, सुरक्षित पोर्टफोलियो और पैसे की सुरक्षा देता है।

ट्रेप्स की विशेषताएं

- अल्पकालिक निवेश : ट्रेप्स अल्पकालिक निवेश विकल्प है जिसमें निवेश की अवधि आमतौर पर कुछ दिनों से लेकर कुछ महीनों तक होती है।
- सरकारी समर्थन : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको सरकारी समर्थन मिलता है, जो इसे एक सुरक्षित निवेश विकल्प बनाता है।
- लिक्विडिटी : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको उच्च लिक्विडिटी मिलती है, जिससे आप अपने पैसे को आवश्यकता पड़ने पर निकाल सकते हैं।

ट्रेप्स के लाभ

- सुरक्षित निवेश : ट्रेप्स एक सुरक्षित निवेश विकल्प है क्योंकि इसमें सरकारी समर्थन होता है।
- निश्चित आय : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको निश्चित आय प्राप्त होती है।
- लिक्विडिटी : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको उच्च लिक्विडिटी मिलती है।

चीन के किंगदाओ (चिंगदाओ) शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का शिखर सम्मेलन 25 और 26 जून को आयोजित किया गया। एससीओ सम्मेलन में चीनी नेतृत्व में तैयार संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र नहीं होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। नतीजा यह हुआ कि एससीओ का संयुक्त घोषणा पत्र जारी नहीं हो सका। लेकिन इस सबमें जहां आतंकवाद को लेकर चीन का दोगलापन व पाक प्रेम फिर से उजागर हुआ, वहीं भारत का कड़ा रुख सामने आया। भारत ने चीन व पाकिस्तान समेत एससीओ सदस्य देशों को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली की जीरो टॉलरेंस की नीति है और एससीओ अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हो सकता है। एससीओ की प्रस्तावना में आतंकवाद के खिलाफ एकजुट लड़ाई की बात है। सबसे हैरान करने वाली बात है कि वो रूस एससीओ के चीनी संयुक्त घोषणा पत्र में भारतीय हितों की अनदेखी पर चुप रहा, जिसने इस समूह में भारत को शामिल कराने के लिए वकालत की थी। अभी भारत व पाक के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान भी अमेरिका व रूस के आचरण भारत की प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं रहे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत की विदेश नीति ठहर गई है? आजकल के ताजा अंक में पेश है एक विश्लेषण...

विदेश नीति में 'स्टैंड' लेने का वक्त

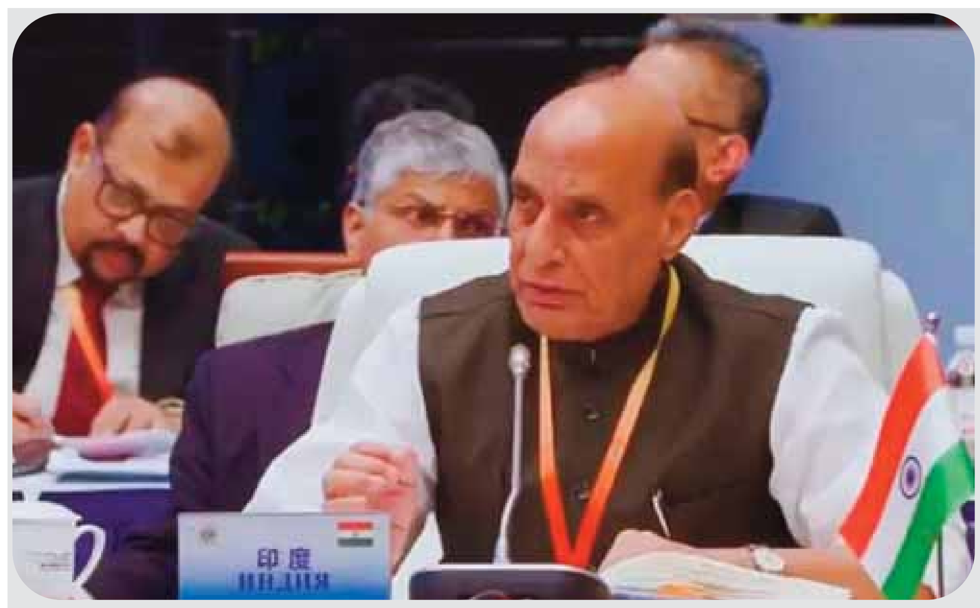

एससीओ सम्मेलन
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जब तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज की बाकायदा समीक्षा की गई तो उसको स्पष्टतया प्रतीत हुआ कि यह अत्यंत पक्षपातपूर्ण और असंतुलित तौर से तैयार किया गया है। भारत के मुताबिक इस दस्तावेज में विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण को पूरी तरह से नजरअंदाज करके उसे एकदम दरकिनार कर दिया गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लीडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। परिणामस्वरूप इस दफा एससीओ सम्मेलन कोई संयुक्त घोषणा पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) भी जारी नहीं कर सका।

चीन के किंगदाओ (चिंगदाओ) नगर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एक शिखर सम्मेलन 25 और 26 जून को आयोजित किया गया। एससीओ सम्मेलन में सदस्य देशों द्वारा एक संयुक्त वक्तव्य तैयार किया गया। संयुक्त वक्तव्य का मकसद निरूपित किया गया कि एससीओ देशों में संयुक्त सुरक्षा प्रबंधन, परस्पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक संयुक्त और कारगर रणनीति का ऐलान करना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जब तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज की बाकायदा समीक्षा की गई तो उसको स्पष्टतया प्रतीत हुआ कि संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज को अत्यंत पक्षपातपूर्ण और असंतुलित तौर से तैयार किया गया है। भारत के मुताबिक इस दस्तावेज में 11 मार्च को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जफर एक्सप्रेस के अपहरण कांड की वारदात का एक आतंकवादी वारदात के तौर पर बाकायदा उल्लेख किया गया है, लेकिन विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण को पूरी तरह से नजरअंदाज करके उसे एकदम दरकिनार कर दिया गया है।

संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर से इनकार

एससीओ सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लीडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस तैयार किए गए पक्षपातपूर्ण संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एससीओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है और वैश्विक आतंकवाद को किसी भी एक मुल्क के नजरिए से कदाचित देखा और परखा नहीं जा सकता। भारतीय रक्षा मंत्री ने स्पष्ट तौर पर फरमाया कि आतंकवादी वारदातों को कदापि नहीं रोका जा सकता, जब तक कि सभी आतंकवादी वारदातों को निष्पक्षता के साथ देखा और समझा नहीं जाएगा। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत का स्पष्ट नजरिया है कि पक्षपातपूर्ण रवैये और संकीर्णतापूर्ण राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण द्वारा वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध कामयाबी के साथ कोई भी सामूहिक संघर्ष कदापि अंजाम नहीं दिया जा सकता। इसी कारण से भारत ने संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज पर दस्तखत करने से साफ इनकार कर दिया। भारतीय रक्षा मंत्री एससीओ सम्मेलन में जब तकरीर कर रहे थे, उस वक्त पाकिस्तान के रक्षा मंत्री जनाब ख्वाजा मोहम्मद आसिफ सम्मेलन में विद्यमान थे। अतः भारत द्वारा संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत नहीं किए जाने के परिणामस्वरूप इस दफा एससीओ सम्मेलन कोई संयुक्त घोषणा पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) भी जारी नहीं कर सका। क्योंकि एससीओ चार्टर के प्रावधान के तहत सभी सदस्य देशों की संपूर्ण सहमति से ही कोई संयुक्त वक्तव्य और संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि एससीओ की स्थापना सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात 26 अप्रैल सन 1996 में चीन के शंघाई नगर में आयोजित एक सम्मेलन में की गई थी। इसमें रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान द्वारा शिरकत की गई थी। शंघाई सम्मेलन में संयुक्त तौर पर इन देशों द्वारा परस्पर सरहदी विवादों को निपटाया गया था। प्रारंभ में इस एससीओ ग्रुप को शंघाई फाइव के नाम से स्थापित किया गया था। भारत, ईरान, पाकिस्तान सन् 2005 से निरंतर एससीओ सम्मेलनों में पर्यवेक्षक देशों के तौर पर शिरकत करते रहे।

रूस का भारत को एकतरफा समर्थन नहीं

2017 में भारत और पाकिस्तान को एससीओ का सदस्य बनाया गया। 2019 में जब भारत ने आर्टिकल 370 को निरस्त किया, रूस ने भारत का प्रबल समर्थन किया। सन् 2023 एससीओ में ईरान को सदस्य बनाया गया। वस्तुतः नीतिगत और कूटनीतिक तौर से एससीओ पर चीन और रूस का निर्णायक प्रभाव कायम रहा है। परम्परागत तौर से रूस सदैव भारत का प्रबल रणनीतिक और कूटनीति पक्षधर देश रहा। एससीओ में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के उद्देश्य से ही रूस की पहल पर भारत को एससीओ में शामिल किया गया था। दुर्भाग्य से पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और प्रायोजित पहलगाम हत्याकांड के प्रतिशोध में भारतीय सेना द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर के दौर में रूस द्वारा भारत को एकतरफा समर्थन प्रदान नहीं किया गया। वरन रूस ने भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष में मध्यस्थता करने की पेशकश की। फरवरी 2022 से प्रारंभ हुए यूक्रेन-रूस युद्ध के दौर में भारत द्वारा रूस का एक तरफा समर्थन नहीं किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए भारत ने मध्यस्थता का प्रस्ताव पेश किया। रूस द्वारा भी भारत को कूटनीतिक प्रत्युत्तर देते हुए भारत का समर्थन करने के स्थान पर भारत-पाक युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश कर दी। एससीओ सम्मेलन में वस्तुतः चीन द्वारा संयुक्त वक्तव्य का दस्तावेज तैयार किया गया और रूस और अन्य सहयोगियों की सहमति ली गई। अतः चीन की पहल पर तैयार किए गए दस्तावेज में भारत पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण का तो कदाचित उल्लेख नहीं किया गया, किंतु बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस के अपहरण को आतंकवादी वारदात करार देकर, उसका बाकायदा उल्लेख किया गया। भारत के लिए कूटनीतिक तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है कि रूस पहले की तरह अब भारत का प्रबल पक्षधर प्रतीत नहीं हो रहा है।

पाक को चीन और रूस का सहारा

ऐसा प्रतीत होता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में रूस किसी हद तक चीन के रणनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव में आ चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के दौर में चीन वस्तुतः भारत का धुर विरोधी और पाकिस्तान का प्रबल समर्थक बनकर उभरा है। तकरीबन साढ़े तीन वर्ष से रूस-यूक्रेन युद्ध निरंतर जारी है। चीन द्वारा रूस को आधुनिकतम सैन्य हथियारों की निरंतर आपूर्ति की जा रही है। विश्व पटल पर एकदम अलग-थलग पड़े हुए पाकिस्तान को रूस और चीन दोनों का सहारा मिल रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परम मित्र करार दिए जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोलने पर उतारू हो गए हैं। यकीनन अघोषित तौर पर कोल्ड वार के नए दौर की शुरुआत हो चुकी है। अब विश्व दो परस्पर विरोधी सैन्य खेमों में विभाजित हो चुका है। गुट निरपेक्ष भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक परीक्षा का यह कठिन दौर है। विश्व पटल पर अत्यधिक संतुलनवादी विदेश नीति अपनाते हुए भारतीय कहीं अकेला तो नहीं पड़ रहा है? शिखर सम्मेलन में नौ सदस्य देशों ने शिरकत की। अफगानिस्तान और बेलारूस और मंगोलिया शिखर सम्मेलन में पर्यवेक्षक देश के तौर पर उपस्थित रहे। एससीओ सम्मेलन द्वारा वैश्विक आतंकवाद के ज्वलंत प्रश्न पर पाखंडपूर्ण और दोगली कार्य नीति और रणनीति अख्तियार करने के विरोध में भारत का समर्थन करने और साथ देने के लिए एक भी सदस्य मुल्क आगे नहीं आया। कैसी विचित्र विडंबना है कि पाकिस्तान सरीखा मुल्क जोकि दशकों से वैश्विक आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना रहा है, जिसकी सरजमीं पर जिहादी दहशतगर्दों के सरगना ओसामा बिन लादेन की परवरिश हुई और अलकायदा ने परवान चढ़कर सारी दुनिया में तबाही मचाई है। पहलगाम में नृशंस हत्याकांड अंजाम देने वाले रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा अपना गहरा ताल्लुक लश्कर तैयबा के साथ स्वीकारा है। लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है और जिसको सदैव पाकिस्तान ने पाला पोसा और उसकी तरबीयत की गई है। अब वह पाकिस्तान एससीओ की नजर में आतंकवाद का शिकार एक मुल्क बन गया है। भारत जो कि अनेक दशक से जिहादी आतंकवाद के नृशंस निशाने पर बना रहा है, उस भारत के गहरे ज़ख्मों को जानने और समझने के लिए एससीओ के सदस्य देश तैयार नहीं हैं।

गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने की कोशिश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा चीन जाकर एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने की एक उपलब्धि अवश्य हो गई है। इस अवसर पर भारत और चीन के मध्य कूटनीति की एक नई इबारत खुलती दिखाई दे रही है। राजनाथ सिंह और उनके समकक्ष चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के मध्य हुई बैठक में सीमा विवाद का समाधान, शांति बहाली और भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य करने को लेकर चार अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा के पुन प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई तो वहीं पाकिस्तान द्वारा समर्थित जिहादी आतंकवाद पर भारत ने चीन को दो-टूक पैगाम भी दे दिया। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैद्धांतिक रणनीति करार दिया और यह वक्तव्य ऐसे वक्त में आया जबकि एससीओ द्वारा संयुक्त दस्तावेज में वैश्विक आतंकवाद से जुड़े गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने की कोशिश की गई। उल्लेखनीय है कि इन दिनों भारत और चीन की सरहद पर देपसांग और डेमचौक इलाकों में डिसएंगेजमेंट डील को आखिरी रूप प्रदान किया जा रहा है। चीन और भारत के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात से पहले ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हो चुकी थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत अपनी सरहद पर शांति और सुरक्षा स्थापित करना चाहता है किंतु अपने बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ जाकर कदापि कोई समझौता नहीं करेगा। अब आगे देखना होगा कि विस्तारवादी फितरत का देश चीन चार पाइंट फार्मूले पर कितना अमल अंजाम देता है। वैश्विक पटल पर आज के बेहद मुश्किल दौर में भारत को अपनी विदेश नीति एवं कूटनीति पर क्या फिर से विचार नहीं करना चाहिए? वैश्विक सैन्य संघर्ष पर भारत की तटस्थ खामोशी भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए क्या घातक सिद्ध नहीं हो रही है? हमास बनाम इजरायल जंग में भारत का इजरायल के पक्ष में बयान आतंकवाद के खिलाफ भारतीय नीति का प्रतिफल था। गाजा पर हमास का शासन अवैध है, हमास एक आतंकी गुट है, इसलिए हमास के कृत्य का समर्थन संभव नहीं है। इसलिए जब भी संयुक्त राष्ट्र के पटल पर गाजा में युद्ध विराम करने के प्रस्ताव पेश किए गए, भारत ने मतदान का बॉयकॉट किया। अमेरिका की कयादत में नाटो सैन्य संगठन द्वारा वस्तुतः यूक्रेन को एक मोहरा बनाकर एक सैन्य युद्ध रूस पर थोप दिया गया। भारत द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध पर नाटो ताकत का विरोध ना करके केवल शांति का पैगाम और केवल फरमाया कि आज का दौर यूद्ध का नहीं है वरन विकास का दौर है। परिणाम क्या रहा कि विश्व पटल पर सबसे भरोसेमंद दोस्त रूस को भारत ने तकरीबन चीन के हाथों गंवा दिया है।

आतंकवाद पर चीन को भारत का सख्त संदेश

कूटनीति
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

संघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) सम्मेलन के जरिए भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ जमकर हमला बोला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ के संयुक्त बयान के ड्राफ्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार करके कड़ा संदेश दिया है कि आतंकवाद के मसले पर दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने संयुक्त बयान के ड्राफ्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह मसौदा भारत की आतंकवाद-विरोधी नीति और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण को कमजोर करता है। उन्होंने सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का नाम लिए बिना ही जमकर लताड़ लगाते हुए कहा कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, उन्हें उसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के जवाब में ही भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। आतंकवाद पर दोहरे मानदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि एससीओ के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले को जगह नहीं दी गई जबकि इसी संयुक्त बयान में पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस पर हुए हमले को भरपूर तवज्जो दी मिली है।

चीन-पाकिस्तान की मिलीभगत

मतलब साफ है कि यह कारस्तानी चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत से हुआ है। ऐसे में अगर भारत ड्राफ्ट के मौजूदा स्वरुप पर ऐतराज जताता है तो यह उचित ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मेजबान देश चीन और आतंकी देश पाकिस्तान दोनों को दो टूक सुना दिया कि जब तक संयुक्त बयान में आतंकवाद पर चिंता का जिक्र नहीं होगा, तब तक भारत को यह ड्राफ्ट स्वीकार नहीं होगा। गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एससीओ के मंच से आतंकवाद के मसले पर चीन-पाकिस्तान की कड़ी घेराबंदी की है। वर्ष 2024 में भी पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित एससीओ सम्मेलन में भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर ने बिना नाम लिए मेजबान देश पाकिस्तान को जमकर लताड़ा था। उन्होंने पाकिस्तान और चीन पर तंज कसते हुए कहा था कि एक अच्छे पड़ोसी के धर्म निभाए जाने की कमी है तो खुद के भीतर झांकने की जरूरत है। तब विदेशमंत्री जयशंकर ने चीन की महत्वाकांक्षी 'वन बेल्ट वन रोड' पहल का समर्थन करने से भी इनकार कर दिया था। उन्होंने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उसकी इजाजत के बिना किसी भी तरह का निर्माण उसकी संप्रभुता का उल्लंघन है और चीन ऐसा ही कर रहा है।

आतंकवाद पर दोहरा आचरण

चीन को समझना होगा कि जब तक वह आतंकवादी देश पाकिस्तान को प्रश्रय देना बंद नहीं करेगा, तब तक वह आतंकवाद के मसले पर फजीहत झेलता रहेगा। रही बात एससीओ के भविष्य की तो यह काफी कुछ इस पर निर्भर रहेगा कि आतंकवाद और क्षेत्रीय संप्रभुता के मसले पर

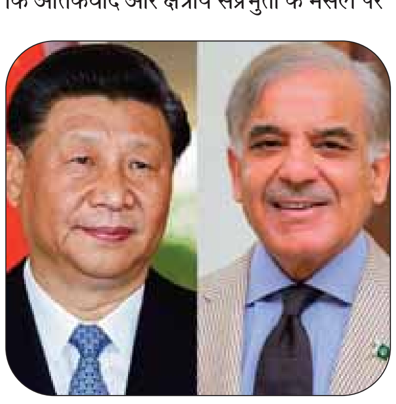

इस संगठन का रवैया क्या रहता है। वैसे हर बार की तरह इस बार भी सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा समेत कई मसलों पर चर्चा हुई। लेकिन आतंकवाद पर जिम्मेदार देशों के दोहरे आचरण से उनका असली चेहरा सामने आ गया। इस सम्मेलन के जरिए भारत एक बार फिर जिम्मेदार वैश्विक भूमिका में दिखा जिसकी चतुर्दिक सराहना हो रही है। यह भारत के पक्ष में जाता है और यही कारण है कि उसकी भूमिका बढ़ रही है। अगर एससीओ की भूमिका सकारात्मक रहती है तो भारत की प्रभावी भूमिका से इस क्षेत्र में उभर रही आतंकी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय खतरों, अवैध ड्रग कारोबार, जैसी चुनौतियों से निपटने और सदस्य देशों को गोलबंद करना आसान होगा। भारत की सदस्यता से पहले संगठन के सदस्य राष्ट्रों का कुल क्षेत्रफल 30 मिलियन 189 हजार वर्ग किमी और जनसंख्या तकरीबन 1.5 बिलियन था। अब भारत के जुड़ जाने से संगठन का क्षेत्रफल व जनसंख्या व्यापक हो गया है। आज की तारीख में यह संगठन विश्व की तकरीबन आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन बन चुका है। चूंकि इस संगठन ने संयुक्त राष्ट्र संघ के अलावा यूरोपिय संघ, आसियान, कॉमनवेल्थ और इस्लामिक सहयोग संगठन से भी संबंध स्थापित किए हैं। इस नाते भारत की भूमिका और अधिक व्यापक हो जाती है। गौर करें तो अभी तक एससीओ पर चीन का वर्चस्व रहा है, लेकिन अब भारत की अर्थव्यवस्था चीन के मुकाबले तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में संगठन में भारत की भूमिका और स्वीकार्यता दोनों बढ़ी है। इस कारण चीन के व्यापक प्रभाव में कमी और दृष्टिकोण में बदलाव आ रहा है। संघाई सहयोग संगठन के इतिहास में जाएं तो अप्रैल, 1996 में शंघाई में हुई एक बैठक में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान आपस में एक-दूसरे के नस्लीय और धार्मिक तनावों से निपटने के लिए सहयोग करने को राजी हुए। तब इस संगठन को शंघाई फाइव कहा गया। जून 2001 में चीन, रूस और चार मध्य एशियाई देशों कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं ने शंघाई संगठन सहयोग शुरू किया और धार्मिक चरमपंथ से निपटने के अलावा व्यापार व निवेश को बढ़ाने के लिए समझौता किया। शंघाई फाइव के साथ उज्बेकिस्तान के आने के बाद इस समूह को शंघाई सहयोग संगठन कहा गया। यह संगठन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसका कार्यालय बीजिंग में है और क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना ताशकंद में है। राज्य प्रमुखों की परिषद इस संगठन का सर्वोच्च निकाय है जिसकी प्रतिवर्ष बैठक होती है। इसके अलावा शासन प्रमुखों की परिषद (एचजीसी) की वार्षिक बैठक होती है। शंघाई सहयोग संगठन में 2008 से डायलॉग पार्टनर यानी वार्ताकार सहयोग की व्यवस्था की गयी है। 2009 के शिखर सम्मेलन में सबसे पहले श्रीलंका और बेलारुस को डायलॉग पार्टनर का दर्जा दिया गया।

बेहतर संबंधों की प्रतिबद्धता

अफगानिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन-अफगानिस्तान कांटेक्ट ग्रुप का हिस्सा है और इस ग्रुप की स्थापना 2005 में की गयी थी। इस संगठन की शिखर बैठकों में संयुक्त राष्ट्र, सीआईएस, यूरेशियन इकोनॉमिक कम्युनिटी एवं सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन यानी सीएसटीओ के प्रतिनिधि भी भाग लेते हैं। 2005 में कजाकिस्तान के आस्ताना में भारत के प्रतिनिधियों ने पहली बार शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लिया और सितंबर 2014 में एससीओ की सदस्यता के लिए आवेदन किया। भारत ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण करने के बाद हर सम्मेलन में यूरेशियाई धरती के लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहरायी। किंगदाओ सम्मेलन में भी भारत ने आतंकवाद पर सख्त संदेश देकर अपनी भावी-प्रभावी भूमिका स्पष्ट कर दी है।

चीनी कुटिलता का जवाब जरूरी था

एससीओ
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में पारित संयुक्त वक्तव्य में आतंक संबंधी भारत की चिंताओं को स्थान न मिलने और पहलगाम आतंकी घटना का उल्लेख न होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वक्तव्य पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के जो भी अंतिम एवं निर्णायक कार्यबिंदु निर्धारित किये गये थे, उनमें आतंक से पीड़ित भारत की व्यापक चिंताओं, वर्षों पुरानी समस्याओं और इस कारण शासन के सम्मुख उभरने वाली कठिनाइयों व चुनौतियों के बारे में कुछ भी वर्णित नहीं था।

स्वाभाविक था कि पहलगाम नरसंहार के ठीक दो माह बाद ही आयोजित इस सम्मेलन के अंतिम निष्कर्षजन्य प्रारूप में पहलगाम की घटना और इस आलोक में पाकिस्तानी आतंक को इंगित करने की दिशादृष्टि ही अदृश्य थी। राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत ने किंचित उचित निर्णय लिया है जो एससीओ सम्मेलन की बैठक की निर्णायक नीतियों पर सहमति दर्शाने हेतु हस्ताक्षर नहीं किये। वास्तव में एससीओ का गठन 2001 में हुआ था। तब चीन की दक्षिण एशियाई और दक्षिणी यूरोपीय व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए चीन के नेतृत्व में ही संघाई सहयोग संगठन की नींव रखी गई थी। भारत और पाकिस्तान तो इस संगठन के साथ ठीक 16 वर्ष बाद 2017 में जुड़े थे और 2023 में ईरान ने भी इसकी सदस्यता ग्रहण की थी।

भारत की राह अभी सुगम नहीं

ऐसे में स्वाभाविक है कि आतंकवाद के संबंध में परस्पर संघर्षरत भारत व पाकिस्तान की हितों के अनुसार एससीओ की कार्यकारी नीतियां निर्धारित होने की राह अभी सुगम नहीं है। संगठन के साथ जुड़ने के वरिष्ठता क्रम में भारत व पाकिस्तान दोनों ही देश संगठन के शेष देशों से 16 वर्ष पीछे हैं। ऐसे में भारत के अनुरूप आतंकवाद संबंधी भारतीय चिंताओं को इस संस्था के सामूहिक नीतिगत उद्देश्यों में प्राथमिकता मिलना कठिन प्रतीत होता है। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति सौभाग्य से अनुकूल है। एससीओ की स्थापना के 16 वर्ष तक जब भारत इसका सदस्य नहीं था, तब प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में आतंकवाद इस संगठन की कार्यनीतियों, रणनीतियों और अन्य नीतियों के विषयों में सम्मिलित था ही नहीं। ऐसे में अब पहलगाम के आक्रोशजन्य वातावरण में एससीओ की, चीन के नेतृत्व में संचालित, चिर-परिचित व्यावसायिक नीतियों का अतिक्रमण कर आतंकवाद जैसा विषय प्राथमिकता के आधार पर भावी कार्यसूचियों में स्थान प्राप्त कर लेगा, ऐसा संभव तो नहीं लगता।

भारत को नहीं दी गई वरीयता

सम्मेलन में यह देखने को भी मिला है कि राजनाथ सिंह के आक्रोश व रुष्टता को चीन के नेतृत्व में किसी भी देश ने विशेष वरीयता नहीं दी और अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों ने भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य पर सहमतिपूर्ण हस्ताक्षर न किए जाने के संबंध में कोई विशेष चिंता प्रकट नहीं की। उनके व्यवहार

से ऐसा प्रतीत हुआ जैसे उन्हें इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि एससीओ की देर से सदस्यता प्राप्त करने वाला भारत आज विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन तथा दक्षिणी यूरोप के प्रमुख देश रूस, इन दोनों के लिए शंघाई सहयोग संगठन में भारत की प्राथमिकताओं की उपेक्षा करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करना किंचित सुगम नहीं होगा।

चूंकि भारत ने आर्थिक आधार पर विश्व के चौथे सबसे बड़े देश होने का गौरव प्राप्त कर लिया है तथा रक्षा-सुरक्षा की दृष्टि से भी पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान के विरुद्ध आरंभ किये ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारत ने अपनी नवोन्नत युद्धक तकनीकों, प्रौद्योगिकियों, पराक्रम को भी विश्वस्तरीय होने के रूप में सिद्ध किया है, अतएव एससीओ के किसी भी देश के लिए भारत की प्राथमिकताओं की उपेक्षा कर आगे बढ़ना संभव नहीं होगा। एकल रूप में, चीन और पाकिस्तान को छोड़कर, एससीओ के शेष सदस्य देश भारत की आतंकवाद संबंधी चिंताओं और सामूहिक रूप में इसके उन्मूलन की प्राथमिकताओं पर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहमति प्रदान करते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में जब भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंक के उन्मूलन के लिए ऑपरेशन सिंदूर जैसा युद्धक अभियान चलाकर पाकिस्तान के साथ अमेरिका और चीन की भी सामरिक हेकड़ी को लगाम लगाने में सफलता पाई है, तब एससीओ में चीन को अपनी पुरानी प्राथमिकताओं, हितों और रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। साथ ही पाकिस्तान को छोड़कर एससीओ के शेष सदस्य देशों को भी संगठन की कार्यनीतियों, रणनीतियों और कार्यक्रमों पर भारत की दिशादृष्टि के साथ सर्वथा एक नवदृष्टिकोण तैयार करना होगा, जिसके प्रभाव में भविष्य में एससीओ के सांगठनिक उद्देश्यों को भारत के मार्गदर्शन में एक उदार व समावेशी बोध के साथ प्राप्त किया जा सके। विश्व का कोई भी देश हो जब तक वह अन्य देश की किसी समस्या अथवा समस्याओं से स्वयं पीड़ित नहीं होता, तब तक वह पीड़ित देश की भांति समस्या के निदान हेतु विचारोत्तेजक व कार्यनीतिक दृष्टिबोध से संपन्न नहीं होता। आतंकवाद के संबंध में भारत ऐसा ही पीड़ित देश रहा है और एससीओ के शेष सदस्य देशों की चिंताएं कभी भी सामूहिक रूप में भारत के लिए समाधानमूलक नहीं बन सकी हैं।

शंघाई सहयोग संगठन संगठन का एक सदस्य देश पाकिस्तान, भारत के विरुद्ध आतंक का सिद्धदोषी प्रायोजक रहा है। इसी प्रकार दूसरा सदस्य देश ईरान भी मध्य पूर्व के क्षेत्र में अनेक आतंकी गुटों व समूहों को तैयार करवाकर क्षेत्रीय व राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न कराने का दोषी रहा है। रूस और चीन जैसे सदस्य देशों ने पाकिस्तान और ईरान और इनके आतंकी समूहों को अस्त्र-शस्त्र बेचने की अपनी व्यापारिक नीति को हमेशा से संरक्षित किया है।

भारत का निर्णय स्वागत योग्य

भारत, जो एससीओ के सदस्य देशों में से एकमात्र ऐसा देश है जिसने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान द्वारा फैलाये गये आतंक में सर्वाधिक जनधन की हानि उठाई है। इसीलिए, यदि भारत एससीओ का एक महत्वपूर्ण सदस्य है तो इसकी सामूहिक कार्ययोजनाओं में भारत की चिंताओं और आपत्तियों को वरीयता के क्रम में चिन्हित करते हुए उनके समयानुकूल समाधान की दिशा में सांगठनिक प्रयास होने अत्यंत आवश्यक हैं। इस हेतु रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आक्रोश, आपत्ति और संगठन के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर न करने का निर्णय स्वागत योग्य है। यह भारत की विदेश नीति के सशक्त व सुदृढ़ पक्ष का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। इस पर संकल्प के साथ डटे रहकर ही भारत अपने आर्थिक और सामरिक गौरव की रक्षा कर सकता है।

दोनों देशों के मध्य रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा में मजबूत कदम उठे

भारत-फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक विश्वास और तकनीकी समझ बढ़ी

भारतीय सेना ने दिखाई जबरदस्त रणनीतिक कुशलता और तालमेल

ये सैन्य युद्ध अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया गया। इस दौरान दोनों सेनाओं ने शहरी युद्ध, बाधा पार करने, संयुक्त गश्त और सैनिकों की तैनाती जैसे कई मिशन-विशेष अभ्यास किए। ये सभी अभ्यास वास्तविक युद्ध स्थितियों के अनुरूप किए गए, जिससे सैनिकों की रणनीतिक लचीलापन और फुर्ती में सुधार हुआ

एजेंसी ▶▶| पेरिस

भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच चल रहा संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति-8 दोनों देशों की सेनाओं के बीच रणनीतिक सहयोग और परिचालन स्तर की तालमेल को और मजबूत कर रहा है। यह अभ्यास फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में स्थित कैंप लारजैक, ला कावालरी में आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास में भारत की तरफ से जम्मू-कश्मीर राइफल्स बटालियन के करीब 90 सैनिक भाग ले रहे हैं, जबकि फ्रांसीसी सेना की ओर से 13वीं डेमी-ब्रिगेड डे लेजियन एत्रांजेरे (विदेशी सेना ब्रिगेड) हिस्सा ले रही है।

अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया

ये सैन्य युद्ध अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया गया। इस दौरान दोनों सेनाओं ने शहरी युद्ध, बाधा पार करने, संयुक्त गश्त और सैनिकों की तैनाती जैसे कई मिशन-विशेष अभ्यास किए। ये सभी अभ्यास वास्तविक युद्ध स्थितियों के अनुरूप किए गए, जिससे सैनिकों की रणनीतिक लचीलापन और फुर्ती में सुधार हुआ।

96 घंटे का तीव्र फील्ड अभ्यास

इस अभ्यास का विशेष आकर्षण रहा चार दिन यानी 96 घंटे तक चलने वाला हाई-इंटेंसिटी फील्ड ऑपरेशन। इसमें दोनों देशों की सेनाओं ने एक साथ मिलकर बहु-आयामी युद्ध परिदृश्य को अंजाम दिया। इस दौरान सैनिकों की सहनशक्ति, फैसले लेने की क्षमता और नेतृत्व कौशल की परीक्षा ली गई।

भारतीय राजदूत ने बढ़ाया हौसला

भारत के फ्रांस और मोनाको में राजदूत संजीव सिंगला ने शिविर का दौरा कर भारतीय सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने सैनिकों की पेशेवर क्षमता की सराहना की और भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग में उनके योगदान को अहम बताया। उनके दौरे ने सैनिकों का मनोबल और बढ़ाया।

इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और ड्रोन-रोधी प्रशिक्षण

इस कड़ी में विशेषज्ञ टीमों ने रेडियो सिग्नल पकड़ने, उन्हें जाम करने, स्पेक्ट्रम नियंत्रण और ड्रोन निष्क्रिय करने जैसे आधुनिक तकनीकों का अभ्यास किया। इससे दोनों सेनाओं की आधुनिक युद्धक्षेत्र में काम करने की क्षमता को मजबूती मिली।

सामरिक साझेदारी को मिली नई ऊंचाई

शक्ति-8 अभ्यास से यह साबित हो गया है कि भारत और फ्रांस की सेनाएं एक-दूसरे से बेहतर तरीके से समन्वय कर सकती हैं। इस अभ्यास ने रणनीतिक विश्वास, तकनीकी समझ और संयुक्त अभियान क्षमता को नई ऊंचाई दी है। यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

खबर संक्षेप

सैम ऑल्टमैन बोले- कबाड़ हैं सभी लैपटॉप-कंप्यूटर

वॉशिंगटन। ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन के हिसाब से मौजूदा कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर एआई के पहले के दौर के हिसाब से डिजाइन किए गए थे। अब उनका दौर जा चुका है यानी कि अब ये कबाड़ हो चुके हैं। हालांकि अब दुनिया ऐसे डिवाइसेज की तरफ बढ़ रही है जो अधिक जागरुक, अधिक व्यक्तिगत और पर्यावरण को लेकर अधिक संवेदनशील सिस्टम हैं जिनका काम सिर्फ कंप्यूट करना नहीं बल्कि यूजर्स के आस-पास के माहौल, जरूरतों और व्यवहार को समझकर प्रतिक्रिया देना है।

फ्रांस में सिगरेट पीने पर पाबंदी, 13 हजार का जुर्माना

पेरिस। फ्रांस ने 29 जून से पब्लिक प्लेस पर सिगरेट पीने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। सरकार के नए नियम के अनुसार, लाइब्रेरी, स्विमिंग पूल और स्कूलों के बाहर भी धूम्रपान नहीं करना होगा। यह नियम पहले 1 जुलाई से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे 29 जून से लागू कर दिया गया है। यह कदम बच्चों को सिगरेट के धुएं से बचाने के लिए उठाया गया है। अगर कोई इस नियम को तोड़ेगा, तो उसे 135 यूरो (लगभग 13,517 रुपए) का जुर्माना देना पड़ सकता है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2029 का पहली बार 'भारत' में आयोजन

» भारत की खेल अवसंरचना की मिली वैश्विक मान्यता

» भारत ने इन खेलों के 8 बार भाग लेकर 1400 पदक जीते

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत पहली बार 2029 में प्रतिष्ठित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स (विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों) की मेजबानी करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत को मिली इन खेलों की मेजबानी को प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व की बात करार दिया है। गुजरात के अहमदाबाद को इन खेलों का आयोजन होगा। वर्ष 1985 से विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल हर दो वर्ष में एक बार आयोजित किए जाते हैं।

अपने 'एक्स' पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में विकसित विशाल खेल अवसंरचना की वैश्विक मान्यता है। अहमदाबाद को इस आयोजन का स्थल चुना जाना इसे अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि भारत को 2029 के संस्करण की मेजबानी मिलना न केवल देश की खेल क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि यह पुलिस और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों के समर्पण और कौशल को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत को 2029 के संस्करण की मेजबानी मिलना न केवल देश की खेल क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि यह पुलिस और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों के समर्पण और कौशल को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा

ऑल इंडिया पुलिस गेम्स से होगा चयन

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन सालाना ऑल इंडिया पुलिस गेम्स के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। देश में पुलिस खेलों का संचालन ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड करता है, जिसके अंतर्गत 53 सदस्य संगठन हैं, जिनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य पुलिस बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियां शामिल हैं। यह बोर्ड हर वर्ष 40 राष्ट्रीय स्तर के पुलिस खेल आयोजन करता है, और इनमें से हर खेल के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टीम के लिए चुना जाता है।

1985 में हुई थी शुरुआत

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स एक द्विवर्षीय (हर दो साल में) आयोजन है जिसकी शुरुआत 1985 में हुई थी। अब तक इसके 20 संस्करण हो चुके हैं, जिनमें से अमेरिका में 8 बार, कनाडा में 5 बार, यूरोप में 4 बार, ब्रिटेन में 2 बार और चीन में 1 बार यह आयोजन हुआ है। ये खेल पुलिस, अग्निशमन, आपात, आपदा सेवाओं और घटना के वक्त सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए हैं।

भारत की भागीदारी और उपलब्धियां

भारतीय पुलिस की टीम ने पहली बार 2007 में एडिलेड में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में भाग लिया था। तब से लेकर अब तक भारत ने इन खेलों के 8 संस्करणों में भाग लेकर कुल 1400 से अधिक पदक जीते हैं। सबसे हालिया 20वें संस्करण का आयोजन 26 जुलाई से 6 अगस्त 2023 के बीच कनाडा के विनिपेग में हुआ था, जिसमें भारतीय पुलिस के 133 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर 343 पदक जीते जिनमें 224 स्वर्ण, 82 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। यह भारतीय दल के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। इन खेलों में पुलिस, अग्निशमन और आपदा सेवाओं के कर्मी 50 से अधिक खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाएं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। शाह ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह, शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया। शाह ने गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई-बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।

पाक सेना पर आत्मघाती हमला

16 सैनिकों की मौत, 6 बच्चों सहित 25 लोग घायल

» विस्फोटक से लदे वाहन को सैन्य काफिले में टक्कर मारी

» खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले की घटना

ब्लास्ट के बाद सुरक्षाबल जांच करते हुए

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खड्डी इलाके में शनिवार को एक आत्मघाती हमला हुआ। इसकी चपेट में आने से 16 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हैं, जिनमें सैन्यकर्मी और नागरिक दोनों शामिल हैं। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से लदे वाहन को बम-रोधी इकाई के एक सैन्य वाहन काफिले में टक्कर मार दी। इससे 16 सैनिकों की जान चली गई और 6 सैन्यकर्मी व 19 नागरिक घायल हो गए।

हाल का सबसे बड़ा हमला

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान दोनों में सरकार से लड़ने वाले सशस्त्र समूहों द्वारा वर्ष की शुरुआत से अब तक लगभग 290 लोग, जिनमें ज्यादातर सुरक्षा अधिकारी हैं, मारे गए हैं। घटना के समय सैन्य आवाजाही के कारण इलाके में कर्फ्यू लगाया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने विस्फोट के बाद राहत अभियान शुरू किया है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक घटनाओं में से एक बताया जा रहा है और इसने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

» उसुद अल-हरब ने ली जिम्मेदारी

इस हमले की जिम्मेदारी हाफिज गुल बहादुर सशस्त्र समूह से जुड़े आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब ने ली है, जो पाकिस्तान तालिबान का एक गुट है। 2021 में काबुल में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे अपने क्षेत्रों में हिंसा में तेज वृद्धि देखी है।

रूस ने पश्चिमी देशों पर लगाया आरोप

पुतिन ने कहा- अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे, हथियार के रूप में आतंकवाद का कर रहे इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर पश्चिमी देशों पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम देश रूस में अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं। पुतिन ने शुक्रवार को बेलारूस की राजधानी मिंस्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बयान दिया।

उन्होंने कहा कि किसी को इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की गतिविधियों की कोई परवाह नहीं है, जब तक वह रूस के खिलाफ काम कर रहा है। मॉस्को में विस्फोट हुए और अब भी हो रहे हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा।

रूस की आड़ में नाटो ने बढ़ाया रक्षा खर्च

पुतिन ने कहा कि नाटो वर्तमान में रूस की 'आक्रामकता' का हवाला देकर अपने सदस्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च में वृद्धि और यूरोप में सैन्य तैनाती को उचित ठहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जब नाटो के सदस्य इस तरह के बयान देते हैं तो वे सब कुछ उल्टा कर देते हैं। कोई भी इस बारे में एक शब्द तक नहीं बोल रहा है कि हम रूसी, विशेष सैन्य अभियान तक कैसे पहुंचे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष की जड़ें दशकों पहले तक जाती हैं जब मॉस्को से नाटो विस्तार के बारे में झूठ बोला गया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद, निरंतर इसे विस्तारित किया गया।

» एकतरफा खेल नहीं खेलेगा मॉस्को

पुतिन ने कहा कि कोई भी इस पर ध्यान नहीं देना चाहता। जब तक यह रूस के खिलाफ है, सब ठीक है। ऐसा उस वक्त हुआ, जब पश्चिमी देशों ने हमारे देश में अलगाववाद को बढ़ावा दिया और रूस के खिलाफ लड़ाई के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल किया। पुतिन ने कहा कि मॉस्को अब पश्चिम के साथ 'एकतरफा' खेल नहीं खेलेगा। पश्चिमी देशों ने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) विस्तार और यूक्रेन संघर्ष को हल करने से संबंधित अपने वादों को पूरा न करके बार-बार रूस को धोखा दिया है।

जम्मू में होंगी अहम बैठकें

पहलगाम का दौरा करेगी संसदीय समिति, हालात की करेगी समीक्षा

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद अब एक संसदीय समिति वहां दौरा करने जा रही है। यह इस हमले के बाद पहला आधिकारिक दौरा होगा, जिसका उद्देश्य जमीनी हालात की समीक्षा करना और प्रशासनिक व सुरक्षा उपायों का जायजा लेना है। यह दौरा कोयला, खान और इस्पात से संबंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कर रहे हैं। समिति का यह विस्तृत दौरा मुंबई, कूर्ग और श्रीनगर जैसे शहरों को कवर करेगा। संसदीय समिति कश्मीर दौरे की शुरुआत जम्मू से करेगी।

फिलीपींस में 6.0 तीव्रता का भूकंप

मनीला। फिलीपींस में शनिवार सुबह 4:37 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 थी। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ में जमीन से 105 किलोमीटर की गहराई पर था। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले 24 जून को भी फिलीपींस में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था।

इजराइल और हमास के बीच होगा युद्धविराम

ट्रंप बोले- एक हफ्ते के भीतर सीजफायर संभव, बात की है

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन डीसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्ध खत्म करवाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस स्थित प्रेसिडेंट के ऑफिस ओवल ऑफिस में शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमें लगता है कि अगले हफ्ते के भीतर सीजफायर हो जाएगा। मैंने सीजफायर कराने की कोशिश में शामिल कुछ लोगों से बात की है। मुझे लगता है कि यह बहुत करीब है। ट्रंप ने कहा कि गाजा में सीजफायर और बंधकों की रिहाई तक ही बात नहीं रुकनी चाहिए, बल्कि जंग को पूरी तरह खत्म किया जाए।

आईडीएफ की चेतावनी मध्य गाजा खाली करें

इजराइली रक्षा बल ने शुक्रवार रात को मध्य गाजा के नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की। आईडीएफ प्रवक्ता अविचाई आद्रेई ने कहा कि हम उन सभी ठिकानों को निशाना बनाएंगे, जहां से रॉकेट छोड़े जा रहे हैं या जिनका उपयोग आतंकवादी कर रहे हैं। नागरिक इन क्षेत्रों को तत्काल खाली करें। नागरिक तुरंत दक्षिण की ओर अल-मवासी क्षेत्र की तरफ चले जाएं और वापस न लौटें।

कनाडा से नाराज ट्रंप बोले- जल्द नया टैरिफ लगाऊंगा

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता तुरंत खत्म कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि वे जल्द ही कनाडा पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा करेंगे। दरअसल, कनाडा ने अमेरिका पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स (डीएसटी) लगा दिया है। इससे नाराज होकर यह फैसला किया। ट्रंप ने कहा कि अगले 7 दिनों में कनाडा को बता दिया जाएगा कि उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा। डीएसटी वह टैक्स होता है। जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा।

हिंद महासागर में नहीं चलेगी अब चीन की दादागीरी, देश ने बढ़ाया दबदबा

श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड में भारत ने ली नियंत्रण हिस्सेदारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की प्रमुख रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड, कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 452 करोड़ रुपए) का है। यह भारत की किसी सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी द्वारा किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण होगा और इसके जरिए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलेगी। यह भारत के सबसे बड़े शिपयार्ड द्वारा पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है। यह कंपनी पनडुब्बियों, युद्धपोतों और अन्य जहाजों का निर्माण करता है। यह कदम भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक 'रणनीतिक पैर जमाने' में भी मदद करेगा। इस क्षेत्र में चीन अपनी बैठ बढ़ा रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह डील बहुत ही महत्वपूर्ण है।

खास बातें

- एमडीएल ने 452 करोड़ रुपए में सीडीपीएलसी में 51 प्रतिशत की नियंत्रण हिस्सेदारी ली
- कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बनी

50 से अधिक वर्षों का अनुभव

सीडीपीएलसी के पास जहाज निर्माण, मरम्मत और भारी इंजीनियरिंग का 50 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी जापान, नॉर्वे, फ्रांस, यूएई, भारत और कई अफ्रीकी देशों के लिए जटिल ऑफशोर सपोर्ट वेसल, केबल-लेइंग जहाज, टैंकर और गश्ती नौकाएं बना चुकी है।

सौदा 4 से 6 माह में पूरा होगा

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी है। इसने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण प्राथमिक पूंजी निवेश और द्वितीयक शेयर खरीद के संयोजन के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी लिमिटेड से शेयरों की खरीद शामिल है, जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की बहुसंख्यक हिस्सेदार है। यह सौदा नियामक अनुमोदन और अन्य सामान्य शर्तों के अधीन है, और इसके चार से छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है। सौदे के पूरा होने पर, कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बन जाएगी।

क्षेत्रीय समुद्री शक्ति वैश्विक शक्ति में बदलेगी

एमडीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कैप्टन जगमोहन ने बताया कि सीडीपीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी का प्रस्तावित अधिग्रहण हमारे शिपयार्ड को एक क्षेत्रीय समुद्री शक्ति और आगे चलकर एक वैश्विक शिपबिल्डिंग कंपनी में बदलने की दिशा में एक 'गेटवे' है। कोलंबो पोर्ट पर सीडीपीएलसी की रणनीतिक स्थिति, इसकी सिद्ध क्षमताएं और क्षेत्रीय उपस्थिति, एमडीएल को दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी।

समुद्र में स्थित है ये रहस्यमयी किला, आज तक कोई नहीं जीत सका, मीठे पानी की झील है पहेली

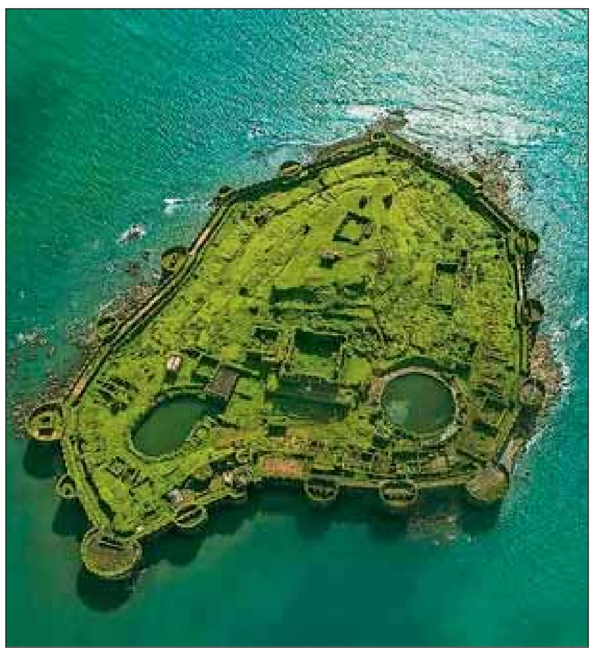

नई दिल्ली। भारत में बेहद खूबसूरत और ऐतिहासिक कले हैं। यहां पर राज करने वाले राजाओं ने अपने राज्य की सुरक्षा के लिए किलों के निर्माण कराए हैं। यहां ऐसे कई प्राचीन किले हैं, जो अपने आप में कई रहस्य समेटे हुए हैं। एक इसी तरह का किला महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के तटीय गांव मुरुद में स्थित है, जिसे मुरुद जंजीरा किला के नाम से जाना जाता है। समुद्र तल से 90 फीट की ऊंचाई पर बने इस किले की खासियत है कि यह बीच समुद्र (अरब सागर) में बना हुआ है।

मुरुद जंजीरा किला भारत के पश्चिमी तट का एक मात्र ऐसा किला है, जो कभी भी जीता नहीं जा सका। कहा जाता है कि ब्रिटिश, पुर्तगाली, मुगल, शिवाजी महाराज, कान्होजी आंग्रे, चिम्माजी अप्पा और संभाजी महाराज ने इस किले को जीतने का काफी प्रयास किया था, लेकिन इनमें से कोई भी सफल नहीं हो सका। यही वजह है कि 350 साल पुराने इस किले को 'अजेय किला' कहा जाता है।

15वीं सदी में हुआ था किले का निर्माण

मुरुद-जंजीरा किले का दरवाजा दीवारों की आड़ में बनाया गया है, जो किले से कुछ मीटर दूर जाने पर दीवारों के कारण दिखाई देना बंद हो जाता है। कहा जाता है यही वजह रही होगी कि दुश्मन किले के पास आने के बावजूद चकमा खा जाते थे और किले में घुस नहीं पाते थे। इस किले का निर्माण अहमदनगर सल्तनत के मलिक अंबर की देखरेख में 15वीं सदी में हुआ था। बताया जाता है कि इसका निर्माण 22 साल में हुआ था। 22 एकड़ में फैले इस किले में 22 सुरक्षा चौकियां हैं। यहां सिद्दीकी शासकों की कई तोपें अभी भी रखी हुई हैं, जो हर सुरक्षा चौकी में आज भी मौजूद हैं।

40 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ

यह किला 40 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। माना जाता है कि यह किला पंच पीर पंजातन शाह बाबा के संरक्षण में है। शाह बाबा का मकबरा भी इसी किले में है। इस किले में मीठे पानी की एक झील है। समुद्र के खारे पानी के बीच होने के बावजूद यहां मीठा पानी आता है। यह मीठा पानी कहां से आता है, यह अभी तक रहस्य ही बना हुआ है।

रोचक खबरें

20 रुपए की नोट में दिखने वाली जगह पहुंची महिला, दिखाया खूबसूरत नजारा!

नई दिल्ली। हमारा देश इतना खूबसूरत है कि आप किसी भी राज्य में पहुंच जाएं, आपको हर जगह दिलकश नजारे दिख जाएंगे। भारतीय मुद्राओं में ये नजारे भी देखने को मिलते हैं। 20 रुपए की ही नोट को उठाकर देख लीजिए। आपको पेड़ों के बीच समुद्र नजर आएगा, जो अपने आप में काफी अनोखा है। पर क्या आप जानते हैं कि आखिर ये जगह कहां है, जिसे लोग 20 रुपये की नोट पर देखते हैं? हाल ही में एक महिला उसी जगह पर पहुंच गई, जो नोट के पीछे छपी है, जब आप इसे असल में देखेंगे तो हैरान हो जाएंगे।इंस्टाग्राम यूजर ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो उस जगह को दिखा रही हैं, जो 20 रुपए की नोट के पीछे नजर आती है। वीडियो में वैली कहती हैं- इस वक्त हम लोग वहां पहुंच गए हैं, जहां से 20 रुपए का व्यू लिया गया है। महिला सबसे पहले एक बड़ी 20 रुपए की नोट को दिखाती है, फिर उसके बाद वो कैमरा को उस तरफ घुमा देती है जहां वो नजारा है। आप देख सकते हैं कि दो पेड़ों के बीच समुद्र नजर आ रहा है और पेड़ों के नीचे एक बालकनी जैसी जगह बनी है, जहां खड़े होकर लोग फोटो खिंचवा सकते हैं। सामने आपके घने पेड़ नजर आएंगे और दूर समुद्र में नाव चलती हुई दिखाई दे रही हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि ये जगह कहां है, तो आपको बता दें कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह है, जहां ये खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। इस वीडियो को 38 लाख व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कई लोगों ने ये सवाल किया कि आखिर ये जगह कहां पर है। एक ने कहा कि अब उसे भी इस जगह पर जाने का मन कर रहा है। एक ने मजाक में कहा- 20 रुपए का व्यू देखने के लिए 20 हजार रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

जज्बा उम्र का मोहताज नहीं 80 साल की दादी ने चलाई ट्रैक्टर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे वीडियो सामने आते हैं जो इस बात को साबित कर देते हैं कि असली ताकत इंसान के जज्बे में होती है, उम्र में नहीं। एक बार फिर से यही बात सच होती नजर आ रही है एक वीडियो में, जिसमें 80 साल की एक बुजुर्ग महिला पूरे कॉन्फिडेंस और देसी स्टाइल के साथ ट्रैक्टर चलाती नजर आ रही हैं। यह वीडियो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग दादी अम्मा की हिम्मत और हौसले को सलाम कर रहे हैं। दादी खेत में खड़े ट्रैक्टर को बड़े सहज तरीके से स्टार्ट करती हैं और उसे कॉन्फिडेंस से भरपूर अंदाज में चलाती भी हैं। इतना ही नहीं, वे ट्रैक्टर पर बैठे-बैठे रील भी बनवाती हैं। उनकी चाल-ढाल और अंदाज देखकर किसी को यकीन नहीं होता कि उनकी उम्र 80 साल है। दादी का आत्मविश्वास वीडियो में अच्छे से दिखता है। स्टीयरिंग थामना, गियर बदलना और ट्रैक्टर को खेत में घुमाना। इन सब पर उनकी जबरदस्त पकड़ है। देखने वालों को कहीं से नहीं लगता कि वह पहली

बार ट्रैक्टर चला रही हैं या उन्हें किसी तरह की हिचकिचाहट है। हर सीन में उनकी मुस्कान और आत्मबल साफ नजर आता है। यह वीडियो अब तक हजारों लोगों द्वारा देखा जा चुका है और इसे खूब पसंद भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं लगातार आ रही हैं।

बच्चों को स्कूल नहीं भेजता ये कपल तालीम देने का खोजा अनोखा तरीका

वॉशिंगटन। स्कूली बच्चों से अगर पूछा जाए कि वो एक चीज क्या चाहते हैं, तो वो कहेंगे कि कुछ ऐसा हो जाए कि उन्हें स्कूल न जाना पड़े! लगभग हर पीढ़ी के

बच्चों के मन में कभी न कभी ये ख्याल आया होगा कि उन्हें स्कूल जाने की जरूरत ही न पड़े। मगर सोचने वाली बात ये है कि क्या वाकई हमें स्कूल जाने की जरूरत होती है? हाल ही में एक अमेरिकी कपल ने बताया कि वो अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते, बल्कि वो उन्हें दुनिया के अलग-अलग देशों में ले जाते हैं और फिर उन्हें ऐसा ज्ञान दिलाते हैं जिससे वो अलग इंसान बन सकते हैं। दुनियाभर की यात्रा करते हुए पढ़ाई करवाना, पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था से हटकर बच्चों को सिखाना- अमेरिका के फ्लोरिडा की डायना ब्लिंक्स और उनके पति स्कॉट ने यही रास्ता चुना है। डायना (41), जो एक कंटेंट क्रिएटर हैं और जिनके इंस्टाग्राम पर 1.45 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, अपनी तीन बेटियों- लुसिल (12), एडिथ (11) और हेज़ल (9)- को लेकर जुलाई 2022 से 'वर्ल्ड स्कूलिंग' कर रही हैं। उन्होंने और उनके पति ने कॉर्पोरेट दुनिया की दौड़ से बाहर निकलकर बच्चों को दुनिया घूमते हुए पढ़ाने का फैसला किया। वे कहती हैं, 'हम चाहते थे कि हमारी बेटियां किताबों से नहीं, जीवन से सीखें- दुनिया को खुद देखें, महसूस करें। आज लुसिल स्पेन में फ्लेमेन्को डांस सीख रही है, एडिथ एथेंस में ग्रीक मिथोलॉजी पढ़ रही है और हेज़ल मोंटेनेग्रो में समुद्री जीवन संरक्षण सीख रही है।

इस गांव को है अनोखा वरदान! जहरीले सांप के काटने से भी नहीं जाती किसी की जान

अगर किसी को सांप काट ले तो कई बार लोगों की जान चली जाती है। ऐसे में यूपी में एक ऐसा गांव है, जो अपनी विशेषता के लिए जाना जाता है। इस गांव में जहरीले सांप के काटने से किसी की मौत नहीं होती। इसके पीछे की दिलचस्प कहानी है। उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य है। जहां 75 जिले हैं। यहां के हर हिस्से की अपनी खासियत है। ऐसा ही एक गांव सहारनपुर में है, जो धार्मिक मान्यताओं से घिरा हुआ है। यहां के मंदिरों में देशभर से श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं।

नई दिल्ली। सहारनपुर का महाभारत कालीन गांव जड़ौदा पांडा भी काफी फेमस है। इस गांव में बाबा नारायण दास मंदिर की महत्ता देशभर में है। बाबा के वंश से जुड़े 12 गांवों जड़ौदा पांडा, किशनपुरा, जयपुर, शेरपुर, घिसरपड़ी, किशनपुर, चरथावल, खुशरोपुर, मोगलीपुर, चोकड़ा, घिस्सूखेड़ा, न्यामू के ग्रामीण देवता मानते हैं।

बाबा की कृपा

इन सभी गांवों पर बाबा नारायण दास की ऐसी कृपा है कि यहां अगर किसी को जहरीला सांप काट लेता है, तो उनको सांप के काटने का जरा भी असर नहीं होता और न ही उनकी मौत होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब 700 साल पहले ग्राम जड़ौदा पांडा निवासी उग्रसेन और माता भगवती के घर बाबा नारायण दास का जन्म हुआ था।

महाभारत कालीन गांव

क्या कहते हैं लोग?

कहा जाता है कि बाबा नारायण दास बाबा नारायण दास श्री पंचायती उदासीन अखाड़े से जुड़े हुए थे और शिव भक्त थे और उन्होंने कई जगहों पर तपस्या की थी। बाबा ने अपनी 80 बीघा जमीन शिव मंदिर में दान दी थी। इस महाभारत कालीन शिव मंदिर के पास साधना के दौरान वह अपने सेवक, घोड़े, कुत्ते के साथ धरती मां की गोद में समा गए थे।

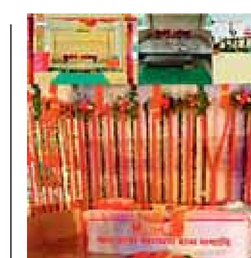

क्या कहते हैं पंडित?

कहते हैं यहां बाबा की समाधि बना दी गई थी, जो कि आज भी है। इस समाधि पर दूर-दूर से लोग अपनी मन्नत लेकर आते हैं। दावा है कि यहां आने वाले की हर मनोकामना पूरी होती है। ग्रामीण पंडित का दावा है कि आज तक हमने ऐसा नहीं सुना कि किसी को सांप ने काटा हो और उसकी मौत हो गई हो।

नहीं चढ़ता सांप का जहर

पंडित का दावा है कि बाबा नारायण दास की 12 गांवों पर खास कृपा है। सांप काटने के बाद भी किसी को कोई दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ती। यहां बाबा नारायण दास का समाधि स्थल है और इस गांव की एक दिव्य शक्ति है। यहां पहले बांस का वन था। बाबा के समाधि स्थल को जुड़ कहा जाता था। इसी वजह से मंदिर को भी जुड़ मंदिर कहते हैं।

पहली बार 2 मर्दों से बिना मां के पैदा हुआ बच्चा, चीन के वैज्ञानिकों ने रचा इतिहास

बीजिंग। विज्ञान ने इस बार प्रकृति के सभी नियमों को पार कर दिया है चीन के जियाओतोंग विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा चूहा तैयार किया है, जो केवल दो नर चूहों के डीएनए से जन्मा है, मतलब इसकी कोई मां नहीं है। यह स्टडी 23 जून 2025 को नामी साइंटिफिक जर्नल राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही में छपी है।

20 साल की रिसर्च

इस प्रक्रिया से तीन बच्चे जन्में थे। इनमें से एक आकार में बड़ा होने के कारण अगले दिन मर गया। 2004 में जापान में दो मादा चूहियों से बच्चों का जन्म कराया गया था। लेकिन, ये पहली बार है जब 2 नर से बच्चे को पैदा कराया गया। इस बार चीनी वैज्ञानिकों ने जीन डिलीशन की बजाय मिथाइलेशन के जरिए एपिजेनेटिक रीप्रोग्रामिंग की जिससे भ्रूण अधिक स्वस्थ रहा।

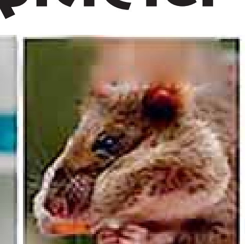

कैसे हुआ ये अनोखा चमत्कार

इस प्रयोग को सफल बनाने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने एपिजेनेटिक प्रोग्रामिंग पैटर्न को एडिट किया और नया तरीका अपनाया। आपको बता दें कि मिथाइलेशन की प्रक्रिया में डीएनए की एक्टिविटी को नियंत्रित किया जाता है, लेकिन इसका असर डीएनए सीक्वेंस पर नहीं पड़ता।

इसमें एक लैब-ब्रेड माउस और दूसरा थाईलैंड के वाइल्ड माउस की नस्ल का इस्तेमाल किया गया। इसके लिए सबसे पहले अंडाणु से जीनोम हटाया गया और उसमें 2 मेल शुक्राणु को इंजेक्ट किया गया। इनमें से एक के मिथाइलेशन पैटर्न को महिला डीएनए जैसा बनाया गया।

क्यों जरूरी है ये खोज?

यूनिवर्सिटी कालेज लंदन की असोसिएट प्रोफेसर हेलेन ओ'नील का कहना है कि, इससे ये साबित होता है कि स्तनधारी जीवों में एक लिंग से संतान पैदा करने में बड़ी बाधा जीनोमिक इम्प्रिंटिंग है और अब शायद इसे पार किया जा सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने ये भी साफ कर दिया है कि इस तकनीक का इस्तेमाल इंसानों पर लागू नहीं हो सकता। भले यह सफलता इंसानों के लिए उपयोगी नहीं है, लेकिन इससे रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, जेनेटिक इंफर्टिलिटी और क्लोनिंग जैसे क्षेत्रों में नए रास्ते खुलेंगे।

बिच्छू के जहर से होगा ब्रेस्ट कैंसर का इलाज

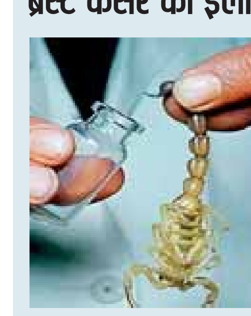

ब्रासीलिया। ब्राजील के वैज्ञानिकों ने ब्रेस्ट कैंसर जैसी घातक बीमारी के इलाज को लेकर एक नई उम्मीद की किरण दी है। अमेजन में रहने वाले बिच्छू ब्रॉथियास अमेजोनिकस के जहर में एक खास अणु पाया गया है जो कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करता है। खास बात ये है कि ये शरीर के अन्य सेल्स को जरा भी नुकसान नहीं पहुंचाता है। साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च टीम ने इस पर काफी गहराई से अध्ययन किया और पाए गए मॉलिक्यूल का नाम रखा बामाजे स्पल्प1. लैब में हुए शुरुआती टेस्ट्स में ये पाया गया कि इस बिच्छू का जहर ब्रेस्ट कैंसर सेल्स को खत्म करने में कीमोथेरेपी जितना ही प्रभावी हो सकता है। हालांकि, बिच्छू से जहर निकालना व्यावहारिक नहीं है तो इसके लिए वैज्ञानिकों ने बायोटेक्नोलॉजिकल तकनीक की मदद ली। इस प्रोजेक्ट की रिसर्चर प्रोफेसर एलियान अरण्तेस का कहना है कि उन्होंने पिचिया पास्टोरिस नामक यीस्ट का प्रयोग किया है जो बायोटेक उद्योग में उपयोगी साबित हो चुका है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन के अनुसार, ब्रेस्ट कैंसर दुनियाभर की महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। वहीं कैंसर से होने वाली मौतों में बेस्ट कैंसर दूसरे नंबर पर है। 2022 में इस बीमारी के 2.3 मिलियन मामले दर्ज किए गए थे और 6.7 लाख लोगों की मौत हुई थी। स्पल्प1 पर अभी लैब में ही शुरुआती टेस्ट हुए हैं, लेकिन इसके दिखने वाले प्रभावों से वैज्ञानिक बहुत उत्साहित हैं। इसका अगला कदम होगा जानवरों पर इसका परीक्षण करना और फिर क्लीनिकल ट्रॉयल। अगर ये मॉलिक्यूल इंसानों पर भी सुरक्षित साबित हुआ तो यह ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में बड़ा गेमचेंजर साबित हो सकता है।

बस करा लें ये एक टेस्ट, नई रिसर्च में खुलासा

सिर्फ 30 सेकंड में जानें कितने साल तक जिएंगे आप

न्यूयार्क। हाल ही में किए गए एक शोध से ये सामने आया है कि एक छोटा सा फिजिकल टेस्ट आपकी उम्र का सही-सही अंदाजा लगा सकता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में छपी रिपोर्ट के अनुसार, इस टेस्ट में फर्श पर बैठने और फिर बिना हाथों या घुटनों के सहारे खड़े होने की क्षमता का परीक्षण किया गया. इससे पता चलता है कि शरीर कितना बैलेंस्ड और फ्लेक्सिबल है।

कैसे दिए जाते हैं अंक?

जिन लोगों को 10 अंक मिले, उनमें मृत्यु दर 3.7% थी। वहीं, 8 अंक पाने वालों में यह दर 11.1% थी। जिन्हें सबसे कम अंक मिले जो कि 0-4 के बीच था उनमें मरने वालों की दर 42.1 प्रतिशत थी. रिसर्चर क्लाउडियो गिल ने कहा कि इस टेस्ट को बिना किसी की निगरानी के नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिसके भी रीढ़ की हड्डी में चोट है उन लोगों को भी ये टेस्ट करने से बचना चाहिए।

इसे कहा जाता है सिटिंग राइजिंग टेस्ट

शरीर का लचीलापन, बैलेंस और मांसपेशियों की ताकत कितनी और कैसी हैं, ये बताते हैं कि दिल की सेहत और कार्डियोवैस्कुलर फंक्शन कैसे काम कर रहा है। इस टेस्ट को सिटिंग राइजिंग टेस्ट कहा जाता है। इस रिसर्च में 46 से 75 साल की उम्र के 4,282 लोगों को शामिल किया गया. 0-10 के बीच मिले अंक में जिसके सबसे कम थे उनकी मृत्यु दर ज्यादा थी. इसमें 5 अंक बैठने और 5 खड़े होने के लिए दिए जाते हैं। आपको बता दें कि 12 साल की रिसर्च में 665 लोगों की मौत हो गई।

दिल हो गया कमजोर

अगर एसआरटी में आपका प्रदर्शन खराब है तो इसकी सीधा मतलब है कि आपके दिल की काम करने की क्षमता कमजोर हो गई है। धमनियों का सख्त हो जाना रक्त वाहिकाएं के समय से पहले बूढ़े होने के संकेत देते हैं। साथ ही यह भी हो सकता है कि ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम जो दिल की धड़कन को नियंत्रित करता है, कमजोर हो रहा है।